शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 321 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 21 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

किसानों के प्रति संवेदनशील है एनडीए सरकार : भाजपा — पेज 3
महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव को स्थगित करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट... — पेज 4
ईडी ने श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक को किया गिरफ्तार — पेज 8
सॉल्ट और बेयरस्टो की तूफानी पारी, इंग्लैंड ने सुपर-8 में वेस्टइंडीज को हराया — पेज 11

एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके में शामिल हुए पीएम, दिए 3300 करोड़ रुपए का तोहफा, कहा–

जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सिखाया जाएगा सबक

नई दिल्ली (एजे /हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (20 जून) जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कांफ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में *एम्पावरिंग यूथ, ट्रांसफॉर्मिंग जेएंडके* कार्यक्रम में शामिल हुए। वह 21 जून को योग दिवस कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इस दौरान जम्मू-कश्मीर को करीब 3300 करोड़ रुपए का तोहफा दिया। साथ ही शासकीय सेवाओं के लिए 2000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे। मोदी ने कहा कि लोगों की आकांक्षाएं सर्वकालिक उच्च स्तर पर हैं और यह किसी देश के लिए बहुत बड़ी शक्ति है। जब आकांक्षाएं ऊंची होती हैं तो लोगों की अपेक्षाएं भी ऊंची होती हैं। ऐसे मापदंडों पर हमारा मूल्यांकन करने के बाद जनता ने हमें तीसरी बार चुना। एक आकांक्षी समाज दूसरा मौका नहीं देता। इसका एकमात्र पैरामीटर प्रदर्शन है। पीएम मोदी ने कहा कि आज हम जम्मू-कश्मीर में जो बदलाव देख रहे हैं, वह पिछले 10 साल के हमारे काम का नतीजा है। उन्होंने कहा कि जनता को सिर्फ हम पर विश्वास और इस विश्वास व उनकी आकांक्षा को हमारी सरकार ही पूरा कर सकती है। जनता को हमारी नीयत और नीतियों पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों पर चलते हुए हमारी सरकार प्रदर्शन करके दिखाती है, रिजल्ट लाकर दिखाती है। इसी प्रदर्शन के आधार पर 60 साल के बाद तीसरी बार किसी सरकार को हमारे देश में जनादेश मिला है। लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश का बहुत बड़ा मैसेज स्थिरता का है। मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जनादेश स्थिरता का संदेश देता है। करीब 20 साल पहले देश ने अस्थिर सरकारों का एक लंबा दौर देखा था। 10 साल में पांच बार चुनाव हुए। देश चुनाव कराने में व्यस्त था और अनिश्चितता तथा अस्थिरता के कारण जब इसे शुरू होना था तब इसे रोक दिया गया। भारत अब इसे पीछे छोड़कर स्थिर सरकार के एक नए चरण में प्रवेश कर चुका है। इसने हमारे लोकतंत्र को मजबूत किया है और जम्मू-कश्मीर के लोगों ने इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत स्थिर सरकार के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। इससे हमारा लोकतंत्र और मजबूत हुआ है और इस लोकतंत्र की मजबूती में जम्मू-कश्मीर की आवाम की, आपलोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

2025 तक चालू होगा मंगलदै बाईपास : सीएम

मंगलदै (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि मंगलदै बाईपास रोड 2025 तक चालू हो जाएगा। बाईपास का निरीक्षण करने के बाद आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के समय निर्माण कार्य कुछ धीमा पड़ गया था। उन्होंने कहा कि बारिश खत्म होने के बाद इस पर पूरी तेजी से काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का लोक निर्माण विभाग इस सड़क का निर्माण कर रहा है। इसके निर्माण पर केंद्र सरकार द्वारा 341 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसमें से 95 रुपए करोड़ रुपए भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बाईपास के बन जाने के बाद इस मार्ग पर यातायात में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी आधारशिला रखी थी। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 को फोरलेन में रूपांतरित करने को लेकर सैद्धांतिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा हरी झंडी दिखा दी गई है। इसके प्राक्कलन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें 6 माह का समय लगेगा। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सांसद दिलीप सैकिया भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कौशल विश्वविद्यालय का जायजा लिया

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थलों का निरीक्षण किया

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा गुरुवार को दरंग जिले के मंगलदै पहुंचे और असम कौशल विश्वविद्यालय परिसर में चल रही निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया। इसके अलावा, उन्होंने निर्माणाधीन मंगलदै बाईपास और निर्माणाधीन दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए स्थल का भी दौरा किया। मंगलदै पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15 पर बन रहे 15 किलोमीटर लंबे बाईपास के निर्माण स्थल का दौरा किया और निर्माण गतिविधियों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने परियोजना की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को इसे शीघ्र पूरा करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि एनएच-15 पर मंगलदै बाईपास पूरा होने पर पश्चिम बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सड़क नेटवर्क को मजबूत करेगा और इस तरह निर्बाध सड़क परिवहन और क्षेत्रीय अखंडता की सुविधा प्रदान करेगा। असम के कैबिनेट मंत्री जयंत मल्लबरुवा, चंद्रमोहन पटवारी, सांसद दिलीप सैकिया, विधायक परमानंद राजबंशी और बसंत दास मुख्यमंत्री के साथ थे। असम कौशल विश्वविद्यालय के परिसर का दौरा करते हुए, मुख्यमंत्री को संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए देखा गया कि निर्माण गतिविधियों के सभी पहलू तय समय के अनुसार पूरे हो जाएं ताकि जुलाई, 2025 से शैक्षणिक सत्र शुरू किए जा सकें। गौरतलब है कि असम कौशल विश्वविद्यालय 250 बीघा भूमि पर 21वीं सदी की नवीनतम् शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ बनाया जा रहा है। कार्यात्मक होने -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल के राज्यपाल राजभवन में महसूस कर रहे हैं असुरक्षित

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस राजभवन में कोलकाता पुलिस की मौजूदा टुकड़ी से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। राज्यपाल ने गुरुवार को कहा कि उन्हें राजभवन में तैनात कोलकाता पुलिस की मौजूदा टुकड़ी की वजह से अपनी सुरक्षा को खतरा होने का अंदेशा है। उनका यह बयान पुलिस कर्मियों को राजभवन परिसर खाली करने का आदेश देने के कुछ दिनों बाद आया है। हालांकि, यह टुकड़ी अभी भी राजभवन में तैनात है। बोस ने कहा कि मेरे पास यह मानने के कारण हैं कि मौजूदा प्रभारी अधिकारी और उनकी टीम की मौजूदगी मेरी निजी सुरक्षा के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि मैंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सूचित किया है कि मैं राजभवन में कोलकाता पुलिस से असुरक्षित हूं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। राजभवन के सूत्रों ने कहा कि बोस ने राज्य सरकार से शिकायत की है कि राजभवन में तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा लगातार जासूसी की जा रही है। उन्हें लगता है कि वे बाहरी प्रभावशाली लोगों के कहने पर ऐसा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा से पीड़ित लोगों को साथ लेकर राज्यपाल से मिलने पहुंचे विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को पुलिस ने राजभवन में प्रवेश नहीं करने दिया था जबकि राज्यपाल ने उन्हें मिलने की अनुमति दी थी। इसके बाद राज्यपाल ने उन पुलिसकर्मियों के तबादले का निर्देश दिया लेकिन उस पर अमल नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने राजभवन परिसर से कोलकाता पुलिस को हटाने को कहा कि लेकिन राज्य सरकार ने उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की।

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

हम चीजो को उस तरह से नहीं देखते जिस तरह से वे है, बल्कि हम चीजो को उस तरह से देखते है जिस तरह के हम है।

– **अब्दुल कलाम**

न्यूज गैलरी

सीएम अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट से नियमित जमानत मिल गई है। एक लाख रुपए के मुचलके पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत दी है। इससे -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

तमिलनाडु में अवैध देशी शराब पीने से 34 लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लकुरिची के करुणापुरम इलाके में गुरुवार को अवैध देशी शराब पीने से कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के उत्तरी जिले में हुई इस त्रासदी के बाद 100 अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताते हुए मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी गोकुलदास के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग गठित करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही जहरीली शराब की बिक्री करने के आरोप में चार लोगों को अरेस्ट किया गया है। सीएम ने अवैध देशी शराब पीने से जान गंवाने वाले 34 लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का एलान किया है। इसके अलावा, जिन लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्हें 50,000 रुपए की मदद देने का एलान सीएम ने किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक निरीक्षण के बाद जहरीली शराब त्रासदी पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने जहरीली शराब बनाने के लिए मेथनॉल उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, मौतों की संख्या में वृद्धि का एक कारण बुधवार को कई घंटों तक पुलिस सहित जिला अधिकारियों द्वारा यह *शुरुआती इनकार* है। इस बीच, कई अन्य लोगों ने अवैध देशी शराब का सेवन किया और उनमें से कुछ ने अपने घरों में संग्रहीत किया था। इस बीच, राज्य भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अवैध शराब के उत्पादन और बिक्री पर अंकुश लगाने में डीएमके सरकार की *अक्षमता* के खिलाफ 22 जून को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जबकि सीबीसीआईडी अधिकारियों ने कल्लाकुरिची में अपनी जांच शुरू की। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने उन्हें स्थानीय स्तर पर मेथनॉल के स्रोत और इसके पूर्ण विनाश की जांच करने का निर्देश दिया था। अधिकारियों ने पहले ही लगभग 200 लीटर अवैध देशी शराब जब्त कर लिया था और जांच में घातक मेथनॉल की मौजूदगी का पता चला था। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम और पीडब्ल्यूडी मंत्री ईवी वेलु प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए कल्लकुरिची में हैं। जिला कलेक्टर एमएस प्रशांत ने कहा कि 116 लोगों को विभिन्न सरकारी सुविधाओं में भर्ती कराया गया और उनमें से 34 की मौत हो गई। पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि अवैध देशी शराब की बिक्री का स्थान कल्लकुरिची का केंद्रीय स्थान है, जो पुलिस स्टेशन और अदालत के करीब है। एआईएडीएमके प्रमुख ने दावा किया कि 36 लोग मारे गए हैं। कल्लकुरिची में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अवैध अरक की बिक्री के पीछे एक *बड़ा गिरोह* है जिसमें सत्तारूढ़ डीएमके से जुड़े *शक्तिशाली व्यक्ति* भी शामिल हैं। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए और इसी तरह की पिछली घटनाओं को याद करते हुए कहा कि उनकी पार्टी के विधायक एम सेंथिल कुमार (कल्लाकुरिची विधानसभा क्षेत्र) ने कुछ दिन पहले स्थानीय पुलिस से अवैध शराब की समस्या के बारे में शिकायत की थी। हालांकि, कोई कार्रवाई नहीं की गई।

छात्रों का हित हमारी पहली प्राथमिकता दोषियों पर करेंगे कड़ी कार्रवाई : प्रधान

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए नीट पेपर लीक मामले पर कहा कि जीरो एरर परीक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम बिहार सरकार के संपर्क में हैं। एनटीए हो या एनटीए में कोई हो। दोषियो को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों का हित हमारी पहली प्रथामिकता है। किसी भी गुनहगार को छोड़ा नहीं जाएगी। नीट मामले पर राजनीति ना हो। इस पर अफवाह ना फैलाएं। हम उच्चस्तरीय कमेटी का गठन करने जा रहे हैं, जो एनटीए पर अपनी रिपोर्ट देगी। यह संवेदनशील मामला है। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूजीसी-नेट और नीट-यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं और सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध रोक देते हैं, लेकिन पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे या फिर इसे रोकना नहीं चाहते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा भी किया कि शिक्षण संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दल संसद के आगामी सत्र में पेपर लीक के मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं। वह मनोवैज्ञानिक रूप से ढह गए हैं और इस तरह सरकार चलाने के लिए संघर्ष करेंगे...मोदी का सरकार चलाने का विचार लोगों में डर पैदा करना, उन्हें डराना और बोलने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में मोदी की मूल अवधारणा नष्ट हो गई है। अब हमारे पास एक मजबूत विपक्ष है। पेपर लीक के मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं दी जाएगी, असमर्थ लोगों को कुलपति बनाया जाएगा और परीक्षा के ढांचे में अपनी विचारधारा के लोगों को डालेंगे तो पेपर लीक होगा। पेपर लीक का कारण है कि भाजपा के मातृत्व संगठन ने पूरे तंत्र को कब्जा कर रखा है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जो संस्थान पहले निष्पक्ष हुआ करते थे, आज एक विचारधारा के साथ चलने लगे हैं तथा इन संस्थानों में असमर्थ लोगों के बैठा दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में हुए *व्यापम* घोटाले को पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है...जो कोई भी जिम्मेदार है। उन्हे पकड़ा जाना चाहिए।

ईसी को ईवीएम की जली मेमोरी और माइक्रोचिप्स की जांच के 11 आवेदन मिले

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग को हाल ही में हुए लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में इस्तेमाल की गई ईवीएम की जली हुई मेमोरी या माइक्रोचिप्स की जांच अथवा सत्यापन के लिए 11 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें लोकसभा चुनाव के लिए 8 और विधानसभा चुनाव के लिए 3 सीटें शामिल हैं। इन सभी के लिए मानक प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार लोकसभा चुनावों के लिए ईवीएम चिप्स के सत्यापन की मांग 6 राज्यों के 8 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए हैं, जिनमें 92 मतदान केंद्र शामिल हैं। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के 3 विधानसभा क्षेत्रों के 26 मतदान केंद्रों के लिए ईवीएम चिप की जांच मांगी गई है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार ने 3, कांग्रेस ने 2, वाईएसआरसीपी ने एक और डीएमके ने 1 आवेदन दाखिल किया है।

अमेरिका की हवाई हमले में आईएसआईएस का बड़ा रणनीतिकार मारा गया

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के सीरिया में किए गए हवाई हमले में कुख्यात आतंकवादी संगठन आईएसआईएस को तगड़ा नुकसान हुआ है। उसका एक शीर्ष और भरोसेमंद नेता मारा गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के एक्स हैंडल पर उपलब्ध ब्योरे में मारे गए इस कुख्यात रणनीतिकार का नाम उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी बताया गया है। वह संगठन में आतंकियों की भर्ती करता था। कमांड ने कहा कि यह हमला सीरिया के कसीरिया में 16 जून को किया गया था। उल्लेखनीय है कि जिहादी संगठन के रूप में बर्बर गतिविधियां संचालित करने वाले आईएसआईएस को इस्लामिक स्टेट इन इराक ऐंड सीरिया और इस्लामिक स्टेट इन इराक ऐंड द लीवेंट के नाम से भी पुकारा जाता है। यह इराक और सीरिया में सक्रिय है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 19 जून को एक्स हैंडल पर यह भी साझा किया है कि उसके बलों ने लाल सागर में ईरान समर्थित दो हूती मानवरहित जहाजों (को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इसके अलावा यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्र में एक भूमिगत कंट्रोल स्टेशन और एक कमांड मुख्यालय को भी हमलाकर नष्ट कर दिया गया।

भारतीय रेलवे ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल पर ट्रायल रन किया

रियासी (हि.स.)। संगलधान से रेलवे स्टेशन रियासी तक गुरुवार को दस डिब्बों वाली ट्रेन का ट्रायल रन पूरी तरह से सफल रहा। इस दौरान ट्रेन विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल से होकर गुजरी। दोपहर बारह बजे के लगभग यह ट्रेन संगलधान से रियासी के लिए निकली। दोपहर को दो बजे के करीब रियासी पहुंचने पर रेलवे स्टेशन *भारत माता की जय* के जयघोष गूंज उठा। ट्रेन में परियोजना पर काम करने वाले कर्मचारियों को ट्रायल रन ट्रेन में बिठाया गया था। इसके अलावा रेलवे के अधिकारी भी ट्रेन में मौजूद रहे। ट्रायल रन पूरा होने के बाद ट्रेन को रियासी से कश्मीर तक इसी माह के अंत तक चलाया जा सकता है। इस मौके पर पूर्व सरपंच राज कुमार शर्मा ने बताया कि लम्बे समय बाद लोगों का सपना साकार हुआ है। बीस वर्ष पहले जब काम शुरू हुआ था तो काफी किस्म की परेशानियां सामने थी। रेलवे ने पहाड़ों को काट कर मार्ग तैयार किए। इसके बाद टनल बनाए गए और आज ट्रेन का इंजन थोड़े डिब्बों के साथ आया है। आने वाले दिनों में ट्रेन पूरी तरह से आएगी। तरुण शर्मा ने रेलवे स्टेशन रियासी से ढुगगा तक ट्रेन का सफर किया और इसे ऐतिहासिक बताया। रियासी में लगभग बीस मिनट तक ट्रेन रुकने ने बाद वापस रवाना हुई। अब इस ट्रेन का फाइनल ट्रायल कमिश्नर रेलवे सेफ्टी को 27 व 28 जून को करना है।

कंचनजंघा रेल हादसा : प्रारंभिक जांच में मालगाड़ी चालक दल दोषी करार

कोलकाता (हि.स.)। हाल ही में हुई कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि न्यू जलपाईगुड़ी रेल डिवीजन के परिचालन विभाग और यात्री ट्रेन से टकराने वाली मालगाड़ी के चालक दल की चूक थी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार को कंचनजंघा एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर में यात्री ट्रेन के गार्ड और मालगाड़ी के चालक सहित कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि यह टक्कर न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से 30 किलोमीटर दूर रंगापानी स्टेशन के पास हुई। मालगाड़ी के इंजन की टक्कर के कारण कंचनजंघा एक्सप्रेस के चार पिछले डिब्बे पटरी से उतर गए। दुर्घटना के तुरंत बाद रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष जया वर्मा सिन्हा ने दुर्घटना का कारण बताया था कि मालगाड़ी ने सिग्नल की अनदेखी की थी। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। रेलवे ने छह वरिष्ठ अधिकारियों की एक जांच टीम भी गठित की है, जिन्होंने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल की है। जांच रिपोर्ट में पांच अधिकारियों ने मालगाड़ी चालक पर सिग्नल और गति प्रतिबंध का उल्लंघन करने की बात कही है, जबकि एक ने असहमति जताते हुए कहा है कि न्यू जलपाईगुड़ी रेल डिवीजन का परिचालन विभाग रानीपात्रा (आरएनआई) और छत्तर हाट जंक्शन (सीएटी) के बीच मार्ग की सुरक्षा के लिए पर्याप्त उपाय करने में विफल रहा। एनजेपी डिवीजन के मुख्य लोको इंस्पेक्टर (सीएलआई) ने अपने असहमति नोट में कहा कि 17 जून को सुबह 5:50 बजे से स्वचालित और अर्ध-स्वचालित सिग्नल काम नहीं कर रहे थे। अधिकारी ने रेलवे नियमों का हवाला देते हुए आगे कहा कि ऐसी स्थिति में पूरे सेक्शन (आरएनआई और कैट के बीच का मार्ग) को एब्सोल्यूट ब्लॉक सिस्टम (आरएनआई और कैट के बीच एक समय में केवल एक ट्रेन को अनुमति देने की प्रणाली) में परिवर्तित किया जाना चाहिए था। दुर्घटना से पहले के बारे में विवरण देते हुए जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि कंचनजंघा एक्सप्रेस 17 जून को सुबह 8:27 बजे रानीपतरा स्टेशन से दो प्राधिकरण पत्रों टी/ए 912 और टी369 (3बी) के साथ रवाना हुई थी।

कोलकाता में इलाज के लिए आया एक और बांग्लादेशी नागरिक लापता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बांग्लादेश के सांसद की हत्या के बाद अभी तक शव के टुकड़े बरामद नहीं किया जा सके हैं। इस बीच एक और बांग्लादेशी नागरिक लापता हो गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि लापता बांग्लादेशी नागरिक को खोजने के लिए अभियान शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद दिलवर हुसैन (23) नामक व्यक्ति इलाज के लिए कोलकाता आया था और मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित एक होटल में ठहरा हुआ था। अधिकारी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि हम होटल के सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ होटल के आस-पास के इलाकों की भी जांच कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि होटल से उसके निकलने का फुटेज बरामद हुआ है।

पृष्ठ एक का शेष

जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों...

बहुत बड़ी भूमिका रही है। अटल जी ने जो इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत का विजन दिया था। उसे आज हम हकीकत में बदलते देख रहे हैं। आपने इस चुनाव में जम्हूरियत को जिताया है। आपने पिछले 35-40 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आज सही मायने में भारत का संविधान लागू हुआ है और ये सब कुछ हो रहा है, क्योंकि सबको बांटने वाली आर्टिकल-370 की दीवार अब गिर चुकी है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस क्षेत्र की हमारी बेटियों और कमजोर वर्ग के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया। हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए सभी को अधिकार और अवसर दिए। पाकिस्तान से आए शरणार्थियों और वाल्मिकी समुदाय के परिवारों को पहली बार स्थानीय निकाय चुनाव में वोट देने का अधिकार मिला। हमने एससी वर्ग को लाभ देने की वाल्मिकी समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में बदलाव को पूरी दुनिया देख रही है...हमारा कश्मीर कितना आगे बढ़ गया है...आप देखेंगे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह भी पर्यटकों के लिए एक आकर्षण बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आज यहां 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की 84 प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। 1800 करोड़ रुपए की कृषि क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। यहां नए राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे पुल की तस्वीरें देखकर हर भारतीय को गर्व महसूस होता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस क्षेत्र की हमारी बेटियों और कमजोर वर्ग के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया। हमारी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए सभी को अधिकार और अवसर दिए। पाकिस्तान से आए शरणार्थियों और वाल्मिकी समुदाय के परिवारों को पहली बार स्थानीय निकाय चुनाव में वोट देने का अधिकार मिला। हमने एससी वर्ग को लाभ देने की वाल्मिकी समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया है। उधर हाल ही की आतंकी घटनाओं को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य की जनता को आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को सबक सिखाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अमन और इंसानियत के दुश्मनों को जम्मू-कश्मीर की तरक्की पसंद नहीं है। आज वो आखिरी कोशिश कर रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर का विकास रुक सके। हाल ही में जो आतंकी वारदातें हुई हैं, उन्हें सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री ने कौशल ...

पर, असम कौशल विश्वविद्यालय, जो इस क्षेत्र में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय है, से समकालीन उद्योग आवश्यकताओं के साथ तालमेल बिठाते हुए कई विषयों में कौशल शिक्षा प्रदान करने में उत्कृष्टता का केंद्र बनने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री के साथ असम कैबिनेट के मंत्री जयंत मल्लबरुवा, चंद्रमोहन पटवारी, विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी और बसंत दास, विश्वविद्यालय के कुलपति सुभाष चंद्र दास, जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नगेटी और अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। बाद में, मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के स्थल का भी दौरा किया और इसके विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। दरंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 100 बीघा भूमि पर स्थापित किया जाएगा और ऐतिहासिक दरंग और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा और आधुनिक चिकित्सा शिक्षा का केंद्र भी होगा।

सीएम अरविंद केजरीवाल...

पहले लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें फिर से जेल जाना पड़ा था। बताया जा रहा है कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने सीएम अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत के विरोध के लिए 48 घंटे का समय मांगा है। इस पर राउज एवेन्यू कोर्ट की वेकेशन जज न्याय बिंदु ने कहा कि आदेश पर कोई रोक नहीं लगेगी। कोर्ट के इस फैसले के बाद सीएम केजरीवाल एक लाख रुपए के मुचलके पर शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आ सकते हैं। इस मामले में अब ईडी हायर कोर्ट का रुख कर सकती है। कोर्ट के इस फैसले से आम आदमी पार्टी बेहद खुश है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा है कि सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। भाजपा की ईडी की तमाम आपत्तियों को खारिज करते हुए माननीय न्यायालय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक पोस्ट में *सत्यमेव जयते* कैप्शन लिखते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल का फोटो पोस्ट किया है। 17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार नई शराब नीति लागू करती है। इसके तहत राजधानी को 32 जोन में बांटा गया। हर जोन में 27 दुकानें खोलना तय हुआ। दिल्ली में 849 शराब की दुकानें खोली जानी थीं। इस नीति में सरकारी ठेकों को की जगह शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। इसके पीछे दिल्ली सरकार का तर्क था कि 3500 करोड़ रुपए का फायदा होगा। दिल्ली सरकार ने शराब की दुकान की लाइसेंस फीस भी बढ़ाई। इसके तहत जिस एल-1 लाइसेंस को हासिल करने के लिए पहले 25 लाख रुपए देने होते थे। नई नीति लागू होने के बाद उसके लिए ठेकेदारों को पांच करोड़ रुपए चुकाने पड़े। इसी तरह अन्य कैटेगिरी के लाइसेंस की फीस भी जरूरत से ज्यादा बढ़ा दी गई। इसी बीच केजरीवाल सरकार पर आरोप लगा कि नई शराब नीति से राजस्व में भारी कमी हुई। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को ईडी ने पिछले साल 2 नवंबर को पहला समन भेजा था। ईडी ने अपनी चार्जशीट में आरोप लगाया कि जब शराब नीति तैयारी की जा रही थी, उस वक्त केजरीवाल, इस मामले के आरोपियों के संपर्क में थे। ईडी की ओर से दावा किया गया कि इस मामले में बीआरएस नेता के। कविता के अकाउंटेंट बुची बाबू के बयान दर्ज किए। जिसने बयान दिया है कि कविता, केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के बीच पहले से संबंध में बात हो चुकी थी। इस मामले में गिरफ्तार दिनेश अरोड़ा ने ईडी को बताया था कि उसने केजरीवाल से उनके आवास पर मुलाकात की थी। शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को उनके घर से गिरफ्तार किया था। इससे पहले केजरीवाल को 9 बार समन जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल कई दिनों तक ईडी की कस्टडी में थे। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा। इसी बीच लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए उन्हें अंतरिम जमानत मिली थी। इसकी अवधि पूरी होने पर 2 जून को उन्हें सरेंडर कर दिया था। फिलहाल वो तिहाड़ जेल में बंद हैं।

भर्तृहरि महताब नए लोस प्रोटेम स्पीकर नियुक्त

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उड़ीसा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। प्रोटेम यानी अस्थाई स्पीकर नई लोकसभा चुने जाने पर सभी सांसदों को सदस्यता की शपथ दिलाते हैं। कांग्रेस पार्टी ने महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाने पर आपत्ति जताई है। पार्टी नेता जयराम रमेश का कहना है कि यह पद सबसे वरिष्ठ सदस्य को दिया जाता है। आठ बार के दो सांसद होने के बावजूद सातवीं बार लोकसभा के लिए चुने गए महताब को सरकार द्वारा क्यों चुना गया है। उल्लेखनीय है कि संसद का आगामी सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा।

समाज की प्रगति को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता से मापा जा सकता है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति को उस देश या समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगजनों के प्रति दिखाई गई संवेदनशीलता से मापा जा सकता है। राष्ट्रपति ने आज नई दिल्ली में शारीरिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय संस्थान का दौरा किया, जहां उन्होंने दिव्यांग बच्चों और छात्रों के साथ समय बिताया और उनके द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखा। उन्होंने पुनर्निर्मित प्रोस्थेसिस और ऑर्थोसिस सेंटर का भी दौरा किया और रोगियों से बातचीत की। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि संवेदनशीलता और समावेशिता हमारी संस्कृति और सभ्यता का अभिन्न अंग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारे प्रयास दिव्यांगजनों की जरूरतों के प्रति समावेशी और संवेदनशील हों तो कोई भी शारीरिक स्थिति सामान्य जीवन जीने में बाधा नहीं बन सकती। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि दिव्यांगजन अपने कौशल और प्रतिभा से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने दीपा मलिक, अरुणिमा सिन्हा और अवनी लेखरा जैसे खिलाड़ियों और के.एस. राजन्ना जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे सभी लोग इस बात के उदाहरण हैं कि समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ, कोई भी व्यक्ति हर तरह की शारीरिक सीमाओं को पार कर सकता है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग व्यक्ति संस्थान पिछले कई दशकों से विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है।

लंदन में दूसरी कक्षा के बच्चे साथी हिंदू छात्रों पर मुसलमान बनने का बना रहे दबाव

लंदन। ब्रिटेन में पश्चिमी लंदन के हाउंसलो शहर में छोटे बच्चों द्वारा जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। घटना 13 जून 2024 की है। हाउंसलो के एक स्कूल में दूसरी कक्षा 2 के तीन 7 वर्षीय बच्चों ने एक हिंदू सहपाठी को इस्लाम में परिवर्तित करने का प्रयास किया और उस पर बार-बार दबाव डाला। जांच के बाद पता चला कि उन्होंने दूसरों के साथ भी ऐसा किया था। पीड़ित बच्चे के पिता ने कहा कि अन्य बच्चों के माता-पिता तो चुप रहे, लेकिन मैंने जागरूकता बढ़ाने के लिए अपना अनुभव साझा करने का फैसला किया। पीड़ित बच्चे के पिता ने बताया कि मैं हाउंसलो का निवासी हूं और मेरा 7 वर्षीय बेटा हेस्टन में स्प्रिंगवेल जूनियर स्कूल में पढ़ता है। हाल ही में, मेरे बेटे को स्कूल से लेने के बाद, उसने बताया कि मैकडॉनल्ड्स हलाल नहीं है और हमें वहां खाना नहीं खाना चाहिए। एक शाकाहारी हिंदू परिवार के रूप में, मैंने उसे समझाया कि हम केवल शाकाहारी खाना खाते हैं और आम तौर पर स्वास्थ्य कारणों से फास्ट फूड से बचते हैं। बाद में, मेरे बेटे ने मुझे बताया कि उसके दोस्त याह्या ने कहा था कि मांस खाने से आप मजबूत बनते हैं और हलाल खाने से आप और भी मजबूत बनते हैं। चिंतित होकर, मैंने इसकी सूचना प्रधानाध्यापक को दी, जिन्होंने हमें आश्वासन दिया कि वे स्थिति पर नजर रखेंगे। घर पर, मेरे बेटे ने मुस्लिम बनने की इच्छा व्यक्त की ताकि वह चिकन खा सके। उसी दिन, मेरी पत्नी ने मुझे और भी ज्यादा भयावह बात बताने के लिए फोन किया। मेरे बेटे ने कहा कि याह्या ने उसे *बिस्मिल्लाह* कहने और अपना नाम बदलकर मोहम्मद रखने के लिए कहा, अन्यथा याह्या उसका दोस्त नहीं रहेगा। मैंने तुरंत स्कूल से संपर्क किया और उप प्रधानाध्यापक से बात की। अगले दिन (14 जून 2024), प्रधानाध्यापक ने मेरे बेटे की कक्षा के सभी बच्चों का साक्षात्कार लिया। हमें दोपहर में बुलाया गया और हम निष्कर्षों से चौंक गए। मेरे बेटे से पूछा गया कि क्या उसे मोहम्मद कहलाने में कोई परेशानी नहीं है, और उसने कहा कि उसे इससे कोई परेशानी नहीं है। मेरे बेटे को एक अन्य सहपाठी ने अपना धार्मिक कलाईबंद (मौली) काटने के लिए मजबूर किया, जिसे वह मंदिर जाने के बाद पहनता था। एक मुस्लिम सहपाठी, जिसे मेरा बेटा अपना दोस्त मानता है, ने उससे कहा कि उसे दोस्त बने रहने के लिए इसे काटना होगा और उसने कैंची से इसे काटने में उसकी मदद भी की। मेरे बेटे को अपने दोस्तों द्वारा उनकी मांगों को मानने या उन्हें खोने का जोखिम उठाने का दबाव महसूस हुआ। प्रधानाध्यापक ने तत्काल कार्रवाई की, तीन छात्रों को निलंबित कर दिया और उनके माता-पिता को बैठक के लिए बुलाया। पीड़ित बच्चे के पिता ने कहा कि एक अभिभावक के रूप में, इस घटना ने मुझे बहुत तनाव में डाल दिया है।

किसानों के प्रति संवेदनशील है एनडीए सरकार : भाजपा

14फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यवृद्धि का प्रदेश भाजपा ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई ने किसानों की 14 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने पर नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र की एनडीए सरकार को धन्यवाद दिया है। इस मूल्य वृद्धि से असम के भी लाखों किसानों के चेहरे पर मुस्कान आई है। गुरुवार को प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने एक बयान जारी कर कहा कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य वृद्धि से लाभान्वित होने वाले किसान इस योजना से सहायता प्राप्त करके आर्थिक रूप से लाभान्वित हो सकेंगे और देश के घरेलू उत्पादन के विकास में अधिक योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा है कि देश के आर्थिक आधार को मजबूत करने में इस योजना का प्रत्यक्ष योगदान बहुत बड़ा है। प्रवक्ता ने कहा कि असम के कृषि उत्पादन में वृद्धि और कृषि उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के माध्यम से असम के किसान आने वाले समय में एक रिकॉर्ड स्थापित करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में राज्य के कृषि क्षेत्र की अपेक्षित वृद्धि को असम के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव की रूपरेखा बताते हुए प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री की कैबिनेट में 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करके कृषक समुदाय के प्रति जो सम्मान और ईमानदारी दिखाया है, वह आदरणीय है। धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 117 रुपए की वृद्धि से विशेष रूप से असम के किसानों को लाभ होगा। एक अन्य फैसले में प्रधानमंत्री मोदी की कैबिनेट ने महाराष्ट्र में 76,200 करोड़ रुपए की लागत से एक नए बंदरगाह के निर्माण के अलावा बंदरगाहों और जल परिवहन के विकास के लिए जो कदम उठाए हैं, वह स्वागत योग्य है। प्रवक्ता ने कहा कि देश के बंदरगाह जहाजरानी और जल परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में देश के कई बंदरगाहों में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा मजबूत हुआ है। प्रवक्ता ने जल परिवहन क्षेत्र में 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश जैसे मजबूत निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

बिजली की चपेट में आने से एक की मौत

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी जिले के कृष्णापुर सरारपार गांव में बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को बाढ़ के पानी में बहकर आए जलावन की लकड़ी को इकट्ठा करने के दौरान बिजली की चपेट में आने से अलाउद्दीन लस्कर नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद विद्युत विभाग पर लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-6 का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भारी बारिश के कारण गुवाहाटी में कृत्रिम बाढ़

गुवाहाटी (हिंस)। बीते कई दिनों हो रही लगातार हो रही बारिश के कारण गुवाहाटी में कृत्रिम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राजधानी के विभिन्न हिस्सों में जलजमाव हो गया है, जिस कारण शहर का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जलजमाव के कारण मणिराम देवान रोड समेत राजधानी की सड़कों पर यातायात बाधित हो गया है। जलजमाव के कारण गाड़ियां इन सड़कों पर फंसी हुई हैं। ज्ञात हो कि राजधानी के अंदरूनी तथा बाहरी हिस्सों में अनेक स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण नाले टूटे हुए हैं। सड़कों को खोदकर रखा गया है। इनमें बारिश का पानी भर जाने के कारण स्थिति अत्यंत जटिल हो गई है। लगातार बारिश के कारण मणिराम देवान रोड के साथ ही हातीगांव, जीएस रोड, रुक्मिणी गांव, मालीगांव, बेलतला, राजगढ़, नबीन नगर और अनिल नगर सहित कई अन्य इलाके जलमग्न हो गए हैं। गुवाहाटी में जल जमाव की समस्या कोई नई-नई है। यहां कई दशक से बरसात के दिनों में सड़कें डूब जाती हैं। पहाड़ों से पानी के साथ मिट्टी आकर नालों में भर जाता है, जिस कारण बारिश का पानी नालों के पानी के साथ मिलकर सड़कों पर बहता है। न सिर्फ गुवाहाटी शहर के पहाड़ों का पानी, बल्कि सोनापुर से लेकर खानापाड़ा तक के पहाड़ों का पानी गुवाहाटी शहर के बीच होकर ब्रह्मपुत्र में जाता है। जिस कारण पूरे शहर की स्थिति बरसात के दिनों में खराब हो जाती है। वर्तमान सरकार के साथ ही पूर्ववर्ती कई सरकारों द्वारा इस दिशा में कई कदम उठाए गए, लेकिन जल भराव की स्थिति जस की तस बनी हुई है।

छात्रवृत्ति की राशि अतिशीघ्र वितरित की जाएगी : सोना

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पीडी सोना ने गुरुवार को शिक्षा विभाग के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने विभाग के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंत्री को जानकारी दी। सोना ने शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह उम्मीदों से कम है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाने का आग्रह किया। चर्चा में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (पीएमएस) के वितरण में देरी पर भी चर्चा की जो एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सोना ने छात्रों की निराशा के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और उनसे धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 70 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं और अब वित्त, योजना एवं निवेश विभाग से मंजूरी प्राप्त करने के लिए फाइल प्रक्रियाधीन है। मंत्री ने कहा कि हम उन चुनौतियों को समझते हैं जिनका हमारे छात्र सामना कर रहे हैं। हम उनसे थोड़ा और धैर्य रखने का अनुरोध करते हैं। संबंधित विभाग से मंजूरी मिलते ही छात्रवृत्ति राशि तुरंत

वितरित कर दी जाएगी। सोना ने महत्वपूर्ण सुधारों की आवश्यकता पर बल देते हुए शिक्षा विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से सहयोग का भी आह्वान किया। बैठक में शिक्षा सलाहकार मुच्चू मिथी और शिक्षा आयुक्त अमजद टाक भी उपस्थित थे।

एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत, तीन घायल

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के रंगजुली थाना अंतर्गत दरंगिरी कासादल डाल इलाके में एक एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके चलते एंबुलेंस में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी की ओर जा रही एंबुलेंस राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से जा टकराई। जिसके बाद एंबुलेंस पानी में पलट गई। एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से एक महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को इलाज के लिए दुधनै और रंगजुली चिकित्सालय भेज दिया। वहीं मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

मणिपुर में केसीपी (नोयोन) संगठन के चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षा बलों के अलग-अलग अभियानों में चार कट्टर केसीपी (नोयोन) संगठन के उग्रवादियों को पकड़ा गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले से केसीपी (नोयोन) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान खारीबाम सुरचंद्र सिंह उर्फ तेलहेबा (53) के रूप में हुई है। वह विभिन्न सरकारी कार्यालयों और स्कूलों से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। इसके अलावा उसके पास से एक लाख 15 हजार रुपये, एक दोपहिया स्कूटर, दो मोबाइल फोन, एक स्लिंग बैग और एक बटुआ बरामद हुआ। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (नोयोन) के

तीन सक्रिय सदस्यों को काकचिंग जिले से गिरफ्तार किया। उनकी पहचान लाईखुराम सनतोम्बा सिंह उर्फ मणि (24), हेइक्रूजम दिनेश सिंह (21) और टोंगब्रम नगनथोइबा सिंह (21) के रूप में हुई है। वे आम जनता से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। तीनों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, एक चार पहिया वाहन और दो मांग पत्र बरामद किए गए। आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है। उग्रवादी गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रक हाईजैक मामले में शामिल दो गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के तेजपुर के बरघाट पुलिस चौकी की टीम ने ट्रक हाईजैक मामले में शामिल दो डकैतों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि 19 जून की सुबह 8.00 डकैतों का एक दल 19 मवेशियों से लदे एक ट्रक को हाईजैक कर लिया। डकैतों ने मवेशी के मालिक का हाथ-पैर बांधकर ट्रक से बाहर फेंक दिया। भैंसों के मालिक द्वारा घटना के संबंध में बरघाट पुलिस चौकी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने नगांव जिले के विभिन्न इलाकों में अभियान चलाया। पुलिस ने ट्रक हाईजैक मामले में शामिल दो डकैतों को आज गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सैफूल इस्लाम और महसिन रहमान के रूप में की गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने तीन भैंसों को सूतिपार निवासी दुलाल उद्दीन के घर से बरामद किया है।

भीषण बाढ़ की चपेट में हैलाकांदी के कई गांव

हैलाकांदी (हिंस)। राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ हैलाकांदी जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। जिले के विभिन्न हिस्से इस समय जलमग्न हैं। ऐसे में जिला प्रशासन पर उदासीन रवैया अपनाने का आरोप है। जिले के सरसपुर क्षेत्र के कंचनपुर, इटारकांदी, बालीकांदी और नारायणपुर आदि गांवों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण लगभग अनेक गांव पांच दिनों से जलमग्न हैं। जिला प्रशासन की ओर से एक भी शेल्टर कैंप नहीं खोले जाने का आरोप लगाया गया है।

मनाह नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद

बाक्सा (हिंस)। विश्व धरोहर स्थल मनाह नेशनल पार्क को गुरुवार से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। हर साल की तरह इस साल भी मौसम की प्रतिकूल स्थिति को देखते हुए नेशनल पार्क अथॉरिटी ने यह फैसला लिया है। नेशनल पार्क अथॉरिटी ने 5 जून को नोटिफिकेशन जारी कर टूरिस्ट जीप सफारी को नेशनल पार्क में बंद कर दिया था, लेकिन सड़क खुली होने के कारण नेशनल पार्क के अधिकारियों ने नेशनल पार्क के बांहबाड़ी रेंज के मुख्य प्रवेश द्वार से मथनगुरी तक जीप सफारी की अवधि 15 दिन बढ़ाने और नेशनल पार्क को 20 जून तक खुला रखने का फैसला किया था। बढ़ाई गई समय सीमा आज समाप्त होने के साथ ही नेशनल पार्क अथॉरिटी ने मनाह नेशनल पार्क को पर्यटकों के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया। हालांकि, तीन महीने बाद नेशनल पार्क अथॉरिटी के आदेशानुसार अक्तूबर में फिर से इसे पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। इस बार मनाह घूमने के लिए आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक जानवरों की मुक्त आवाजाही को देखकर रोमांचित हुए और मनाह के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेकर खुश हुए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण 1.3 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र करने में सफल रहा है। वर्तमान पर्यटन वर्ष में 50 हजार देशी पर्यटक और दो हजार विदेशी पर्यटक मनाह में पहुंचे।

नलबाड़ी व बरेपटा में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी, प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

नलबाड़ी/बरपेटा (हिंस)। नलबाड़ी जिला में बाढ़ ने भीषण रूप ले लिया है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से स्थानीय नदियां उफान पर हैं। कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की मौजूदा स्थिति को देखते हुए नलबाड़ी जिला प्रशासन ने जिले के लोगों से अपील की है कि वे तत्काल सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सहायता के लिए सभी संभव उपाय जारी रखे हुए है। नलबाड़ी जिला शहर में भी जलभराव हुआ है, जिसके चलते लोगों को भारी परेशानी हो रही है। इसके अनुरूप, नलबाड़ी जिला प्रशासन ने जिले में दो आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर शुरू कर दिए हैं। हेल्पलाइन नंबर: 1077 (टोल फ्री) के साथ-साथ लैंडलाइन 03624-220219 पर संपर्क किया जा सकता है। वर्तमान में नलबाड़ी जिले के छह राजस्व

सर्किलों के 109 गांव अब बाढ़ की चपेट में हैं। बरभाग में 18, घोगरापार में 29, बानेकुची में 5, पश्चिम नलबाड़ी में आठ, टिहू में 15 और नलबाड़ी राजस्व सर्कल में 34 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। जिले में छह आश्रय शिविरों में 223 लोगों ने शरण ली है। जबकि, 38,782 पालतू जानवर बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। नलबाड़ी जिले में बुढ़ादिया, पगलादिया, टिहुनै, मरापगलादिया नदियों में हर साल बाढ़ आती रही है। इस बार भी मानसून की पहली बाढ़ से विभिन्न इलाके प्रभावित हुए हैं। **दूसरी ओर** पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण सरुखेत्री से होकर बहने वाली टिहू, पहुमारा, कालदिया, बुढ़ादिया, पल्ला आदि नदियों के उफान पर होने के कारण विधानसभा क्षेत्र के बड़े इलाके जलमग्न हो गए हैं। कई परिवारों के घर, खेत, सड़कें आदि बाढ़ के पानी में डूब चुकी हैं। विशेष रूप से सरुखेत्री निर्वाचन क्षेत्र में भक्तरडबा, नालिर पथार आदि क्षेत्रों में कई सड़कों पर पानी के अतिप्रवाह के कारण लोगों का दैनिक जीवन बाधित हो गया है। सरूखेत्री के विधायक जाकिर हुसैन सिकदार ने आज बाइक पर सवार होकर निर्वाचन क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने जिला प्रशासन से संपर्क किया और सरकार से बाढ़ राहत और पशुओं के चारे उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

पूसीरे गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन की सेवाएं जुलाई से करेगा पुनः शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने गरीब रथ एक्सप्रेस की दो जोड़ी सेवाओं को जुलाई माह से पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है। यह ट्रेनें अगरतला-कोलकाता तथा गुवाहाटी-कोलकाता के बीच अपने संबंधित गंतव्यों के लिए निर्धारित दिनों पर चलेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने गुरुवार को बताया है कि ट्रेन संख्या 12502 (अगरतला-कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस 3 जुलाई से प्रत्येक बुधवार को चलेगी। यह ट्रेन अगरतला से 7:35 बजे रवाना होकर अगले दिन कोलकाता 14:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 12501 (कोलकाता- अगरतला) गरीब रथ एक्सप्रेस 7 जुलाई से प्रत्येक रविवार को कोलकाता से 21:40 बजे रवाना होकर मंगलवार को अगरतला 05:15 बजे पहुंचेगी। ये ट्रेनें अपने संबंधित गंतव्यों तक पहुंचने के लिए वाया धर्मनगर, न्यू हाफलंग, गुवाहाटी, ग्वालपारा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, कटवा जंक्शन और बैंडेल जंक्शन आदि स्टेशनों से होकर गुजरेगी। ट्रेन संख्या 12518 (गुवाहाटी- कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस 6 जुलाई से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन गुवाहाटी से 21:00 बजे रवाना होकर अगले दिन कोलकाता 14:30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 12517 (कोलकाता- गुवाहाटी) गरीब रथ एक्सप्रेस 4 जुलाई से प्रत्येक गुरुवार को कोलकाता से 21:40 बजे रवाना होकर अगले दिन गुवाहाटी 16:15 बजे पहुंचेगी। ये ट्रेनें अपने संबंधित गंतव्यों तक पहुंचने के लिए वाया ग्वालपारा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, कटवा जंक्शन और बैंडेल जंक्शन आदि स्टेशनों से होकर चलेगी। उपरोक्त सभी ट्रेनें यात्रियों की सुविधा के लिए 16 एसी-3 टियर इकोनॉमी कोच होंगे। इन एक्सप्रेस ट्रेनों की सेवाएं पुनः शुरू होने से लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होगी। इन सेवाओं से पश्चिम बंगाल और इसकी राजधानी के साथ पूर्वोत्तर की रेल कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी। यह आर्थिक विकास और वाणिज्य को बढ़ावा देने के अलावा आस-पास के राज्यों के रोगियों, छात्रों और अन्य यात्रियों को काफी लाभ पहुंचाएगा।

राज्य भर में कई संगठनों ने मनाया विष्णु राभा दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। आज राज्य भर में विष्णु राभा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्य में विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के सांस्कृतिक विंग की पहल पर आज विष्णु राभा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक शाखा के कार्यालय में *गीते-माते कलागुरूक सोंवरण* शीर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सूचना और जनसंपर्क निदेशक मानवेंद्र देव रॉय भी उपस्थित थे। *जनतार पुजारी* नामक एक आलेख प्रस्तुत किया गया। संयुक्त निदेशक दीपक कुमार बसुमतारी और कर्मचारी प्रकाश दास ने एक-एक विष्णु राभा गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में निर्देशक मानवेंद्र देव रॉय ने संगीत, नृत्य, नाटक, कविता, राजनीति आदि के विभिन्न क्षेत्रों में बिष्णुप्रसाद राभा द्वारा किए गए योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अपनी रचनाओं और समाज की सेवा के माध्यम से ही बिष्णुप्रसाद राभा आज हमारे बीच जीवंत हैं। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सूचना और जनसंपर्क अधिकारी मंजूरानी डेका ने किया। **गुवाहाटी (हिंस)।** कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन की पहल पर आज जिला आयुक्त के बैठक कक्ष में विष्णु राभा दिवस मनाया गया। जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने कलागुरू विष्णु प्रसाद राभा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कालागुरू की अनूठी और विशाल रचनाओं को याद करते हुए, जिला आयुक्त ने बिष्णु राभा की स्मृति को अमर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। विष्णु राभा दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शहर के उलुबारी नारी शक्ति दल की महिला कलाकारों द्वारा प्रस्तुत *विश्वास छंदे छंदे महानंदे* शीर्षक समवेत संगीत कार्यक्रम और उपम सैकिया के बिष्णु प्रसाद राभा की कविता पाठ ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। इसी प्रकार जिला प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने विष्णु राभा संगीत, नृत्य आदि किया। आज के कार्यक्रम में तेजपुर में आयोजित केंद्रीय विष्णु राभा दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की 55 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। होजाई जिला प्रशासन के सौजन्य से स्थानीय शंकरदेव नगर स्थित जिला प्रशासन के सामूहिक सभागार में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा दिवस का पालन किया गया। इस उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा के प्रतिछवि पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्ज्वलित कर जिला आयुक्त लाचित कुमार दास ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विष्णु प्रसाद राभा देव की स्मृति में राभा संगीत के माध्यम से उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिथि कलाकारों द्वारा राभा संगीत की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्रा, विशिष्टजन और अतिरिक्त आयुक्त सहित कई प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। दूसरी और, होजाई स्थित सत्यार्थी लक्ष्मीनाथ बेजबरूवा भवन में होजाई सांस्कृतिक महासभा और होजाई साहित्य सभा के सौजन्य से उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान चित्रांकन प्रतियोगिता, कविता पाठ प्रतियोगिता और नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं होजाई जिले के लंका में सांस्कृतिक महासभा के तत्वाधान में भी कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम हायर सेकेंडरी विद्यालय में आज 55 वा बिष्णु राभा दिवस का मनाया गया। विद्यालय के जितेंद्र राय मेमोरियल कांफ्रेंस हाल में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य लखन चंद्र दास ने बिष्णु राभा के प्रतिमूर्ति में माला अर्पण किया गया इसके बाद प्राचार्य ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस के बाद छात्र-छात्राओं ने राभा संगीत प्रस्तुत किया।

अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। ड्यूटी जज न्याय बिंदु ने दोनों पक्षों की ओर से दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि 45 करोड़ रुपये हवाला के जरिये दिए गए जिनका आम आदमी पार्टी ने गुजरात चुनाव में इस्तेमाल किया। चनप्रीत सिंह ने केजरीवाल के गोवा में सेवन स्टार होटल में ठहरने के लिए पैसे लिये। राजू ने सागर पटेल के बयान को पढ़ते हुए कहा कि चनप्रीत सिंह समेत तीन लोगों को पैसे मिले। चनप्रीत सिंह को बड़ी मात्रा में पैसे मिले जिन पैसों को केजरीवाल के ठहरने के लिए सेवन स्टार होटल और गोवा चुनाव में लिए खर्च किए गए। ईडी हवा में कुछ भी नहीं कह रही है। ईडी के पास करंसी नोट के फोटोग्राफ मिले हैं जो कि दिए गए थे। विनोद चौहान ने चनप्रीत समेत दूसरे लोगों को पैसे देने का निर्देश दिया था। करंसी नोट के फोटोग्राफ विनोद चौहान के फोन से मिले थे। चनप्रीत विनोद चौहान से फोन पर लगातार बातें करता था। विनोद चौहान के केजरीवाल से अच्छे संबंध थे। राजू ने विनोद चौहान और केजरीवाल के चैट्स का जिक्र किया। राजू ने कहा कि केजरीवाल कहते हैं कि

उनका फोन पवित्र है, मैं पासवर्ड नहीं दूंगा। ईडी को विनोद चौहान का फोन लेना पड़ा। राजू ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून की धारा 70 के मुताबिक अगर आम आदमी पार्टी ने अपराध किया है और केजरीवाल आम आदमी पार्टी को चला रहे हैं तो वे उस अपराध के आरोपित माने जाएंगे। अनुच्छेद 70 उन पर लागू होती है क्योंकि वे आम आदमी पार्टी का संचालन करते हैं। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी ने कहा कि इस मामले में अगस्त 2022 में जांच शुरू हुई। जुलाई 2023 तक ईडी के पास केजरीवाल के खिलाफ कुछ साक्ष्य थे, लेकिन उन्होंने पहला समन अक्टूबर 2023 में जारी किया। केजरीवाल को सीबीआई ने गवाह के तौर पर बुलाया। 12 जनवरी को ईडी ने एक ईमेल किया। उस ईमेल में ये नहीं बताया कि केजरीवाल को आम आदमी पार्टी के संयोजक होने के नाते बुलाया जा रहा है।

16 मार्च को चुनाव की घोषणा होती है और उसी दिन समन जारी किए जाते हैं। 20 मार्च को हाई कोर्ट में मामला लिस्ट होता है और हाई कोर्ट ईडी को नोटिस जारी करती है। 21 मार्च को हाई कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। उसके बाद 21 मार्च को शाम को ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया। 19 जून को कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ा दिया था। इसके पहले 5 जून को कोर्ट ने केजरीवाल की सात दिनों की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने तिहाड़ जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वो केजरीवाल के स्वास्थ्य संबंधी जरूरी टेस्ट कराएं। फैसला सुनाने के दौरान केजरीवाल के वकील ने उनके स्वास्थ्य पर चिंता जताई थी। तब कोर्ट ने कहा था कि आपको जब भी स्वास्थ्य की चिंता होगी आप कोर्ट आ सकते हैं। कोर्ट ने 30 मई को केजरीवाल की अंतरिम और नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की सात दिन की अंतरिम जमानत के आवेदन को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा था कि चूंकि केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने पर फैसला पहले ही सुरक्षित रखा जा चुका है। इसलिए अंतरिम जमानत बढ़ाने की केजरीवाल की याचिका का मुख्य याचिका से कोई संबंध नहीं है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने की अनुमति भी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 1 जून तक की अंतरिम जमानत देते हुए 2 जून को सरेंडर करने का आदेश दिया था। केजरीवाल ने 2 जून को सरेंडर किया था।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव को स्थगित करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी शिवसेना यूबीटी : संजय राऊत

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राऊत ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र में विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव को स्थगित करने की मांग को लेकर उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाएगगी। राऊत ने कहा कि शिवसेना के 40 विधायकों को अपात्र घोषित करने का मामला चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इस स्थिति में यह चुनाव ही गैरकानूनी है। संजय राऊत गुरुवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बताया कि महाराष्ट्र में विधान परिषद सदस्यों के द्विवार्षिक चुनाव में विधानसभा के 288 विधायक मतदान करने वाले हैं, लेकिन इनमें से शिवसेना पार्टी के विभाजन के बाद 40 विधायकों को दल बदल कानून के तहत अपात्र

घोषित करने की एक याचिका शिवसेना यूबीटी की ओर से दाखिल की गई है, जो लंबित है। साथ ही यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष भी लंबित है। इस स्थिति जिन पर अपात्रता की कार्रवाई लंबित है, उनके वोट से विधानपरिषद सदस्य का चुनाव किसी भी कीमत पर उचित नहीं है। राऊत ने कहा कि राज्य में कहीं जोरदार बारिश तो कहीं सूखे से किसानों की हालत बदतर है, लेकिन सरकार में बैठे लोग सिर्फ लोकसभा चुनाव में पराजय पर संशोधन कर रहे हैं। राज्य सरकार को तत्काल किसानों को नुकसान भरपाई की घोषणा करनी चाहिए।

रक्षाबंधन के बाद चुनाव का ऐलान, पांच चरणों में हो सकते हैं जम्मू कश्मीर में चुनाव

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर हो सकती है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। रक्षाबंधन के बाद चुनाव का एलान हो सकता है। प्रस्तावित विधानसभा चुनाव पांच चरणों में कराने की योजना है। 24 जून से प्रदेश के मास्टर ट्रेनर का तीन दिन का प्रशिक्षण नई दिल्ली में आयोजित है। जानकारी के मुताबिक राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर को दिल्ली में तीन का प्रशिक्षण 24 से 26 जून तक दिया जाएगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों व राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण देंगे। इनमें लगभग 25

मास्टर ट्रेनर शामिल होंगे। इन्हें पूरी चुनाव प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाएगी। हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले भी इन्हें प्रशिक्षित किया गया था। वहीं, सूत्रों का कहना है कि रक्षाबंधन के तत्काल बाद चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में नवंबर-दिसंबर 2014 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इसके बाद 2015 में पीडीपी-भाजपा गठबंधन की सरकार बनी थी, लेकिन जून 2018 में भाजपा के समर्थन वापस ले लेने से सरकार गिर गई थी। तबसे जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार नहीं है।

भारत की वित्तीय प्रणाली बहुत मजबूत स्थिति में है : शक्तिकांत दास

-आरबीआई की समय पर कार्रवाई के बाद असुरक्षित ऋणों में कमी आई

मुंबई, (हि.स.)। भारत की घरेलू वित्तीय प्रणाली कोरोना महामारी से पहले की तुलना में अब ज्यादा मजबूत स्थिति में है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को 'वित्तीय प्रणाली को लचीला, भविष्य के लिए तैयार और संकट से निपटने में सक्षम' बनाए रखने से जुड़े एक सत्र के उद्घाटन के बाद संबोधित करते हुए यह बात कही। शक्तिकांत दास मुंबई में इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान (आईजीआईडीआर) परिसर में वित्तीय लचीलेपन पर वैश्विक सम्मेलन में कहा कि हमारा घरेलू वित्तीय तंत्र अब ज्यादा मजबूत स्थित में है। उन्होंने कहा कि समय पर की गई हमारी कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज

की वृद्धि धीमी हुई। यदि ध्यान नहीं दिया गया तो असुरक्षित कर्ज की कमजोरियां एक बड़ी समस्या बन सकती हैं।

आरबीआई गवर्नर ने कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स द्वारा आयोजित वित्तीय लचीलेपन पर दूसरे वैश्विक सम्मेलन में कहा कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का निम्न स्तर और स्वस्थ लाभप्रदता देश के बैंकिंग और गैर-बैंकिंग उधारदाताओं की पहचान बन चुकी है। शक्तिकांत दास ने कहा कि मैं बैंकों और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि आत्मसंतोष के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है, दुनिया बदल रही है, चुनौतियां आ रही हैं। लेकिन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट को लेकर हाईकोर्ट्स में चल रही सुनवाई पर रोक लगाई

- वेकेशन बेंच ने नीट की काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर इनकार किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट को लेकर अलग-अलग हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने नीट की काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर इनकार किया। कोर्ट ने कहा कि अगर हम आगे चलकर परीक्षा रद्द करते हैं तो काउंसलिंग भी रद्द हो जाएगी। आज नीट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आठ नई याचिकाएं लिस्ट थीं, जिनमें परीक्षा रद्द करने और पेपर लीक की जांच की मांग की गई है। कोर्ट ने सभी याचिकाओं में एनटीए को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने सभी याचिकाओं की

सुनवाई 8 जुलाई को बाकी मामलों के साथ करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान एक लड़का अपने भाई के लिए सुप्रीम कोर्ट आया था। बिना किसी वकील की मदद के खुद ही अपनी बात रख रहा था। उसने कोर्ट से बोला, माई लॉर्ड, मेरे भाई ने नीट परीक्षा दी थी। मैं उसके लिए आया हूं। मैं चाहता हूं कि उसको और उसके जैसे लाखों लड़कों को न्याय मिले। उसकी याचिका पर भी कोर्ट ने एनटीए को नोटिस जारी किया।

डीजीसीए ने समुद्री विमान परिचालन के लिए नियमों को बनाया आसान

मुंबई/नई दिल्ली, (हि.स.)। निमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत समुद्री विमान परिचालन से जुड़े नियमों को आसान बना दिया है। डीजीसीए ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि संशोधित मानदंड बुनियादी ढांचा प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण की जरूरतों और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे। इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक समुद्री विमान सेवाओं के पहुंचने का रास्ता साफ होगा। संशोधित विनियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताएं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाएं शामिल की जाएंगी। कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे को युक्तिसंगत बनाने और उसमें संशोधन की सिफारिश के बाद संशोधित विनियम लागू किए गए हैं। विमान नियामक के अनुसार नए मानदंडों के तहत, वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब विश्व स्तर पर किसी भी आईसीएओ से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेनरेटेड पायलट के रूप में अर्हता हासिल कर सकते हैं। इन नए प्रशिक्षण अवसरों से देशभर में समुद्री विमान केंद्रों पर रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।

सोपोर मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता: सेना

श्रीनगर, (हि.स.)। सेना ने गुरुवार को कहा कि उत्तरी कश्मीर के सोपोर में राफियाबाद मुठभेड़ में दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता है। कुपवाड़ा जिले के पोहरूपेट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेना की 7 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के कमांडर दीपक मोहन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सोपोर के राफियाबाद में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में लगातार इनपुट मिल रहे थे। 19 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस को हादीपोरा, राफियाबाद के एक घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष सूचना मिली थी, जिसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया। घर पर छापा मारने के बाद मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना के अधिकारी के साथ उत्तरी कश्मीर के पुलिस उप महानिरीक्षक विवेक गुप्ता और पुलिस और सेना के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मारे गए दोनों आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े थे और उनकी पहचान उस्मान और उमर के रूप में हुई है। सेना अधिकारी ने बताया कि उस्मान 2020 से कश्मीर में सक्रिय था। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। दो आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता है। पिछले कुछ महीनों से हमने उच्च परिचालन गति बनाए रखी है, जो आतंकवादियों के खात्मे के रूप में अच्छे परिणाम दे रही है। उन्होंने कहा कि इस सफलता का श्रेय कश्मीरी लोगों से मिले सहयोग को भी जाता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सुरक्षा बल कश्मीर में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

इस साल मई तक अमरावती में किसानों ने की सबसे ज्यादा आत्महत्या

नागपुर,(ईएमएस)। देशभर के किसान अपनी मांगों को लेकर आए दिन धरना प्रदर्शन करते रहते हैं। कई किसानों ने तो आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया है। वहीं किसानों की आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र ने यवतमाल को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले कुछ सालों में कपास उत्पादक यवतमाल जिला महाराष्ट्र में नंबर वन पर जाना जाता रहा है। अब यवतमाल की जगह अमरावती जिले ने ले ली है। महाराष्ट्र के अमरावती में किसानों की आत्महत्या करने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। यहां जो आंकड़े सामने आए हैं वह डरावने हैं। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा किसानों ने आत्महत्या अमरावती टॉप पर है। यवतमाल की सीमा से लगा अमरावती कपास और सोयाबीन का उत्पादक क्षेत्र है। प्रसिद्ध नागपुर संतरे की खेती भी यहीं होती है। इस साल मई 2024 तक अमरावती में 143 किसानों ने आत्महत्या की है। यह आंकड़े महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी किए गए हैं। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीनों में करीब हर दिन एक किसान ने आत्महत्या की है। महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के मामले में दूसरे नंबर पर यवतमाल है। हालांकि दोनों जिलों में किसानों की

आंत्महत्या के आंकड़ों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। मई 2024 तक 132 आत्महत्याएं दर्ज की गई हैं। जून के आंकड़े अभी संकलित किए जाने बाकी हैं। अमरावती ने 2021 से आत्महत्या के मामले में यवतमाल को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में यवतमानल में 370 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2022 में 349 और 2023 में 323 किसानों ने आत्महत्या की। यवतमाल में 2021 से 2023 तक यह संख्या 290, 291 और 302 तक थी। महाराष्ट्र सरकार की टास्क फोर्स के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबन मिशन के पूर्व अध्यक्ष किशोर तिवारी ने इस पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमरावती में स्थिति विशेष रूप से कठिन है। किसानों ने सोयाबीन की खेती की और उपज में उल्लेखनीय गिरावट देखी। पिछले साल दरें गिरकर चार हजार रुपए प्रति क्विंटल हो गईं। बैंकिंग ऋण की कमी के चलते लोग छोटी वित्त कंपनियों या साहूकारों पर निर्भर हैं और उन्हें कठोर वसूली का सामना करना पड़ता है। 2001 से राज्य सरकार विदर्भ के छह जिलों अमरावती, अकोला, यवतमाल, वाशिम, बुलढाणा और वर्धा में किसानों की आत्महत्याओं का डेटा रख रही है। दो दशकों में इन जिलों में 22,000 से ज्यादा आत्महत्याएं हुई हैं। आत्महत्याओं को उन किसानों के बीच विभाजित किया जाता है जो राज्य सरकार से एक लाख रुपए के मुआवजे के पात्र हैं और जो नहीं हैं। जिला स्तरीय समिति यह जांच करती है कि आत्महत्या कृषि संकट या अन्य कारणों से हुई है या नहीं। मुआवजे के लिए पात्र होने के लिए, पीड़ित को ऋण, वसूली दबाव, फसल की विफलता और खेती से संबंधित अन्य संकटों का सामना करना पड़ा होगा। अमरावती में मई तक दर्ज 143 आत्महत्याओं में से 33 में कृषि संकट का मामला दर्ज है। दस मामले खारिज कर दिए गए हैं और 100 की जांच चल रही है। यवतमाल में मई तक 132 आत्महत्याओं में से 34 में कृषि संकट को आधिकारिक कारण बताया गया है। 66 मामलों की जांच चल रही है और जिला प्रशासन ने 32 को खारिज कर दिया है।

प. बंगाल जीआरपी भी करेगी रेल दुर्घटना की समानांतर जांच, एसआईटी का गठन

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) भी एक ट्रेन यात्री की दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कंचनजंघा एक्सप्रेस दुर्घटना की समानांतर जांच करेगी। जीआरपी ने सोमवार को हुए दुर्घटना की स्वतंत्र जांच के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। सिलीगुड़ी के जीआरपी अधीक्षक एस. सेल्वामुरूगन ने गुरुवार को कहा कि एसआईटी का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक स्तर के एक अधिकारी करेंगे। उनकी सहायता के लिए एक निरीक्षक, दो उप-निरीक्षक और दो सहायक उप-निरीक्षक होंगे। उल्लेखनीय है कि इस दुर्घटना की जांच पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य रेलवे सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग की प्रत्यक्ष निगरानी में शुरू हो चुकी है। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि एसआईटी के सदस्य मालगाड़ी के सहायक लोको-पायलट मनु कुमार से बयान लेने बुधवार को अस्पताल पहुंचे। सहायक लोको-पायलट को दुर्घटना के बाद इस अस्पताल भर्ती कराया गया है। फिलहाल वह खतरे से बाहर पर दुर्घटना की वजह से सदमे में बताए जा रहे हैं। जीआरपी की एसआईटी को उनके सदमे से उबरने का इंतजार है, ताकि पूछताछ शुरू की जा सके। दुर्घटना के कारणों पर खुलासा करने के लिए उन्हें आखिरी कड़ी माना जा रहा है, क्योंकि कंचनजंघा एक्सप्रेस और मालगाड़ी दोनों के लोको पायलट की मौत हो चुकी है।

उत्तराखंड में जमीन खरीदने वाले लोगों की पूरी तरह से बैकग्राउंड जांच हो : मुख्यमंत्री धामी

देवभूमि में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं - मुख्यमंत्री

देहरादून, (हि. स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रूख अपनाया है। उन्होंने राज्य में जमीन खरीदने वाले लोगों की पूरी तरह से बैकग्राउंड जांच करने और प्रदेश में चल रहे वेरिफिकेशन ड्राइव को और अधिक सख्ती से चलाने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को शासकीय आवास पर मुख्यमंत्री धामी ने कानून व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कानून-व्यवस्था का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमरा प्रदेश 'देवभूमि' है। यहां अपराध एवं अपराधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी विकासशील प्रदेश के लिए बेहतर कानून व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार राज्य में शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रह रहे बाहरी लोगों का सघनता से सत्यापन किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जो भी बाहरी व्यक्ति राज्य में जमीन खरीदने के लिए आ रहे हैं, वे किस उद्देश्य से जमीन खरीद रहे हैं तथा आपराधिक विवरण के साथ ही भूमि क्रय करने का उद्देश्य भी जाना जाए। इसका उनसे निर्धारित प्रारूप पर घोषणा पत्र भरवाया जाए। बाहरी लोगों के जमीन

खरीदने से पहले इसकी भी सघनता से जांच करवाई जाए कि उन पर कहीं कोई आपराधिक मामला न चल रहा हो। जांच के दौरान यदि किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामला पाया जाता है, तो प्रारूप पर उसका स्पष्ट उल्लेख हो। मुख्यमंत्री ने आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कारवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि वनाग्नि, पेयजल और बिजली की समस्याओं को दूर करने के लिए नियमित बैठक कर समीक्षा की जाए। आगे इस तरह की समस्याएं न हो, इसके लिए जो भी प्रभावी उपाय किये जाने हैं, जल्द किये जाएं। कार्यों में लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री धामी ने आगामी कांवड़ यात्रा के कुशल प्रबंधन और संचालन के लिए अधिकारियों को विस्तृत कार्य योजना बनाने और सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन के वरिष्ठ अधिकारी नियमित सभी जिलाधिकारियों के संपर्क में रहें। जनपदों से किसी भी प्रकार की सहायता के अनुरोध पर उनका यथाशीघ्र समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सरकार की ओर से विभागों के माध्यम से चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की धनराशि लाभार्थी को डी.बी.टी के माध्यम से जल्द मिले। वित्त विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग इसकी त्वरित कार्रवाई करे। जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए।

पौधरोपण को जन अभियान बनाया जाए - मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण और संवर्द्धन के साथ ही व्यापक स्तर पर पौधरोपण के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इसे जन अभियान से जोड़ा जाए। वर्षा जल संचय पर भी विशेष ध्यान देने के साथ ही इसके लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश भी दिये। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, दिलीप जावलकर, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, एडीजी ए.पी. अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी, अपर सचिव जे.सी. कांडपाल उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार पर गंभीर हो सरकार : शान्ता कुमार

पालमपुर, (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि आजाद भारत में करोड़ों रुपये के बन रहे बडे.और महत्वपूर्ण पुल कई जगह उद्घाटन से पहले ही गिर रहे हैं। गुलाम भारत में अंग्रेजों के समय बनाए हुए सैकड़ों पुल मजबूती से खड़े हैं, लगता है वह गुलामी इस आजादी का मजाक उड़ा रहे हैं। शान्ता कुमार ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कि दवाइयां बनाने में भारत विश्व में अग्रणी है। भारत को विश्व की फामेर्सी कहा जाता है। सौभाग्य से भारत में बनने वाली दवाइयों में 40 प्रतिशत हिमाचल प्रदेश में बनती हैं, परन्तु दवाइयों की गुणवत्ता का यह हाल है कि हर महीने दवाइयों के सैंपल बहुत संख्या में फेल होते हैं। शान्ता कुमार ने कहा कि हर क्षेत्र में लगातार बढ़ता भ्रष्टाचार भारत का सबसे बड़ा संकट है। वर्ष 2014 के बाद सब प्रकार का विकास होने के बाद भी आज देश

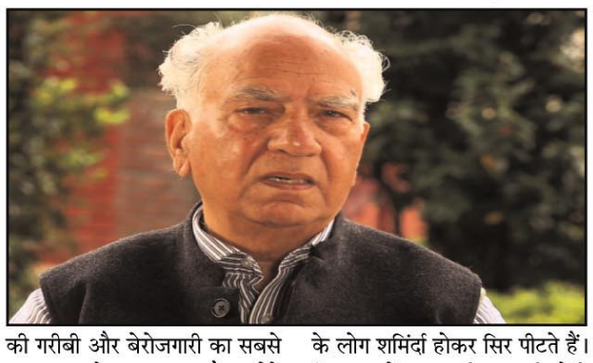

की गरीबी और बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण केवल भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा कारण राजनीतिक नेताओं का भ्रष्टाचार है।

राजनीति पहले की तरह अब जीवन का अंग नहीं रही अपितु अब जीवन ही राजनीति का अंग बन गया और राजनीति पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूब गई। शान्ता कुमार ने कहा कि कुछ नेताओं के अडडों से निकलते नोटों के पहाड़ देख देख कर भारत के लोग शर्मिंदा होकर सिर पीटते हैं। विश्वभर में भारत की बदनामी होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और देश के नेता गंभीरता से विचार करें और हर भ्रष्टाचार करने वाला पकड़ा जाए और एक निश्चित समय में उसे सजा मिले। इसके लिए कानून बदला जाए। अति गंभीर भ्रष्टाचार के अपराध पर मृत्यु दण्ड का प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि हजारों शहीदों ने भारत की आजादी के लिए फांसी के फंदों को ऐसे ही नहीं चूमा था।

वीआईपी कल्चर पर लगाम लगा रही पुलिस, लाल-नीली बत्ती और हूटर लगाने वालों पर कसा शिकंजा

मीरजापुर, (हि.स.)। लाल-नीली बत्ती का प्रयोग आमतौर पर वीआईपी, प्रशासनिक अधिकारियों व मुख्य रूप से पुलिस द्वारा किया जाता है, लेकिन नियम-कानून को ताक पर रख कुछ दबंगों द्वारा हूटर व नीली-लाल बत्ती का प्रयोग जमकर किया जाने लगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वीआईपी कल्चर पर लगाम लगाने के आदेश के बाद मीरजापुर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है और ऐसे लोगों पर कड़ी नजर है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देशन में पुलिस ने अभियान चलाकर कई चार पहिया वाहनों से हूटर, नीली बत्ती, ब्लैक फिल्म उतरवाई हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रायः देखा जा रहा है कि लाल-नीली बत्ती, हूटर सायरन के अवैध प्रयोग आदि के कारण सड़कों पर अव्यवस्था का माहौल उत्पन्न हो जाता है। ऐसे में आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। मोटरयान अधिनियम के अन्तर्गत की गई पुलिस कार्रवाई के क्रम में 125 दो पहिया वाहनों का चालान, चार तीन पहिया वाहन व 36 चार पहिया वाहनों का चालान करते हुए एक वाहन को सीज

करने की कार्रवाई की गई है। इस प्रकार अबतक कुल 221 वाहनों का चालान, एक सीज तथा 201000 रुपये जुमार्ना वसूला गया है। न्यायालय ने पूर्व में ही मल्टीटोन हॉर्न तथा अन्य सायरन हूटर के अनधिकृत उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए थे। इसके आधार पर विभाग ने 11 जुलाई, 2006 में जारी अधिसूचना में संशोधन कर नई अधिसूचना जारी की है।

ये कर सकेंगे नीली बत्ती का उपयोग - अधिसूचना के तहत कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी के दौरान संभागीय आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एवं उपखंड मजिस्ट्रेट नीली बत्ती लगा सकेंगे। ये लोग बत्ती का उपयोग घर से ऑफिस के दौरान नहीं लगा सकेंगे। सिर्फ कानून व्यवस्था के दौरान लग सकेंगे। बाकी समय बत्ती को ढकी रहेगी। वहीं गश्ती ड्यूटी, एस्कॉर्ट, पायलेट, आपात स्थिति नियंत्रण या कानून व्यवस्था के लिए पुलिस, आबकारी, परिवहन विभाग और अग्निशमन वाहन नीली बत्ती लगा सकेंगे। बैंगनी रंग के कांच से ढकी लाल बत्ती का उपयोग एम्बुलेंस के लिए कर सकेंगे।

ये लगा सकेंगे फ्लैशर वाली लालबत्ती - राज्यपाल, मुख्यमंत्री, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश व न्यायाधीश, विधानसभा अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री।

ये लगा सकेंगे बिना फ्लैशर वाली लालबत्ती - विधानसभा के उपाध्यक्ष, राज्य मंत्री, एडवोकेट जनरल, उप मंत्री, मुख्य सचिव, लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष।

अवैध रूप से बत्ती लगाई तो होगी कार्रवाई - अवैध रूप से लाल या नीली बत्ती का उपयोग करने पर अधिकारी व कर्मचारियों विरुद्ध सीसीए नियम 17/16 के अंतर्गत कार्रवाई होती है। सेवामुक्त एवं वेतन वृद्धि रोकी जा सकती है।

हर परिवार के पास हो फैमिली आईडी, परिवार की हर जरूरत पूरा करने का बनेगी माध्यम : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री ने की फैमिली आईडी योजना के प्रगति की समीक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही 'परिवार आईडी' प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश में परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है। जबकि 01 लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं हैं, उनके लिए https://familyid.up.gov.in पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त करने की व्यवस्था है। इस योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे। एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी किया जा रहा है। इससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक लाइव व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र

व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि परिवार आईडी प्रदेश के सभी परिवारों के लिए है। 25 करोड़ जनता को इसका लाभ मिलना चाहिए। परिवार आईडी के माध्यम से प्राप्त एकीकृत डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर उन्हें रोजगार के समुचित अवसर प्राथमिकता पर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार संचालित 76 योजनाओं व सेवाओं को फैमिली आईडी से लिंक किया जा चुका है। अवशेष सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए। केन्द्र सरकार के सहयोग से संचालित समस्त योजनाओं का डेटाबेस प्राप्त कर उसे परिवार कल्याण पास बुक एवं फैमिली आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी लाभार्थीपरक (डीबीटी) योजनाओं, सेवाओं के ऑनलाइन आवेदन में आधार आवेदन एवं आधार अधिप्रमाणन अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस तरह फैमिली आईडी का कवरेज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नए प्रवेश के समय आधार ऑथेंटिकेशन कराएं, तदोपरान्त परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए।जाति और आय प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक देरी न हो। इस प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि हर एक परिवार को मिल रहे शासकीय योजनाओं के लाभ का पूरा विवरण दशार्ते हुए परिवार का पासबुक भी तैयार कराया जाए। पास-बुक और परिवार आईडी जारी करने से पूर्व परिवार के संबंध में सभी जानकारी को विधिवत प्रमाणित किया जाए। सभी संबंधित विभाग इसमें सहयोग करें।

लखनऊ में आंधी-बारिश से बिजली गुल, विद्युत आपूर्ति न होने से पेयजल समस्या जूझे लोग

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ में बीती रात चली आंधी और हल्की बारिश से कई क्षेत्रों में बिजली के तार गिर गये। गोमती नगर, हजरतगंज प्रमुख इलाकों में देर रात से बिजली गुल हो गयी। सुबह के वक्त विद्युत आपूर्ति नहीं होने से पेयजल समस्या भी सामने आयी। शहर में बीती रात एक बजे अचानक से मौसम में बदलाव हुआ। आंधी चलने लगी तो कुछ मिनटों तक बादलों ने बारिश भी किया। इसी दौरान गोमती नगर के विपुल खण्ड तीन में बिजली गुल हो गयी। वहां रहने वाले लोगों ने माना कि कुछ देर बाद बिजली आ जायेगी लेकिन सुबह आठ बजे तक विद्युत आपूर्ति नहीं हुई। सुबह के वक्त विपुल खण्ड तीन में विद्युत आपूर्ति बहाल कराने को लोग सड़क पर उतरे। लोगों ने विद्युत विभाग के एसडीओ को फोन से वार्ता की। जिस पर लोगों को एसडीओ ने शीघ्र ही विद्युत आपूर्ति बहाल होने का आवश्वासन दिया। वहीं विद्युत आपूर्ति न होने के कारण विपुल खण्ड के कई मकानों में नल से पेयजल नहीं आ सका है। हजरतगंज क्षेत्र के एनसीसी कालोनी में रात के वक्त अचानक से विद्युत कटौती हुई। सुबह के वक्त तक विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर लोगों ने इसकी जानकारी की तो तार टूटना सामने आया। इसके बाद विद्युत विभाग से परेशान लोगों ने वार्ता की और तार जोड़ने का कार्य पूर्ण हो सका। शहर के राजाजीपुरम कालोनी में भी बेतहासा विद्युत कटौती हो रही है। बीती रात अचानक से आटो स्टैण्ड क्षेत्र में विद्युत कटौती हुई तो लोग परेशान हो उठे। फिर भी विद्युत विभाग की सक्रियता से सुबह तक विद्युत व्यवस्था ठीक हो गयी। जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। मवैया क्षेत्र में सुबह के वक्त लोगों के घरों में कुछ मिनटों तक दूषित पेयजल आया। नल से लगातार जल आने के बाद यह समस्या ठीक हो सकी। देर रात हुई बारिश का असर यहां भी दिखायी पड़ा, परेशान लोगों ने पेयजल स्पलाई के लिए उपयोग हो रही पुरानी पाइपों को बदलने की जलकल विभाग कार्यालय से की है।

पेपर लीक में गुजरात लॉबी का नाम ही क्यों आता है : लालजी वर्मा

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी(सपा) के सांसद लालजी वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पेपर लीक के मामलों में एजूटेस्ट का नाम सामने आ रहा है। जो गुजरात के अहमदाबाद बेस कम्पनी है। आखिर क्या कारण है कि हर बार पेपर लीक में गुजरात लॉबी का ही नाम आता है। सांसद लालजी वर्मा ने कहा कि उप्र पुलिस भर्ती परीक्षा कराने की जिम्मेदारी गुजरात की प्राइवेट कम्पनी एजुटेस्ट को दी गई। अब उस कम्पनी को ब्लैक लिस्ट किया गया, कम्पनी का मालिक विनीत आर्य विदेश भाग गया। उन्होंने कहा कि पुलिस भर्ती बोर्ड में अचानक डीजी का बदलाव, गुजरात की संदिग्ध कम्पनी को सिपाही भर्ती जैसी बड़ी परीक्षा का ठेका दे देना, इसके बाद पेपर का लीक होना संदेहजनक है। अभी कम्पनी के मालिक का विदेश भाग जाना, फिर भर्ती बोर्ड की डीजी का हटाया जाना पूरी तरह से संदेहजनक है।

सूत्र बताते हैं कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ को पेपर लीक की जांच के दौरान कम्पनी एजूरेस्ट के मालिक विनीत आर्या से पूछताछ करनी थी। जिसमें विनीत आर्या के अमेरिका भाग जाने की सूचनाएं एसटीएफ को मिली। इसके बाद शासन स्तर से कार्रवाई करते हुए पेपर कराने की जिम्मेदार कम्पनी एजुरेस्ट को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया गया।

भारतीय ऋषियों की अनमोल धरोहर है योग : योगी ज्वाला सिंह

- साप्ताहिक योग पखवारा में पुलिसकर्मियों ने किया प्रोटोकॉल का अभ्यास

मीरजापुर, (हि.स.)। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में पतंजलि युवा भारत एवं विंध्य योग सेवा धाम के संयुक्त तत्वाधान में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देशन में चल रहे साप्ताहिक योग पखवारा में पुलिसकर्मियों ने प्रोटोकॉल का अभ्यास करते हुए, हर रोज योग करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय योगासन जज एवं पतंजलि युवा भारत के प्रांतीय महासचिव योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने गुरुवार की सुबह पुलिस अधिकारियों की में उपस्थिति में पवन वेद मन्त्रों का उच्चारण करते हुए योग सत्र का शुभारंभ किया। कहा कि योग भारतीय ऋषियों की अनमोल धरोहर है। योग गुरु ने बैठकर और खड़े होकर करने वाले आसन के साथ पेट एवं पीठ की बल लेटकर करने वाले आसनों के साथ

प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही उनसे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर आरआई मनमोहन ने कहा कि जीरो बैलेंस में स्वस्थ रहने का मार्ग योग है। अतः सभी को जीवन में पूर्णरूप से स्वस्थ और निरोग रहने के लिए प्रतिदिन योग करना होगा। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर मंजरी राव, कार्यालय मुनेन्द्र पाल सिंह, एलआईयू अंजय सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

झारखंड विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में हाई कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में दायर जनहित याचिका की सुनवाई गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को शनिवार तक लिखित बहस प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन में कोर्ट को बताया कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट कानूनी रूप से रिपोर्ट नहीं मानी जाएगी। रिपोर्ट को सरकार के समक्ष पेश किया जाना चाहिए था लेकिन इसे सीधे राज्यपाल को दे दिया गया। राज्यपाल ने जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट सरकार को नहीं दी, जिससे विधानसभा के सदन के पटल पर एक्शन रिपोर्ट के बाद छह माह के भीतर इसे नहीं रखा जा सका। जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में कई त्रुटियां भी थी एवं उस कमीशन की कई अनुशंसा भी अस्पष्ट थी।इन त्रुटियों को देखने के लिए जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की एक कमीशन बनानी पड़ी। जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया है और उसे विधानसभा के सदन पटल पर रखा जा चुका है। जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट की फाइनल

रिपोर्ट है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने कोर्ट को बताया कि झारखंड विधानसभा के वर्तमान स्पीकर विधानसभा कमेटी के सदस्य थे, इस कमेटी ने विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले की जांच का रिपोर्ट दिया था की कार्रवाई होनी चाहिए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें केवल जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट ही दी गई थी, रिपोर्ट के साथ कोई दस्तावेज (एनेक्सचर) नहीं दी गई थी। पूर्व में ही सरकार की ओर से एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत की जा चुकी थी। झारखंड विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार और झारखंड विधानसभा से पूछा था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में क्या त्रुटियां थी जिसके कारण दूसरी आयोग बनानी पड़ी थी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी, जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था। वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा-निर्देश के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष इस मामले को लंबा खींच रहे हैं।

इंडियन आर्मी की कैंटीन की तर्ज पर झारखंड पुलिस जवानों के भी बनेंगे स्मार्टकार्ड

रांची, (हि. स.)। झारखंड पुलिस के जवानों के लिए खुशखबरी है। झारखंड पुलिस भी अपने जवानों के लिए स्मार्ट कार्ड बनाने जा रही है। भारतीय सेना की कैंटीन की तरह झारखंड पुलिस के जवानों को भी कैंटीन में कम दामों पर सामान मिलेंगे। राज्य के 40 हजार पुलिसकर्मियों को स्मार्ट कार्ड से फायदा होगा। अब झारखंड पुलिस के जवान पुलिस कैंटीन में स्मार्ट कार्ड के जरिये भी खरीददारी कर पायेंगे। स्मार्ट कार्ड पर खरीदारी सिर्फ पुलिस वाला और फिर उसका परिवारिक सदस्य ही कर सकता है। नई स्कीम के तहत कार्ड जारी होने के बाद जीएसटी में 50 प्रतिशत तक की भी छूट मिलेगी। गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में आईजी मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को पत्र भेजा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि राज्य के सभी पुलिसकर्मियों को केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार की कैंटीन का कार्ड बनाने का निर्देश दिया गया है। यह कार्ड किसी भी कैंटीन में वैध होगा। कैंटीन से सामान खरीदते समय स्मार्ट कार्ड लेकर आना जरूरी होगा। इसी कार्ड के आधार पर सामान मिलेगा। इसमें सामान खरीदने की सीमाएं और रेट दोनों तय होगी। उनको उतना ही सामान मिलेगा, जितना केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार तय करेगा।

झारखंड हाई कोर्ट में उपस्थित हुए पेयजल सचिव और नगर आयुक्त को लगी फटकार

रांची, (हि.स.)। रांची के जलश्रोतों के संरक्षण और रांची के तीन डैमों की साफ-सफाई और अतिक्रमण मुक्त करने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई पेयजल विभाग के सचिव और रांची नगर निगम के नगर आयुक्त कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए। इस संबंध में झारखंड सिविल सोसाइटी की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई है। अदालत ने पेश अधिकारियों से पूछा कि शहर में पीने के पानी में गंदगी पर हाई कोर्ट से पहले विभाग का ध्यान क्यों नहीं जाता? कोर्ट के संज्ञान के बाद ही विभाग क्यों जागा ? इसके साथ ही अदालत ने दोनों अधिकारियों को फटकार लगाते हुए अगली सुनवाई के दौरान दोबारा कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया। साथ ही कोर्ट ने नगर विकास विभाग के सचिव को भी ने अगली सुनवाई में अदालत के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने गुरुवार को नगर आयुक्त और पेयजल विभाग के सचिव से पूछा कि बड़ा तालाब और डैमों की सफाई के लिए लॉन्ग टर्म प्लान क्या है तो दोनों अधिकारियों ने अदालत को बताया कि इसके लिए कई एजेंसियों से विचार विमर्श किया जा रहा है और इसमें नगर विकास विभाग की भी भूमिका है। नगर विकास विभाग जब तक सीवरेज का काम पूरा नहीं करेगा, तब तक जलाशयों को स्वच्छ रखने में दिक्कत होगी। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई में नगर विकास विभाग के सचिव को भी हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया।

अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा, न्यायालय का कार्य ठप

नवादा, (हि. स.)। एडवोकेट एसोसिएशन सदर सब डिविजन नवादा के सदस्य स्वर्गीय अखिलेश प्रसाद के आकस्मिक निधन के बाद मृत आत्मा की शांति के लिए गुरुवार को नवादा व्यवहार न्यायालय मे शोक सभा का आयोजन किया गया। अनुमंडल अधिवक्ता संघ के साथ ही नवादा जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों ने भी आज न्यायालय में कार्य नहीं किया, जिस कारण न्यायालय का कार्य पूर्णतया ठप रहा। मृत अधिवक्ता की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की गई ।शोकसभा में अध्यक्ष श्रीकृष्ण कुमार सिन्हा, महासचिव निरंजन कुमार सिंह, पूर्व महासचिव इश्वरी प्रसाद शर्मा सहित सैकड़ों सदस्यों ने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। महासचिव निरंजन कुमार सिंह ने बताया कि

तत्काल प्रशासनिक आदेश के तहत अध्यक्ष के साथ विचारोपरांत दस हजार रुपये की सहायता राशी स्वर्गीय अधिवक्ता अखिलेश प्रसाद की पत्नी को दिये जाने की बात पर सहमति बनी। 21 जुलाई यानि कल यह राशी 5 अधिवक्ताओं का एक शिष्टमंडल उनके पैतृक गांव जाकर उनकी पत्नी को प्रदान करेगा। महासचिव निरंजन कुमार सिंह ने कहा कि बिहार बार काउंसिल से मिलने वाली सुविधाओं को भी जल्द पीड़ित परिवार को मुहैया करा दी जाएगी।

रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में झारखंड हाई कोर्ट से शेषनाथ सिंह खरवार की जमानत मंजूर

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने तमाड़ के तत्कालीन विधायक रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड मामले में मुख्य साजिशकर्ता गोपाल कृष्ण पातर उर्फ.राजा पीटर के अंगरक्षक शेषनाथ सिंह खरवार को जमानत दे दी है। कोर्ट ने शेषनाथ सिंह खरवार को राहत देते हुए उन्हें जमानत प्रदान कर दी। शेषनाथ सिंह खरवार को सात अक्टूबर, 2017 को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। नौ जुलाई,

2008 को बुंडू के एसएस हाई स्कूल में एक समारोह के दौरान रमेश सिंह मुंडा सहित चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। रांची पुलिस के अलावा सीआईडी भी इस हत्याकांड का खुलासा नहीं कर सकी थी। घटना के नौ साल बाद एनआईए ने 28 जून, 2017 को इस मामले की जांच शुरू की। इस मामले में पूर्व मंत्री गोपाल सिंह पातर उर्फ राजा पीटर एवं उसके अंगरक्षक शेषनाथ सिंह खरवार, नक्सली कुंदन पाहन समेत करीब 15 आरोपित जेल में है। राजा पीटर को इस मामले में झारखंड हाई कोर्ट से दिसंबर 2023 में जमानत मिल चुकी है।

महानंदा नदी का जलस्तर तीन दिन में 4 सेंटीमीटर बढ़ा, जिले के कई हिस्सों में घुसा बाढ़ का पानी

किशनगंज, (हि.स.)। जिले में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से महानंदा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। साथ ही डोंक नदी का भी जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसको लेकर सीओ मोहित राज ने भी नदियों का जायजा लिया है। पोठिया प्रखंड क्षेत्र होकर बहने वाली महानंदा व डोंक नदी का जलस्तर पिछले तीन दिनों से बढ़ रहा है। लगातार वर्षा होने के कारण दोनों नदी उफान पर है। महानंदा नदी का जलस्तर बढ़कर 4 सेंटीमीटर हो गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से गोरिहाट, डाक बंगला, कलियागंज आदि स्थानों पर नदी किनारे बसने वाले गिल्हाबाड़ी, बारापोखर, आदिवासी टोला मुस्लिम टोला, बारापोखर प्राथमिक विद्यालय, तैयबपुर, कलियागंज, गोरिहाट, इंदरपुर सहित दर्जनों गांवों में नदी का पानी प्रवेश कर जाता है। फिलहाल, बहादुरगंज के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। नदी की उफान को लेकर

लोग इस आशंका को लेकर परेशान हैं, कि यदि रात तक पानी की बढ़ती रफ्तार नहीं रुका तो मुश्किलें बढ़ जायेगी। इसी प्रकार डोंक नदी का भी जल स्तर बढ़ने से लोग बाढ़ की आशंका को लेकर चिंतित हैं। पोठिया के मो. आदिल, बिरजू सहित कई स्थानीय लोगो ने बताया कि गांव में अब तक पानी प्रवेश नहीं किया है। लेकिन, माल मवेशियों को दिक्कत जरूर है। नदियों के उफान से कई मुख्य सड़कों से संपर्क टूटने के कगार पर है। कई डायवर्जन भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी होगी। मामले पर अंचल अधिकारी मोहित राज ने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न बढ़े हुए नदियों का निरीक्षण किया जा रहा है, साथ ही टूटे हुए डायवर्जन वाले जगहों को चिह्नित कर तत्काल प्रभाव से उसे ठीक किया जा रहा है और चलने लायक बनाया जा रहा है।

दोहे

"गाने लगे सितार"

टूट कभी सकता नहीं,
मन से बांधा सूत।
आंसू में भीगा हुआ,
रिश्ता हर मजबूत।।
बुरे वक्त ने जब कभी,
खींचे मन के तार।
नगमे तब हंसने लगे,
गाने लगे सितार।।

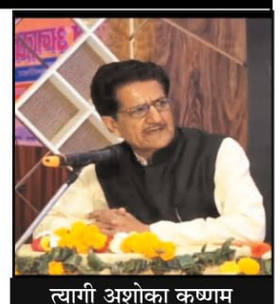

त्यागी अशोका कृष्णम
संभल, उत्तर प्रदेश

ग्रामीण कार्य विभाग में रुपये लेकर ठेकेदार को दिया जाता है काम : टीटू बड़वाल

किशनगंज, (हि.स.)। अररिया के सिकटी में निमार्णाधीन पुल के गिरने के बाद भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष टीटू बड़वाल ने गुरुवार को अपने किशनगंज आवास पर बड़ा बयान दिया है। टीटू बड़वाल ने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग पूरी तरह भ्रष्ट हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस विभाग के खिलाफ इतने सबूत है कि गिनते-गिनते लोग थक जाएंगे। पुल गिरने को लेकर जितना जिम्मेदार संवेदक है, उससे कहीं अधिक जिम्मेदार विभाग के अधिकारी है। बीजेपी नेता बड़वाल ने बताया कि विभाग के जरिए रुपया लेकर ऐसे ठेकेदार को काम दे दिया जाता है, जिनके पास कार्य करने की न तो क्षमता होती है और न ही अनुभव होता है। बड़वाल ने आगे कहा कि अभियंता प्रमुख भगवत राम के कार्यों की जांच ईडी और सीबीआई से करवाने पर सारा पोल खुल जाएगा

कि उन्होंने किस तरह नियमों को ताक पर रख कर काम दिया। बीजेपी नेता ने ये भी कहा कि ऐसे संवेदक जिनकी बिड कैपिसिटी मात्र 55 करोड़ रुपये है, लेकिन किशनगंज के अरार्बाड़ी में उन्हें 66 करोड़ से बनने वाले पुल का टेंडर दे दिया गया। टीटू बड़वाल यहीं नहीं रुके और उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग में लूट मचा हुआ है और हमारी मांग है कि पुल गिरने के मामले में संवेदक के साथ-साथ अधिकारियों की भी जांच होनी चाहिए, जो रुपया लेकर काम बांटते है। बड़वाल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से वो मांग करते हैं कि ऐसे लोग जो रुपया लेकर काम बांट रहे है उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। टीटू बड़वाल ने कहा कि अभी लोकसभा का चुनाव संपन्न हुआ है, जिसमे अरबों रुपये खर्च हुए हैं। आखिर वो रुपया कहां से आता है। अगर सही तरीके से जांच होगी तो कई अधिकारी इस मामले में फंसेंगे।

संपादकीय

गांधी उत्तर-दक्षिण के

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी पारिवारिक संसदीय सीट रायबरेली से ही सांसद रहेंगे, लेकिन केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। वायनाड से छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी चुनावी सियासत की शुरुआत करेंगी। वैसे वह 2004 से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रही हैं। वह पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, लेकिन 20 लंबे सालों के बाद अब उन्हें चुनाव लडऩे का मौका मिल रहा है, क्योंकि वायनाड की राजनीति को भी सुरक्षित रखना है। यदि प्रियंका उपचुनाव में जीत हासिल कर लेती हैं, तो वह पहला मौका होगा, जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य सांसद होंगे। भाई-बहन लोकसभा सांसद हो सकते हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं। यदि मेनका-वरुण गांधी को भी 'गांधी परिवार' में गिना जाए, तो यह पहला मौका है कि मां-बेटा दोनों ही संसद में नहीं हैं। बहरहाल हम कांग्रेस के गांधी परिवार की बात कर रहे हैं। लंबे चिंतन और विमर्श के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोडऩे का फैसला किया है। वायनाड ने राहुल गांधी की राजनीति और सांसदी का अस्तित्व बचाए रखा था, क्योंकि 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर उन्हें पराजित कर दिया था। तब वह वायनाड से जीत कर संसद में पहुंचे थे। अब 2024 के चुनाव में भी वायनाड सीट पर उनका मुकाबला सीपीआई की वरिष्ठ नेता एनी राजा से था। केरल में वाममोर्चे की ही सत्ता है, लेकिन वायनाड में जातीय, मजहबी समीकरण ऐसे हैं और फिर मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन है, जिससे कांग्रेस उम्मीदवार की जीत लगभग तय हो जाती है। वायनाड से राहुल गांधी 3,64,422 वोट से विजयी हुए थे। केरल राज्य कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि डेढ़ साल बाद वहां विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने एकतरफा जीत हासिल की है, लिहाजा कांग्रेस के भीतर विचार किया गया कि दक्षिण भारत को सहेज कर रखा जाए। चूंकि राहुल ने रायबरेली सीट भी 3,90,030 वोट से जीती है और उप्र में सपा के गठबंधन में कांग्रेस के 6 सांसद जीते हैं, बल्कि भाजपा को 33 सीट पर समेट दिया है। इस तरह भाजपा को 29 सीट का नुकसान हुआ है। कांग्रेस-सपा ने भाजपा को करारा राजनीतिक आघात दिया है। विधानसभा में कांग्रेस के मात्र 2 विधायक हैं, लिहाजा संसदीय चुनाव पार्टी के लिए 'वरदान' माने जा रहे हैं। अब कांग्रेस 2027 में विधानसभा चुनाव के लिए भी सपा के साथ गठबंधन बरकरार रखना चाहती है। कांग्रेस की खोई जमीन हासिल कर पार्टी को पुनरोत्थान के रास्ते पर लाना चाहती है, लिहाजा तय किया गया है कि उत्तरी भारत में राहुल गांधी कांग्रेस का चेहरा होंगे। दक्षिण में प्रियंका की भूमिका कितनी कारगर और सार्थक रहती है, यह वायनाड उपचुनाव के जनादेश के बाद की राजनीति से ही तय होगा। वैसे दक्षिण भारत कांग्रेस और गांधी परिवार पर अतिरिक्त भरोसा करता रहा है। कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस सरकारें हैं। इतिहास में जाएं, तो आपातकाल के बाद 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी हार गई थीं, तो उन्होंने कर्नाटक के चिकमंगलूर से उपचुनाव लड़ा और वह जीत कर लोकसभा पहुंची। 1980 के चुनाव में वह रायबरेली और आंध्रप्रदेश की मेडक दो सीटों पर चुनाव लड़ीं। दोनों पर ही विजयी रहीं, लेकिन उन्होंने रायबरेली से इस्तीफा दे दिया और संसद में मेडक का प्रतिनिधित्व किया। तब इंदिरा गांधी एक बार फिर देश की प्रधानमंत्री चुनी गई थीं। सोनिया गांधी ने पहला चुनाव कर्नाटक की बेल्लारी सीट से लड़ा और जीता। चूंकि तब वह अमेठी से भी चुनाव जीत गई थीं, लिहाजा बेल्लारी सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने उत्तर-दक्षिण के गांधी भाई-बहन तय कर नई सियासत खेली है। उसकी सफलता अभी देखनी है। बहरहाल सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि क्या अब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने को सहमत होंगे? यदि वह तैयार होते हैं, तो राजनीति के समीकरण बदलेंगे और राहुल को ज्यादा गंभीर और अध्ययनशील होना पड़ेगा। इस पद के लिए शशि थरूर और गौरव गोगोई के नाम भी लिए जा रहे हैं।

> राहुल गांधी अपनी पारिवारिक संसदीय सीट रायबरेली से ही सांसद रहेंगे, लेकिन केरल की वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। वायनाड से छोटी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी चुनावी सियासत की शुरुआत करेंगी। वैसे वह 2004 से कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करती रही हैं। वह पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव भी हैं, लेकिन 20 लंबे सालों के बाद अब उन्हें चुनाव लडऩे का मौका मिल रहा है, क्योंकि वायनाड की राजनीति को भी सुरक्षित रखना है। यदि प्रियंका उपचुनाव में जीत हासिल कर लेती हैं, तो वह पहला मौका होगा, जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य सांसद होंगे। भाई-बहन लोकसभा सांसद हो सकते हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा सदस्य हैं। यदि मेनका-वरुण गांधी को भी 'गांधी परिवार' में गिना जाए, तो यह पहला मौका है कि मां-बेटा दोनों ही संसद में नहीं हैं। बहरहाल हम कांग्रेस के गांधी परिवार की बात कर रहे हैं। लंबे चिंतन और विमर्श के बाद राहुल गांधी ने वायनाड सीट छोडऩे का फैसला किया है। वायनाड ने राहुल गांधी की राजनीति और सांसदी का अस्तित्व बचाए रखा था, क्योंकि 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर उन्हें पराजित कर दिया था। तब वह वायनाड से जीत कर संसद में पहुंचे थे।

गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है

मोदी मंत्रिमंडल निरंतरता का द्योतक

अवधेश कुमार

> 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। साथी दलों के सामने साथ मिलकर काम करने का जनादेश मिला है तो वो इसका ध्यान बिलकुल रखेंगे। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो नरेंद्र मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। प्रधानमंत्री सहित कैबिनेट की संख्या 31 है। पिछली सरकार में कैबिनेट की संख्या 26 थी। 16 सांसदों वाले तेलुगू देशम और 12 वाले जद यू को दो-दो मंत्री मिले हैं। कैबिनेट में 21 चेहरे पुराने हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रुप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जद यू के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजई हुई है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोकसभा सदस्यों डॉक्टर सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठाकुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इनमें सुकांत पहली बार मंत्री बने हैं लेकिन शांतनु पिछली सरकार में जुलाई 2021 से जहाजरानी राज्य मंत्री रहे हैं। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठाकुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठाकुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोई नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल कुछ क्षेत्र, समूह, कुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है। इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोई बदलाव होगा ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। वास्तव में भाजपा के अंदर बहुमत न मिलने से निराशा और चिंता अवश्य होगी किंतु 10 वर्षों के शासन में आंतरिक और बाह्य नीतियों में स्थायित्व आ चुका है। निश्चित रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। सड़क परिवहन एवं अन्य निर्माण के क्षेत्र में नितिन गडकरी की भूमिका की प्रशंसा सभी दलों ने की है और सड़कों के मामले में भारत की विश्व स्तरीय पहचान बन चुकी है। विश्व भर के निवेशक सड़क सहित भारत की आधारभूत संरचना में निवेश करने के लिए खजाना खोल बैठे हैं और मंत्री परिषद की निरंतरता से वे आश्वस्त हुए होंगे। एक पार्टी की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्य व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोई सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिंता में उस तरह का कदम न उठाया जाए। देश का आर्थिक विकास, सड़कों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पार्टी करेगा? जिन्हें विवादास्पद कहा जा रहा है उनमें सर्वोपरि समान नागरिक संहिता है जो भाजपा के चुनावी वादों में शामिल है। इस संदर्भ में मोदी सरकार के कदमों को लेकर दृष्टि रखनी होगी। हालांकि जद यू ने इसका विरोध नहीं किया केवल ठीक प्रकार से विचार कर लाने की बात की थी। भाजपा को बहुमत होता तो समान नागरिक संहिता को संसद के पटल पर लाने और पारित करने में समस्या नहीं होती। क्या मोदी सरकार इस विषय को कुछ समय के लिए एजेंडा से बाहर रखेगी? अगर गठबंधन से 72 में केवल 11 मंत्री हैं तो इसे दबाव में आना तो नहीं कह सकते। इनमें जदयू के ललन सिंह को छोड़कर कोई ऐसा नहीं जो अतिवादी सेक्युलरवाद का प्रतिनिधि कहा जा सके। वैसे भी मंत्रिमंडल में इतने अनुभवी व्यक्ति हैं कि कोई मतभेद या सहमति उभरने पर अपने अनुभव के आधार पर वह समाधान कर लेंगे। 43 ऐसे मंत्री हैं जो तीन या उससे अधिक बार सांसद रह चुके हैं।

दृष्टि कोण

परीक्षा घोटालों के लिए कौन है जिम्मेवार?

नीट परीक्षा को लेकर पूरे देश के शिक्षा जगत में जबरदस्त मायूसी की लहर देखने को आ रही है। इस मेडिकल प्रवेश परीक्षा के आयोजन से जुड़ी अनेक अनियमितताएं विदित हो रही हैं। नीट परीक्षा एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी) आयोजित कराती है। देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस यानी डॉक्टरी की व दांतों की डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए करीब एक लाख सीटें हैं। इनमें से करीब 40 हजार सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं। 60 हजार के करीब सीटें प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में हैं। प्रवेश का खेल इन्हीं 40 हजार सीट्स के लिए होता है, क्योंकि प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 5 साल के कोर्स के लिए एक से सवा करोड़ रुपए तक लगते हैं, जबकि सरकारी मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई के लिए 5 साल में औसतन सिर्फ 5 लाख रुपए ही लगते हैं। इस बार 5 मई को पूरे देश में नीट की परीक्षा आयोजित हुई थी। कुल 23 लाख 33 हजार 297 छात्रों ने परीक्षा दी थी। एग्जाम का रिजल्ट पहले 14 जून को आना था, मगर 10 दिन पहले 4 जून को घोषित कर दिया गया। इस बार रिजल्ट आया तो कई तरह की खामियां नजर आईं। धीरे-धीरे आवाज उठी तो यह पूरा एग्जाम ही दाल में काला नजर आने लगा। मीडिया पर उपलब्ध एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि गुजरात के एक नामवर जिले में पैसों के दम पर पूरा का पूरा सेंटर ही बिक गया था। एक स्कूल में नीट का एग्जामिनेशन सेंटर था। इस सेंटर में 30 छात्रों

को गलत तरीके से एग्जाम दिलवाया जा रहा था। यहां गुजरात के लोकल स्टूडेंट्स तो थे ही, लेकिन यहां पर महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों से भी स्टूडेंट्स आए थे। अब कोई छात्र अपने प्रदेश को छोडक़र गुजरात के इस सेंटर में जाकर परीक्षा क्यों देगा? क्योंकि इस सेंटर पर बच्चों को पास कराने की पूरी सेटिंग हो चुकी थी। इन सारे बच्चों के माता-पिता से लाखों रुपए लिए गए थे। यहां इन छात्रों से कहा गया था कि उन्हें जितने सवाल आते हों, अपनी आंसर शीट में मार्क कर दें, बाकी सेंटर पर मौजूद लोग देख लेंगे, क्योंकि एक बार एग्जाम का वक्त खत्म होने से लेकर सारी कॉपियां पैक होकर भेजने तक में ढाई से तीन घंटे का वक्त लगता है। एग्जाम खत्म होने के सिर्फ आधे घंटे के भीतर कई सारे बड़े कोचिंग सेंटर सारे सवालों की आंसर की, यानी सही जवाब ऑनलाइन जारी कर देते हैं। इस सेंटर के कर्मचारियों को उन्हीं आंसर की की मदद से सारे छात्रों की ओएमआर शीट पर सही आंसर को सर्किल कर देना था। इस तरह से यह सारे छात्र पास हो जाते, लेकिन यह सब हो पाता, उससे पहले ही जिला प्रशासन को यह सूचना मिल गई। उन्होंने इस सेंटर को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद प्रशासन की देखरेख में फिर यह एग्जाम हुआ। अब जब एक सेंटर पर यह हो सकता है तो फिर देश के किसी भी सेंटर पर यह सेटिंग हो सकती है। गड़बडियां तो कई सारे सेंटरों में हुई हैं, लेकिन बस कुछ गड़बडियों का ही पता चल रहा है। हरियाणा के एक परीक्षा केंद्र का घटनाक्रम सोशल मीडिया पर हैरान करने वाला है। एग्जाम पेपर सरकारी बैंकों के पास होता है और एग्जाम वाले दिन वहीं से एग्जाम सेंटर पर पहुंचता है। ऐसे एग्जाम के दो अलग-अलग प्रश्न पत्र होते हैं। एक वो जो सभी छात्रों को मिलता है और दूसरा वो जो इमरजेंसी के लिए होता है। मगर, ऐसा नहीं हो सकता कि कहीं इमरजेंसी वाला प्रश्न पत्र इस्तेमाल हो और कहीं सामान्य वाला इस्तेमाल हो। इन प्रश्न पत्रों में सवाल आगे-पीछे होते हैं, लेकिन सारे सवाल एक जैसे ही होते हैं। सुनते हैं कि इस एग्जाम सेंटर पर सामान्य और इमरजेंसी दोनों प्रश्न पत्र पहुंचा दिए गए। यदि यह सच निकलता है तो किसकी जिम्मेवारी तय होती है? इस केंद्र पर खबरों के मुताबिक छात्रों को एग्जाम सॉल्व करने के लिए इमरजेंसी प्रश्नपत्र दे दिया गया, यानी देश के बाकी छात्रों के लिए नीट की परीक्षा देने के लिए सामान्य प्रश्न पत्र था और इस सेंटर पर उन्हें वह प्रश्न पत्र दिया गया जो इमरजेंसी के लिए था। जिन छह छात्रों को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, उन्होंने यही एग्जाम पेपर सॉल्व किया था। कहना ही होगा कि जैसे-जैसे परीक्षा के तरीके आधुनिक होते गए, तो शिक्षा माफिया से जुड़े कुछ लोग भी 'जहां चाह, वहां राह' बनाते गए। उनके जाल से कोई राज्य या परीक्षा बाहर नहीं रहती है। देश का शायद ही कोई राज्य होगा और शायद ही कोई परीक्षा होगी, जहां धांधली का ग्राफ ऊंचा ही ऊंचा उठता न गया हो। परीक्षाएं ऑनलाइन होने के बाद तो जैसे परीक्षा घोटालों में तेजी आई है और घोटालेबाज खुलेआम व्यवस्था को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह नौकरियों के घटते मौके हों या कुछ और, लोग भी इन परीक्षाओं में पास होने के लिए लाखों की रकम देने को तैयार बैठे हैं। जानकार मानते हैं कि हर साल यह धंधा कई सौ करोड़ रुपए का होता है। ऑनलाइन परीक्षा की हामी भरने वाले मानते हैं कि जब परीक्षाएं ऑनलाइन होने लगीं तो कहा गया कि इनमें धोखाधड़ी संभव नहीं है। इनमें प्रश्नपत्र कागज पर नहीं छपते। विशेषज्ञ सवालों का बैंक तैयार करते हैं और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम उन्हें चुनता है। प्रश्नपत्र टेस्ट सेंटर पर भेजे जाने से पहले एनक्रिप्टेड होते हैं। परीक्षार्थी के क्लिक करने पर ही वह खुलता है। परीक्षार्थियों के प्रश्नपत्र भी अलग-अलग होते हैं।

कुछ अलग

कवि की चाह ख्वामख्वाह

लगना तो नहीं चाहिए, पर न लगने का मुगालता पाले हुए भी कई बार तो अब खुद को भी लगता है कि मैं एक व्यर्थ कवि हूं। मैं एक असमर्थ कवि हूं। लगना तो नहीं चाहिए, पर लगता है, ज्यों मैं कविता केवल कविता के लिए लिख रहा हूं। मैं केवल लिखने के लिए लिख रहा हूं। कभी कभार किसी सरकारी पत्रिका में छप दो चार सौ में बिक रहा हूं। मेरे पास कविताओं का अकाल नहीं, कविताओं का मेरे पास मॉल है, पर श्रोताओं का अकाल है। श्रोता पिपासु चक्षुओं से स्पष्ट देख रहा हूं कि दूर दूर तक कोई श्रोता नहीं। अब तो कोई मेरी कविता कॉफी पिलाने का झांसा देने के बाद भी नहीं सुनता। उसे पता है कि मैं उसे पचास रुपए की कॉफी पिलाऊंगा तो पांच सौ की कविताएं सुना जाऊंगा। ऐसे में पैसे पैसे का हिसाब रखने वाला साढ़े चार सौ का घाटा कौन समझदार उठाएगा। ये कैसे दिन आ गए रे कवि! जो कविता लू से श्रोताओं को बचाती थी, आज वही सावन में भी झुलस रही है। कई बार तो अब अपनी कविता का श्रोता खुद ही होना पड़ता है। कविता का मन रखने के लिए कि उसे कोई तो सुन रहा है। भाग्यशाली है वह कवि! जो झूठा ही सही, पर सीना ठोंक ठोंक कर यह दावा करता है कि उसकी कविता सुनने को उसके पास अभी भी श्रोता उपलब्ध है। औरों को तो छोड़िए, अब तो कवि भी कवि को नहीं सुनना चाहता। केवल उसे हर सरकारी कवि गोष्ठी में अपनी कविता सुना वहां से तत्काल भाग जाता है पारिश्रमिक का फार्म भर। कवि गोष्ठियों में जहां तक नजर दौड़ाता हूं वहां तक अब केवल कवि ही कवि नजर आते हैं। हाय! समाज से सारे रिवाज तो जनाजे की तरह उठते ही जा रहे थे, पर अब कविता सुनने का रिवाज ही उठ रहा है री मां शारदा! हे कविता रसिको! माना, आज यह समाज के कविता के रस से भी उम्दा रसों से लबालब है। पर कविता भी तो एक रस है। नीरस ही सही। रसता को कोई भंग कर सकती है तो केवल नीरसता ही। रसता से ऊब कर बंदा आखिर नीरसता की शरण में ही जाता है। तो आओ! मेरी कविता सुनो। हे मां सरस्वती! मुझे भले ही कविता लिखने की शक्ति दो या न दो! अब मैं कविता लिखने में इतना माहिर हो गया हूं कि अब मुझे कविता लिखने को किसी की शक्ति की जरूरत नहीं। पर लिखी हुई कविताओं को सुनाने के लिए श्रोता की बहुत जरूरत है। हे मदर! कवि खाए बिना रह सकता है। कवि पिए बिन रह सकता है। कवि दिसंबर में भी लिहाफ बिन रह सकता है, पर कवि श्रोताओं को अपनी कविताएं सुनाए बिन बिल्कुल नहीं रह सकता। हे आदरणीय, परमादरणीय श्रोताओ! आखिर तुम्हारे हृदय को ये हो क्या रहा है! बीवी की तरह कविता की ओर से तुम इतने पत्थर दिल क्यों हुए जा रहे हो? क्या दैनिक उपभोग की वस्तुओं के भाव पल पल आसमान छूने के चलते तुम्हारे हृदय के भाव मर गए? माना, आज धीरे धीरे सब कुछ मर रहा है। कहानी मर रही है। निबंध मर रहे हैं। उपन्यास तो बहुत पहले मरने लग गए थे। जबसे हर आदमी नाटक हुआ है, नाटक मर रहा है। हे मां सरस्वती! मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है कि जिसे भी मैं अपनी ताजी कविता सुनाना चाहता हूं, वही मुझे देखते ही नौ दो तेरह हो लेता है। तुम्हारी कृपा से कविता तो मैं सोए सोए भी रच लेता हूं। तुम्हारी कृपा से कविता तो मैं रोटी खाते खाते भी रच लेता हूं। कविता रचना मेरे लिए बच्चों का खेल है। कविता मेरे लिए गंगू तेली का तेल है। जो भी मैं बकता हूं, अब वही कविता हो जाती है। हे मां शारदे! आज आदमी जब सब कुछ सुनना चाहता है, तो कविता सुनना क्यों नहीं चाहता? मैं कविता के लिए प्रकाशक ढूंढ सकता हूं। मैं कविता के लिए सरकारी खरीद में जुगाड़ अफसर ढूंढ सकता हूं। पर पता नहीं क्यों मैं अपनी कविता के लिए एक सच्चा तो छोड़िए, साधारण सा श्रोता भी नहीं ढूंढ पा रहा हूं। हे मां सरस्वती! तुमने मुझे कविता लिखने की अथाह शक्ति दी। मैंने व्हाट्सएप पर जमकर कविता लेखन किया। मैंने फेसबुक पर जमकर कविता लेखन किया।

देश दुनीया से

तपते टापू बनते शहरों में जनजीवन पर मंडराया संकट, कौन है जिम्मेदार?

> लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी। जानकारों के मुताबिक, देश के कुछेक शहर अब तपते टापू यानी हीट आइलैंड प्रतीत हो रहे हैं। सामान्य शब्दों में हीट आइलैंड का मानक 44 डिग्री और उससे ऊपर का तापमान है। चूंकि यह सामान्य से 4 डिग्री अधिक होता है। इसलिए हीट आइलैंड का शिकार हो रहे शहरों में लू का प्रकोप भी भयावह हो जाता है। इससे शहर की गतिविधियां लगभग ठप पड़ जाती हैं। अमूमन हर साल मई और जून के महीनों में इन शहरों में तापमान 45 से 49 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो उठता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अंधाधुंध विकास की आंधी में झुलस रहे इन शहरों की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और इससे बचने का सही रास्ता क्या है, जिसे सुझाने में सरकार भी लापरवाही बरत रही है! मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के साथ उपयुक्त और अनुपयुक्त भूमि के बिगड़ते संतुलन, शहरों में कंक्रीट के बढ़ते जंगल, वातानुकूलित (एयर कंडीशनर) इमारतें, वाहन और उद्योगों के उगलते धुओं के चलते व्याप्त गर्मी से जगह-जगह पर हीट आइलैंड बन रहे हैं। गांवों की अपेक्षा कंक्रीट वाले शहर इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, जिन इलाकों में पेड़-पौधे कम होते हैं और कंक्रीट के भवन, घनी आबादी और एसी ज्यादा होते हैं, वहां पर हीटलैंड बन जाते हैं। वहां पर अन्य जगहों के मुकाबले 2 से 3 डिग्री अधिक तापमान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट है कि हीट आइलैंड बनने के वास्ते किसी भी शहर में जो स्थानीय कारण हैं, उनमें बढ़ते भवनों की संख्या, पौधों का कटना, एसी की संख्या बढ़ना, वाहन बढ़ना, घनी आबादियां आदि शामिल हैं। इनका सीधा असर जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है, इसलिए इस नजरिए से भी चिंतन जरूरी है। चिकित्सक बताते हैं कि हीट वेब का असर हीट आइलैंड पर ज्यादा होता है। इसके चलते हृदय रोगियों के साथ मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) के मामले भी बढ़ रहे हैं। वहीं अनिंद्रा से तनाव-बेचैनी के साथ लोगों की दिनचर्या भी स्पष्ट तौर पर प्रभावित हुई है। इससे गम्भीर बीमारियां भी बढ़ रही हैं। किसी को त्वचा सम्बन्धी सर्वाधिक बीमारियां हो रही हैं तो कोई घमौरियों से परेशान महसूस कर रहा है। वहीं, काम की गति कम होने से शहर के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। हीट वेब

का वनस्पतियों और फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिससे सब्जियों पर महंगाई के बादल मंडराने लगे हैं। वहीं, ऐसे शहरों में लोग बिजली व पानी के संकट के भी शिकार हो रहे हैं। दैनिक मजदूरों के लिए संकट तो आम बात है। वहीं, पशु-पक्षी तक इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए इन सबके लिए एहतियाती उपाय करना राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी है। कुछ शोध रपट बताते हैं कि मकानों में लगाये जा रहे वातानुकूलन संयंत्र (एसी) अंदर तो ठंडक का एहसास करा रहे हैं, लेकिन इसकी कीमत वातावरण के बढ़ते तापमान से चुकाई जा रही है। वहीं, सेंसर आधारित शोध में कंकरीट की इमारतों का तापमान मिट्टी की दीवारों की तुलना में पांच से छह डिग्री तक ज्यादा पाया गया है। वहीं, एक अध्ययन बताते हैं कि हीट आइलैंड बन चुके शहरों में कम बारिश हो रही है, जिसके चलते मौसम की उग्रता बढ़ रही है। खास बात यह है कि प्राकृतिक तौर पर ठंडक बनाये रखने की प्रणाली (नेचुरल कूलिंग सिस्टम) की भी ऐसे शहरों में कमी दिख रही है। इससे शहर के भीतर और बाहर के तापमान में बड़ा अंतर आया है। इसलिए सरकार को चाहिए कि ऐसे शहरों के लिए वह विशेष रिहायशी व औद्योगिक नीति बनाए, ताकि पर्यावरण और आधुनिकता में एक समन्वय स्थापित हो सके। जनजीवन की रक्षा के लिए ऐसा करने की नितांत आवश्यकता है। विशेषज्ञों की मानें तो विभिन्न प्रदेशों में हीट आइलैंड चित्रित करने का कोई तंत्र नहीं है, लेकिन लू की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। जबकि बिहार-झारखंड, यूपी-उत्तराखंड, दिल्ली-हरियाणा-पंजाब, राजस्थान-मध्यप्रदेश के हीट आइलैंड बन चुके कतिपय शहरों में इन्हें चित्रित करने का तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। क्योंकि हीट वेब का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव ऐसे लोगों पर पड़ा है जो सड़क के किनारे रोजगार चलाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, दिल्ली में 49 फीसदी स्ट्रीट वेंडरों का कहना है कि लू के चलते उनकी आय में कमी हुई है। ग्रीन पीस और नेशनल हॉकर फाउंडेशन की अध्ययन बताती है कि 80 प्रतिशत स्ट्रीट वेंडरों ने ग्राहकों की संख्या में गिरावट को स्वीकार किया है, जिससे उनकी आय घटी। इसलिए इनके स्वास्थ्य जोखिम, आजीविका की चुनौतियां और अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। वहीं, बाहरी श्रमिक जो धूप में काम करते हैं, उन्हें गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का अधिक सामना करना पड़ता है। इसलिए ग्रीन पीस इंडिया ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) से आग्रह किया है कि वे लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करें, जिससे अनुकूलन, शमन और राहत के लिए उचित धन की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। शासन को चाहिए कि वह त्रिस्तरीय पंचायती राजव्यवस्था से जुड़े लोगों को लू, बाढ़ और शीतलहर से बचने-बचाने के लिए प्रशिक्षण दे और ऐसी एहतियाती व्यवस्था करे, ताकि किसी को मौसम की मार झेलनी ही न पड़े। आधुनिक विज्ञान और प्रशासन के लिए यह कोई बड़ी बात नहीं है।

आप का नजरीया

उपचुनाव के लड्डू

समाज में सियासत और सियासत में समाज की पड़ताल में चुनावों का वर्तमान परिदृश्य, पुनः हिमाचल के तीन विधानसभा क्षेत्रों के मुहाने पर खड़ा है। चुनावों की वजह जो भी रही हो, मतदान की परिभाषा में समाज का नए सिरे से अवलोकन होगा। जिस समाज ने पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टियों के उम्मीदवारों को दरकिनार करते हुए निर्दलीयों को अपनाया, वही अब अलग मोर्चे पर कहीं अलग निशान और निशाने देख रहा है। भाजपा ने अपने हाथों पर तीनों निर्दलीयों के नाम खुदवाकर मतदाता की कचहरी में निर्दोष होने की गवाही दी है, तो कांग्रेस के महाप्रयास में मिसरी की डलियां चुन-चुन कर रखी जा रही हैं। हमीरपुर से डाक्टर पुष्पिंदर और नालागढ़ से हरदीप सिंह बावा कांग्रेस की स्वाभाविक पसंद साबित हुए हैं, जबकि देहरा में पेंच व पड़ताल के बीच मुख्यमंत्री की पत्नी कमलेश ठाकुर का नाम एक टर्निंग प्वाइंट है और जहां वकालत व वसीहत का फैसला, राजनीतिक इतिहास का अहम मोड़ है। उपचुनावों के दूसरे चरण में भाजपा की चरण पादुकाएं थामे कल तक के निर्दलीय आज पार्टी के बीच आकर, चुनावी फिल्म के मध्यांतर के बाद अपनी कहानी को मुकम्मल करना चाहेंगे। हालांकि इनकी जीत-हार से प्रदेश की राजनीति में कोई बड़ा नफा या नुक्सान किसी तरफ नहीं हो रहा है, फिर भी ये मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की हैसियत में अहम मोड़ तो रहेंगे ही। कांग्रेस की जीत-हार पहले भी छह उपचुनावों के गणित में मुख्यमंत्री के लिए एक शगुन की तरह थे और अब भी ये तीन मकसद हिमाचल में सरकार की हिफाजत में अवसर प्रदान कर रहे हैं। यह दीगर है कि जिस ढर्रे पर राजनीति चल रही है, वहां मतदाता की कसौटियां भी अस्पष्ट होती जा रही हैं। अगर भाजपा तक पहुंचे निर्दलीय पुनः जीत हासिल करते हैं, तो यह पिछले चुनाव की अमानत में जनता का विश्वास अर्जित करेगा, वरना सारे समीकरण सत्ता की भक्ति में लीन माने जाएंगे। जाहिर तौर पर चुनाव का लड्डू सभी को आकर्षित कर रहा है, लेकिन जनता अपनी महत्त्वाकांक्षा की हिफाजत में दो टूक बात कर सकती है। इन उपचुनावों के रोचक पहलू मुख्यमंत्री के पास सरकार के अधिकार और सत्ता की पुकार में निहित हो सकते हैं। यह इसलिए कि दो उपचुनावों के दायरे में पुनः हमीरपुर संसदीय क्षेत्र अपनी परीक्षा के संदर्भ बदल रहा है। हालांकि लोकसभा के मायनों में पहले ही हमीरपुर की पसंद भाजपा यानी अनुराग ठाकुर रही है, फिर भी इस बार उपचुनावों की मंशा में आशाओं का फलीभूत होना, एक अलग पैरवी की तरह है। अगर सुजानपुर में 'एक वोट प्रधानमंत्री, एक वोट मुख्यमंत्री' परवान चढ़ सकता है, तो इस बार हमीरपुर की अस्मिता का सवाल सुखविंदर सुक्खू के नजदीक नहीं होगा, यह कठिन पहेली नहीं हो सकता। उपचुनाव की किश्ती देहरा के पत्तन पर होशियार सिंह को फिर से बैठने देती है। क्या वह आसानी से भाजपा के उम्मीदवार स्वीकार कर लिए जाते हैं या उन्हें अनुराग ठाकुर की सल्तनत का प्रश्रय मिल जाएगा, यह पेचीदगी से भरा इम्तिहान होगा। अगर कांग्रेस से मुख्यमंत्री की पत्नी कमलेश ठाकुर आती हैं, तो उपचुनाव के हस्ताक्षर सत्ता की गवाही में एक शपथपत्र की तरह होंगे।

रूस और उत्तर कोरिया के बीच नाटो जैसा समझौता, एक देश पर हमला हुआ तो दूसरा देश तुरंत देगा सैन्य मदद

प्योंगयांग ।
दुनिया पहले से ही तनाव के दौर से गुजर रही है। अब एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने संघर्ष की आशंका को और बढ़ा दिया है। दरअसल उत्तर कोरिया दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किम जोंग उन के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत दोनों देश युद्ध की स्थिति में एक दूसरे को तुरंत सैन्य मदद देंगे। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने इस समझौते की पुष्टि की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक समझौते पर उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में आयोजित शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षर हुए। अमेरिका और सहयोगी देशों की बढ़ेगी चिंता दोनों देशों के बीच हुए समझौते के अनुच्छेद 4 में प्रावधान है कि अगर एक देश पर हमला होता है या वह युद्ध की स्थिति में है तो दूसरा देश तुरंत सैन्य और अन्य मदद देगा। शीत युद्ध समाप्त होने के बाद रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुआ यह सबसे अहम समझौता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने इस समझौते को दोनों देशों के संबंधों में बेहतर बदलाव बताया, जो सुरक्षा, व्यापार, निवेश, संस्कृति और मानवीय मदद जैसे पहलुओं को कवर करेगा। रूस और उत्तर कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरिया द्वारा रूस को हथियार और गोला बारूद उपलब्ध कराने पर गहरी चिंता जाहिर की है।

अमेरिका को ये भी डर है कि रूस की आर्थिक और तकनीकी मदद से उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों और मिसाइल प्रोग्राम को तेजी से बढ़ा सकता है। सोवियत संघ के समय भी दोनों देशों के बीच था ऐसा समझौता उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने दोनों देशों के बीच हुए इस सुरक्षा समझौते को अब तक की सबसे मजबूत संधि करार दिया। किम जोंग उन ने यूक्रेन युद्ध में रूस को पूरा समर्थन देने की बात दोहराई। वहीं पुतिन ने इस समझौते को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि इससे दोनों देशों की साझा इच्छा झलकती है और यह संबंधों को नए आयाम पर लेकर जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया और सोवियत संघ के बीच भी साल 1961 में ऐसा ही एक समझौता हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति बाइडन के चुनावी अभियान ने दो सप्ताह में जुटाई बंपर रकम, चार करोड़ डॉलर से ज्यादा फंड किया एकत्र

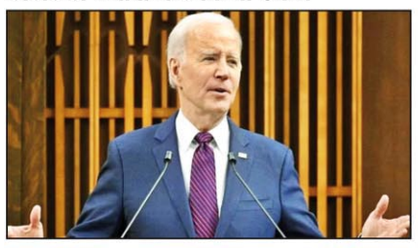

वॉशिंगटन । अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाला है। इस दौड़ में मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच, जो बाइडन के पुनर्निर्वाचन अभियान ने पिछले दो हफ्तों में चार करोड़ डॉलर से अधिक की राशि जुटाई है। यह जानकारी सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष ने दी है। इन लोगों ने भी दिया समर्थन उन्होंने बताया कि इसमें दो तटों पर धन जमा करने के लिए रखे गए मात्र दो लोगों (फंडराइजर) ने तीन करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। धन जुटाने के दो कार्यक्रम लॉस एंजिल्स में आयोजित किए गए, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जॉर्ज क्लूनी तथा जूलिया रॉबर्ट्स जैसी हस्तियां शामिल हुईं। इसके अलावा वर्जीनिया के पूर्व गवर्नर टेरी मैकऑलिफ के घर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। टीवी विज्ञापनों के जरिए कितने कमाए सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष अजय भुतोरिया ने कहा, हमारा अभियान लगातार धन जुटाने की मजबूत गति दिखा रहा है। हमने इस महीने टीवी विज्ञापनों के जरिए पांच करोड़ डॉलर जमा किए हैं। तीन दिन पहले बाइडन ने मशहूर हस्तियों और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ मिलकर लॉस एंजिलिस में तीन करोड़ डॉलर की धनराशि जुटाई। पिछले दो सप्ताह में ही चार करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए। यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं उन्होंने कहा, डेमोक्रेट्स के तौर पर हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने और अपने देश द्वारा हासिल किए गए विकास को और आगे बढ़ाने की अपनी प्रेरणा में एकजुट हैं। आगामी 2024 का चुनाव एक कठोर विकल्प प्रस्तुत करता है और वो है- हमारे लोकतंत्र की सुरक्षा या फासीवादी - डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव। यह चुनाव केवल राजनीतिक नहीं है, यह हमारे राष्ट्र के भविष्य के लिए एक निर्णायक पल है। भारतीय-अमेरिकी समुदाय का महत्व इस यात्रा में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, भुतोरिया ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडन के लिए उनका मजबूत समर्थन कई युद्ध के मैदानों में जीत का अंतर हो सकता है।

हज यात्रा पर गर्मी का कहरः अब तक 600 से अधिक जायरीनों की मौत, इसमें 68 भारतीय; सऊदी प्रशासन ने कहा

रियाद । सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान भीषण गर्मी से मरने वालों की संख्या 600 से अधिक हो गई, जिसमें 68 भारतीय भी शामिल हैं। वहां के एक राजनयिक ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसा मना जा रहा है कि हज यात्रा करने आए जायरीन में अधिकतर बुजुर्ग थे और मौसम परिवर्तन के कारण कुछ लोगों की मौत हो गई। सऊदी अरब में राजनयिक ने कहा, हमने लगभग 68 मरने वाले लोगों की पुष्टि की है। कुछ प्राकृतिक कारणों से मारे गए। यहां आने वाले कई जायरीन बुजुर्ग थे। कुछ लोगों की मौत बदलते मौसम के कारण हो गई। अरब के दो राजनयिक ने इस बात की पुष्टि की कि हज के दौरान 550 जायरिनों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 323 मिस्र के और जॉर्डन के 60 लोग शामिल हैं। इनके अलावा इंडोनेशिया, ईरान, सेनेगल, ट्यूनीशिया और ईराक के द्वारा भी मौतों की पुष्टि की गई है। हालांकि, कई मामलों में अधिकारियों ने मौतों के कारणों का खुलासा नहीं किया।

लैटिना में दुर्घटना के बाद भारतीय मजदूर को मरने के लिए छोड़ दिया गया, इटली की श्रम मंत्री ने की निंदा

रोम । इटली में काम करने वाले एक भारतीय मजदूर की एक दुर्घटना के बाद सड़क किनारे मौत हो गई। इस हादसे में उसका हाथ भी कट गया। इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इसे बर्बरतापूर्ण कृत्य बताया। मरने वाले भारतीय मजदूर की पहचान सतनाम सिंह के तौर पर की गई है। लैटिना में एक फार्म में काम करने के दौरान वह घायल हो गया था। बता दें कि लैटिना में हजारों भारतीय प्रवासी रहते हैं। इटली की श्रम मंत्री ने की घटना की निंदा संसद में इटली की श्रम मंत्री मरीना कैलदेरोन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा, लैटिना के ग्रामीण इलाके में काम वाला एक भारतीय श्रमिक गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गया था और गंभीर परिस्थिति में छोड़ दिया गया, जिस वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने आगे कहा, यह एक बर्बरतापूर्ण कृत्य है। श्रमिक मंत्री ने बताया कि इस मामले की कार्रवाई जारी है और उम्मीद है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दलाई लामा से मिलने पर आखिर क्यों तिलमिलाया चीन

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने चीन से धमकी मिलने के बावजूद भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद ड्रैगन बौखलाया हुआ है।

चीन और अमेरिका के रिश्ते सुधरने की बजाय और बिगड़ते दिख रहे हैं। अब ऐसा लग रहा है कि वॉशिंगटन ने एक बार फिर ड्रैगन की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। दरअसल, अमेरिकी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत के हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत के निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से मुलाकात की। मुलाकात से पहले ही बीजिंग ने अमेरिका से दलाई गुट के किसी भी शख्स से मिलने से बचने की चेतावनी दी थी। अब इस मुलाकात के बाद चीन भड़क गया है।

भारत में अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल क्या कर रहा

द्विदलीय अमेरिकी सांसदों का सात सदस्यीय समूह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता दलाई लामा से मिलने भारत पहुंचा। अमेरिका की हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन माइकल मैक्कॉल के नेतृत्व में सात सदस्यीय दल विशेष विमान से धर्मशाला के गगल एयरपोर्ट पहुंचा था। शाम को माइकल और अमेरिकी संसद के प्रतिनिधि सदन की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी ने निर्वासित तिब्बत सरकार की संसद को संबोधित किया और तिब्बत की आजादी का समर्थन किया। वहीं इन लोगों ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की और इस दौरान जमकर चीन के खिलाफ बोल बोले।

तिब्बत का दोस्त अमेरिका

अमेरिका ने लंबे समय से तिब्बती लोगों के अपने धर्म और संस्कृति का पालन करने के अधिकारों का समर्थन किया है और चीन पर भारत की सीमा से लगे सुदूर हिमालयी क्षेत्र तिब्बत में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

क्या है अमेरिका में पास नया विधेयक

बता दें कि अमेरिका ने हाल ही एक ऐसा विधेयक पास किया है, जिससे कि तिब्बत पर चीन के दावे को चुनौती मिलती है। इसके साथ ही इसमें चीन और दलाई लामा के बीच संवाद की बात पर भी जोर दिया गया है। 12 जून को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव से मुहर लगने के बाद इसे सीनेट में हरी झंडी मिल गई। प्रमोटिंग ए रेजोल्यूशन टू द तिब्बत चीन डिस्प्यूट एक्ट के बारे में कहा जा रहा है कि इससे तिब्बत के इतिहास और लोगों के बारे में चीन की ओर से फैलाई जा रही गलत सूचना से लड़ने में मदद मिलेगी। दरअसल, ये विधेयक चीन के इस दावे को खारिज करता है कि तिब्बत हमेशा से उसका हिस्सा रहा है।

कौन हैं दलाई लामा

सन 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र से ही अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया है। उन्हें सन् 1940 में तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में तिब्बती धर्मगुरु की मान्यता दी गई थी। सन् 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया। दलाई लामा सन् 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद भारत आ गए थे। तब से वे हिमाचल प्रदेश के शहर धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। सन् 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दलाई लामा ने मॉनेस्टिक शिक्षा प्राप्त की है और वह सालों से तिब्बतियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। वह छह महाद्वीपों और 67 से ज्यादा देशों की यात्रा कर चुके हैं। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद भारत में दलाई लामा को आए हुए 62 साल से ज्यादा हो गए हैं।

इस मुलाकात पर विवाद क्यों

अमेरिकी सांसदों के भारत आगमन से चीन को ऐसे समय में नाराज हो गया है, जब बीजिंग और वाशिंगटन संबंधों को सुधारने की कवायद चल रही है। जबकि भारत के चीन के साथ पहले से ही संबंध तनावपूर्ण हैं, क्योंकि सन 2020 में चीन सीमा पर सैन्य गतिरोध के चलते भारत के 24 सैनिक मारे गए थे। अमेरिका ने भले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पास कर लिया है, लेकिन वाशिंगटन तिब्बती स्वायत्त क्षेत्र को चीन का हिस्सा मानता है। चीन दलाई लामा पर अलगावावादी होने का आरोप लगाता है। हालांकि दलाई लामा का कहना है कि वे अपनी सुदूर हिमालयी मातृभूमि के लिए वास्तविक स्वायत्तता चाहते हैं। सबसे विवादास्पद मुद्दा दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति का है। चीन का कहना है कि तिब्बत पर अपना नियंत्रण मजबूत करने के लिए उसे उत्तराधिकारी को मंजूरी देने का अधिकार है, जबकि दलाई लामा का कहना है कि केवल तिब्बती लोग ही यह फैसला ले सकते हैं तथा उनका उत्तराधिकारी भारत में मिल सकता है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और विधेयक के एक लेखक माइकल मैककॉल ने वाशिंगटन से रवाना होने से पहले कहा था, इस यात्रा से तिब्बत को अपने भविष्य में अपनी बात रखने के लिए अमेरिका के सदन में द्विदलीय समर्थन को रेखांकित किया जाना चाहिए।

दूसरे कार्यकाल की पहली विदेश यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे एस जयशंकर पड़ोसी पहले नीति पर फोकस

कोलंबो ।
भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर श्रीलंका पहुंचे। यह उनके लगातार दूसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। श्रीलंका दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। जयशंकर का कोलंबो पहुंचने पर श्रीलंका के विदेश राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल सेंथिल थोंडामन ने उनका स्वागत किया।

श्रीलंका पहुंचने पर विदेश मंत्री साझा की पोस्ट

एस जयशंकर ने श्रीलंका पहुंचने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा नए कार्यकाल में पहली बार कोलंबो पहुंचा हूं। गर्मजोशी से स्वागत के लिए राज्य मंत्री थारका बालासुरिया और पूर्वी प्रांत के राज्यपाल एस थोंडामन का शुक्रिया। शीर्ष नेतृत्व के साथ अपनी बैठकों का बेसब्री से इंतजार है। विदेश मंत्री ने लिखा कि श्रीलंका, भारत की पड़ोसी पहले और सागर नीतियों का केंद्र है। अपनी पड़ोसी पहले नीति के तहत भारत अपने सभी पड़ोसियों के साथ मैत्रीपूर्ण और परस्पर लाभकारी संबंध विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्री की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और हिंद महासागर में समुद्री सहयोगा भू-राजनीतिक ढांचा बनाने का है। एस जयशंकर ने बीती 11 जून को देश के विदेश मंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार कार्यभार संभाला था। जयशंकर पिछले सप्ताह इटली के अपुलिया में आयोजित हुए जी7 शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए थे, लेकिन उस समय वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। वहीं श्रीलंका का दौरा उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। एस जयशंकर के श्रीलंका दौरे पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि भारत की पड़ोसी पहले नीति के तहत यह यात्रा श्रीलंका को सबसे करीबी समुद्री पड़ोसी के रूप में भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अमेरिकी सेना का दावा- सीरिया में आईएसआईएस के वरिष्ठ अधिकारी को मार गिराया, उसामा जमाल के रूप में हुई पहचान

वाशिंगटन डीसी ।
अमेरिकी सेना ने दावा किया है कि सीरिया में हवाई हमले में आईएसआईएस का एक वरिष्ठ अधिकारी मारा गया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने जानकारी देते हुए बताया कि मारे गए आईएसआईएस संगठन के सदस्य की पहचान उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी के रूप में की गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी मौत से आईएसआईएस की क्षमता कम हो जाएगी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल माडिया एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'सीरिया में 16 जून को यूएस सेंट्रल कमांड ने सीरिया में हवाई हमला किया, जिसमें आईएसआईएस के एक वरिष्ठ अधिकारी उसामा जमाल मुहम्मद इब्राहिम अल-जनाबी की मौत हो गई। उसकी मौत से आईएसआईएस की संसाधन जुटाने और आतंकी हमले करने की क्षमता कम होगी। तीन हफ्ते पहले आईएसआईएस के तीन आतंकियों को मारा था यूएस अफ्रीका कमांड ने लगभग तीन हफ्ते पहले, सोमालिया में धरदार के पास एक दूरदराज के इलाके में किए गए हवाई हमले में तीन आईएसआईएस आतंकवादियों के मारे

जाने का अनुमान लगाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से मार्च तक, सेंटकॉम और उसके सहयोगियों ने सीरिया में सात आईएसआईएस गुर्गों को मार डाला और 27 अन्य को हिरासत में लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी समय के दौरान इराक में 11 आतंकवादी मारे गए और 36 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले अप्रैल में कमांडर जनरल एरिक कुरिला ने कहा कि हम आईएसआईएस के पूरी तरह खात्मा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आईएसआईएस क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए खतरा है। कुरिला ने आगे कहा कि इराक और सीरिया के बाहर हिरासत में लिए गए आईएसआईएस सदस्यों को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

अब एयर न्यूजीलैंड के विमान में खतरनाक टर्बुलेंस छत से टकराई केबिन क्रू, यात्री पर गिरी गर्म कॉफी

वेलिंगटन ।
एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को खतरनाक टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस टर्बुलेंस के कारण चालक दल के सदस्यों समेत कई यात्रियों का सिर विमान की छत से टकरा गया। यह घटना 16 जून की है, जब एयरबस ए320 वेलिंगटन से क्रीसटाउन के लिए उड़ान भर रहा था। इस हादसे के बाद यात्रियों ने अपना अनुभव साझा किया।

सूजे नाम की एक यात्री ने कहा, उड़ान 15 मिनट तक हवा में थी, जब ड्रिंग कार्ट नीचे की तरफ गिरने लगा। जब कार्ट रुका तो विमान में एक तेज झटका लगा। इस दौरान चालक दल का एक सदस्य हवा में उड़ा और उसका सिर छत से टकरा गया। टर्बुलेंस के कारण एक यात्री पर गर्म कॉफी गिर गई।

महिला यात्री ने कहा, इसमें आप कुछ भी नहीं कर सकते हैं। आप बंधे हुए हैं। टर्बुलेंस आगे भी होगा। आपको गर्म कॉफी से जलने के बाद खुद निपटना होगा। मैं एक ठंडे बोतल को पकड़ने में कामयाब रही और उसे अपने ऊपर डालने लगी। मैंने जमीन पर गिरी चालक दल के सदस्य से बात करने की कोशिश की। मैंने उनसे पूछा कि क्या मैं और भी बोतल का इस्तेमाल कर सकती हूं, क्योंकि मैं इस समय यही कर सकती थी। उन्होंने मुझे इसकी इजाजत दे दी। महिला के पास एक पैरामेडिक बैठा था, जिसने उसकी मदद की। स्थानीय मीडिया ने बताया कि दोनों को विमान से उतार लिया गया है और इलाज के लिए पास के लेक डिस्ट्रिक्ट अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद यात्री ने कहा कि वह चाहती है कि एयर न्यूजीलैंड छोटी उड़ानों में गर्म पेय परोसने पर पुनर्विचार करे और अपने कॉफी पॉट पर ढक्कन में सुधार करे। एयर न्यूजीलैंड के मुख्य परिचालन अखंडता और सुरक्षा अधिकारी कैप्टन डेविड मॉर्गन ने कहाकंपनी अपनी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अपनी परिचालन प्रक्रियाओं की समीक्षा कर रही है।

कैप्टन डेविड मॉर्गन ने आगे कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा ही हमारी पहली प्रथमिकता है। हमारे दल को इन परिस्थियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किया गया है। हम अपने ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विनियमन और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम अभ्यास दोनों के अनुरूप अपनी परिचालन प्रक्रियाओं की हमेशा समीक्षा करते रहते हैं।

लगातार तीसरे महीने अंधेरे में डूबा इक्काडोर, ट्रांसमिशन लाइन खराब होने से देश की बिजली गुल

क्यूटो ।
एक करोड़ से अधिक आबादी वाला इक्काडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। बुनियादी ढांचे की विफलता, रखरखाव की कमी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता इन सभी ने पूरे देश में बिजली नहीं रहने में योगदान दिया है।

पूरी दुनिया बदलती जलवायु के कारण अजीबोगरीब मौसम की मार झेल रही है। ऐसे में कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बारिश का मौसम बना हुआ है। गर्मी के कारण कई देशों में बिजली की मांग बढ़ गई। इन सबके बीच, इक्काडोर में हाहाकार मच गया। दरअसल, पूरे देश में अचानक से बिजली चली गई। इससे सब लोग परेशान हो गए। वहीं सार्वजनिक अवसंरचना मंत्री रॉबर्टो ल्यूक ने बिजली जाने के पीछे का कारण ट्रासमिशन लाइन में खराबी आना बताया।

बिजली क्यों चली गई

रॉबर्टो ल्यूक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मुझे राष्ट्रीय बिजली ऑपरेटर सीईएनओसीई एक रिपोर्ट मिली है, इसमें बताया गया है कि बिजली क्यों चली गई। दरअसल, ट्रांसमिशन लाइन में खराबी के कारण कैस्केड डिस्कनेक्शन हुआ। इसलिए पूरे देश में कहीं भी बिजली नहीं थी। मंत्री ने आगे कहा कि अधिकारी बिजली को वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहे थे। कुछ ही घंटों में इक्काडोर की राजधानी क्विटो के कुछ हिस्सों में बिजली लौटना शुरू हो गई थी।

इक्काडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1.8 करोड़ आबादी वाला इक्काडोर कई सालों से ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। बुनियादी ढांचे की विफलता, रखरखाव की कमी और आयातित ऊर्जा पर निर्भरता, इन सभी ने पूरे देश में बिजली नहीं रहने में योगदान दिया है। वहीं, चीन द्वारा निर्मित 2.25 अरब डॉलर की लागत वाला कोका कोडो सिंक्लेयर बांध नामक पनबिजली संयंत्र इक्काडोर की समस्या को हल करने में मदद करने वाला था। हालांकि, यह परियोजना इक्काडोर के अधिकारियों के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई है। निर्माण में कई त्रुटियां हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप इक्काडोर के अधिकारियों और चीनी कंपनी के बीच कानूनी विवाद हुआ है।

इक्काडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब

इक्काडोर के अधिकांश हिस्से में बिजली गायब थी। शाम को क्विटो और गुआयाकिल की सड़कों पर कारों के हॉर्न और ड्राइवरों के चिल्लाने की आवाजें गूंजने लगीं। इसका कारण यह था कि बिजली जाने के कारण ट्रैफिक लाइटों ने काम करना बंद कर दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों और कुछ जल आपूर्ति कंपनियों ने दोनों प्रमुख शहरों में अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

इससे पहले भी बन चुकी है ब्लैकआउट की स्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल की शुरुआत में इक्काडोर में ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिसके बारे में ऊर्जा मंत्रालय ने कहा था कि इसका कारण लंबे समय तक सूखे के बाद ऐतिहासिक रूप से कम जल प्रवाह, बढ़ते तापमान और देश की विद्युत प्रणाली के रखरखाव की कमी है। मई की शुरुआत में भी ब्लैकआउट हुआ था, जो बाद में सही हो गया था। ल्यूक, जो कार्यवाहक ऊर्जा मंत्री भी हैं, ने सात जून को कहा कि बिजली कटौती का जोखिम कम हो गया है। हालांकि, 16 जून को क्विटो के कुछ हिस्सों में फिर से बिजली कटौती हुई। तीन दिन बाद, पूरे देश में बिजली कटौती हुई।

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामला

ईडी ने श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक को किया गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार देर रात को कार्रवाई करते हुए जल जीवन मिशन (जेजेएम) में भ्रष्टाचार मामले में श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के मालिक महेश मित्तल को गिरफ्तार कर रात को ही ईडी कोर्ट के जज सुनील रणवाह के गांधी नगर स्थित आवास पर पेश किया गया। यहां से महेश मित्तल को पांच दिन के रिमांड पर भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार मित्तल भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रडार पर काफी समय से था। लेकिन बार-बार फरार हो रहा था। दोनों ही एजेंसियों ने मित्तल को दस से अधिक समन भेजे थे। मित्तल ने इस का कोई जवाब नहीं दिया था। इसके बाद ईडी के अधिकारियों ने महेश मित्तल को बुधवार देर रात को गिरफ्तार कर जज सुनील रणवाह के गांधी नगर स्थित आवास पर हुई सुनवाई में ईडी के वकील हर्षवर्धन सिंह ने मित्तल के अपराध की गंभीरता के बारे में बताया। वहीं आरोपी के वकील गौरव जैन ने उसकी बीमारी का उल्लेख करते हुए उसे इलाज और दवा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उम्मीद है कि महेश मित्तल से होने वाली पूछताछ में ईडी के अधिकारियों को जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार मामले में नई जानकारियां मिलेगी। गौरतलब है कि राजस्थान पीएचईडी विभाग में अलवर के बहरोड में पोस्टेड एक्सईएन मायालाल सैनी, नीमराणा में पोस्टेड जेईएन प्रदीप के साथ रिश्वत देने वाले ठेकेदार पदमचंद जैन और कंपनी के सुपरवाइजर मलकेत सिंह को एसीबी टीम ने सात अगस्त को गिरफ्तार किया था। इनके साथ एक दलाल प्रवीण कुमार को भी पकड़ा गया था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इनके पास से 2.90 लाख रुपए कैश जब्त किया था। सभी बहरोड से जयपुर के होटल पोलो विक्ट्री पहुंचे हुए थे। घूस का पैसा लेकर जाने लगे तो पीछा कर चौमूं पुलिया के पास घेर कर पकड़ लिया। कार में बैठे बहरोड एईएन राकेश चौहान की भूमिका सामने आने के बाद उसे भी गिरफ्तार किया गया था। ठेकेदार पदमचंद जैन की फर्म श्याम ट्यूबवेल कंपनी है और महेश मित्तल की फर्म गणपति ट्यूबवेल है। पदमचंद जैन और महेश मित्तल आपस में जीजा-साला हैं। जल जीवन मिशन (जेजेएम) में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र व आय प्रमाण पत्र लगा कर दोनों कंपनियों पर जयपुर रीजन प्रथम व द्वितीय के इंजीनियरों से मिलीभगत कर 900 करोड़ के टेंडर लेने का आरोप है। सितंबर-2023 में एसीबी ने फर्जी प्रमाण पत्र बनाकर टेंडर हासिल करने के आरोप में श्याम ट्यूबवेल, गणपति ट्यूबवेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद ईडी मामले की जांच कर रहा है। ईडी ने इस मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कानून में कार्रवाई करते हुए कथित मास्टर माइंड माने जाने वाले मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल के संचालक पदमचंद जैन और उसके बेटे पीयूष जैन को गिरफ्तार किया था। जो जेल में बंद हैं।

कारगिल विजय के नायकों की याद में यात्रा

आर्टिलरी डी5 मोटरसाइकिल अभियान जयपुर पहुंचा

जयपुर (हिंस)। कारगिल विजय की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी डी5 मोटरसाइकिल अभियान दल द्वारका से द्रास तक पश्चिमी मार्ग से यात्रा करते हुए 20 जून को जयपुर पहुंचा। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि जयपुर मिलिट्री स्टेशन के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में कारगिल के दिग्गजों, वीर नारियों, वीर माताओं, एनसीसी के छात्रों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और रक्षा कर्मियों की मौजूदगी में टीम का स्वागत किया गया। स्वागत समारोह के दौरान, सप्त शक्ति कमान ने दिग्गजों, कारगिल वीर माताओं, वीरनारियों और युद्ध के दिग्गजों को उनके बलिदान और अटूट समर्थन को मान्यता देते हुए सम्मानित किया। डेल्टा 5 मोटरसाइकिल अभियान का उद्देश्य कारगिल युद्ध के दौरान गनर्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करना है। आर्टिलरी रेजिमेंट ने ऑपरेशन विजय की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और यह अभियान उनके महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करने और हमारे बहादुर सैनिकों की विरासत का सम्मान करने का काम करता है। आर्टिलरी की सटीकता, मारक क्षमता और रणनीतिक समर्थन ने भारतीय सेना के पक्ष में स्थिति को मोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत, एनसीसी कैडेट, स्थानीय जनता, नागरिक प्रशासन सहित कई शिक्षण संस्थानों के छात्र युद्ध नायकों के प्रति श्रद्धा और श्रद्धांजलि के प्रतीक के रूप में मोटरसाइकिल अभियान दल में शामिल हुए। अभियान को शनिवार 22 जून को जयपुर सैन्य स्टेशन से दिल्ली रवाना किया जाएगा और 10 जुलाई 2024 को कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास में इसका समापन होगा।

संविधान पार्क में कमियों के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन लोकार्पण स्थगित करने की मांग

जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में करीब दो करोड़ की लागत से बनवाए गए संविधान पार्क में रही कमियों के खिलाफ एबीवीपी ने गुरुवार को कुलपति कार्यालय में प्रदर्शन किया और इसका लोकार्पण स्थगित करने की मांग की। दरअसल युवाओं में संवैधानिक जागरुकता बढ़ाने के विजन से राजभवन के निर्देश से जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में करीब दो करोड़ की लागत से संविधान पार्क का निर्माण करवाया गया है। इसका लोकार्पण शुक्रवार को राज्यपाल व कुलाधिपति कलराज मिश्र के हाथों प्रस्तावित है। इधर इस संविधान पार्क में कई कमियां रही गई है। इन कमियों को लेकर एबीवीपी ने आज प्रदर्शन किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि स्तंभ पर मूल संविधान से संबंधित बड़ी खामियों के कारण संविधान का अपमान हो रहा है। इन खामियों पर विवि प्रशासन ने छह माह बाद भी कोई सुध नहीं ली है। उन्होंने बताया कि स्तंभ पर मूल अधिकारों को हिंदी में लिखने में भी त्रुटियां कर अर्थ का अनर्थ कर दिया। मूल अधिकारों की छह में से चौथे क्रम पर धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार के बजाय धार्मिक रवतंत्रता लिख दिया।

महिलाओं ने 50 सूर्य नमस्कार करके सबको किया मोटिवेट

हिसार (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को स्मृति वन पार्क में महिलाओं ने 50 सूर्य नमस्कार करके सबको मोटिवेट किया। लगभग 65 साल की एक गृहिणी ने भी सबके साथ मिलकर पूरे सूर्य नमस्कार किए। पांच महिलाओं को पुरस्कार के लिए चुना गया। हरियाणवी रिवाज समिति की अध्यक्ष व योग शिक्षिका कांता हुड्डा ने बताया कि पहले नंबर पर अनीता व मनीषा रही। अंजू व खुशी दूसरे व सुनीता तीसरे नंबर पर रही। इन सबको बुजुर्ग माताओं ने योगा मैट व केले देकर सम्मानित किया और योग के प्रति सभी को मोटिवेट किया गया। साथ ही हरियाणवी संस्कृति से रूबरू करवाया गया और बहुत ही मोटिवेशनल कविता, गाने व हरियाणवी गीत भी गाए गए। चुटकुले सुना कर दुलारी देवी ने सबको हंसा लोटपोट कर दिया। अलका गाट का कार्यक्रम की सफलता में विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर रमन, सुदेश, मनीषा,

रोशनी, सुनीता, बाला, परवीन खान, अंजु, खुशी, अलका, प्रोमिला, संतोष मोर, पूरा राठी परिवार, संतोष गिल, मोबली सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर घर-घर में होंगे गायत्री यज्ञ

जयपुर (हिंस)। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से ज्येष्ठ पूर्णिमा शनिवार को गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ अभियान के अंतर्गत हवन कराए जाएंगे। गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि 22 जून को सुबह साढ़े सात बजे हवन प्रारंभ हो जाएगा। नए परिवारों में हवन करवाने पर जोर रहेगा। यज्ञ के माध्यम से व्यक्ति निर्माण और परिवार निर्माण के सूत्र दिए जाएंगे। यज्ञ की पूर्णाहुति में पेड़ लगाने का संकल्प कराया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़, किरण पथ मानसरोवर स्थित वेदना निवारण केंद्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ भगवान को आहुतियां अर्पित करेंगे।

पुलिस ने अवैध हथियार व ड्रग रैकेट का किया भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार

अमृतसर : अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की सीमा पार तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने कहा कि अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की सीमा पार तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया और 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

भाजपा ने प्रवेश परीक्षाओं का बनाया मजाक : लाल बहादुर खोवाल

नीट घोटाले का समाधान हुआ नहीं, अब यूजीसी नेट पेपर रद्द से सिद्ध हुई भाजपा की नाकामी

हिसार (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने यूजीसी नेट परीक्षा रद्द होने पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। गुरुवार को यहां जारी बयान में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नाकामियों की लिस्ट लंबी होती जा रही है। अभी तो नीट परीक्षा परिणाम घोटाले का समाधान नहीं हुआ है और अब नेट परीक्षा को रद्द करके लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि देशभर के 317 शहरों में नौ लाख से अधिक युवाओं ने यह परीक्षा दी थी। परीक्षा के अगले ही दिन इसे रद्द कर दिया गया है। इस परीक्षा में भी गड़बड़ी व घोटाले की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा

केवल राजनीतिक रोटिया सेंकने में लगी है, उसे जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। लाखों परीक्षार्थियों ने महीनों तक तैयारी करने के बाद कई-कई किलोमीटर दूर स्थित परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर परीक्षा दी लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण इन लाखों युवाओं के सपने धूमिल हो रहे हैं। इसी भांति लाखों युवाओं ने मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश के लिए नीट की परीक्षा दी थी। उस परीक्षा में घोटाला सामने आने के बाद नीट के परिणाम पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खोवाल ने कहा कि दरअसल भाजपा सरकार निष्पक्ष परीक्षाएं करवाने में नाकाम साबित हुई है। इसी भांति नौकरी भर्ती व अन्य उपक्रमों में घोटाले उजागर हो रहे हैं।

कोटा में कार चालक ने दो युवतियों को कुचला, दोनों की मौत

कोटा (हिंस)। शहर में कोटा-बारां हाईवे पर मंगलवार सुबह 8 बजे एक कार की टक्कर से दो युवतियों की मौत हो गई। कार की गति इतनी तेज थी कि दोनो सहेलियां उसकी टक्कर से उछलकर 20 फीट दूर झाडियों में जाकर गिरी। हादसे में दोनो के पैर भी कट गए थे। सीमलिया थाने के एसएचओ दलपत सिंह ने बताया कि ज्योति प्रजापति (23) पुत्री बजरंग लाल और वर्षा नागर (22) पुत्री बृजगोपाल नागर सीमलिया गांव में पावर हाउस बस्ती में रहती थी। दोनो गढ़ेपान स्थित सीएफसीएल फैक्ट्री के ट्रेनिंग सेंटर में सिलाई सिखाने जाती थी। मंगलवार सुबह वे फैक्ट्री में जाने के लिए हाइवे किनारे पर लगी रेलिंग पर बैठकर बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान कोटा से तेज गति से आ रही इनोवा कार ने रैलिंग तोड़ते हुए दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल दोनो युवतियों को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शव मोर्चरी में रखे गए। दोनों युवतियों के माता-पिता जब अस्पताल पहुंचे तो बेटी का शव देख वे सुध खो बैठे। रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला। सीमलिया पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। एचएचओ दलपत सिंह ने बताया कि इनोवा कार खानपुर का ड्राइवर राजेश नागर चला रहा था।

मुख्यमंत्री निवास का घेराव 24 को

मुलाना। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कंप्यूटर शिक्षकों ने सेवा सुरक्षा और वेतन वृद्धि की मांग पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कंप्यूटर शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष बलराम धीमान ने कहा है कि वे मांगों के लिए 23 जून तक अपने हलके के विधायकों को ज्ञापन सौंपेंगे। हरियाणा मुख्यमंत्री से मीटिंग की गुहार लगाएंगे। अगर उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं करवाई जाती और मांगे नहीं मानी जाती तो प्रदेशभर के कंप्यूटर शिक्षक 24 जून 2024 को पंचकूला के सेक्टर-5 धरना स्थान पर सीएम आवास चंडीगढ़ का घेराव करेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 2000 कंप्यूटर शिक्षक प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वर्ष 2013 से कार्यरत हैं। उनका चयन सीडेक मोहाली (सरकारी नियुक्त एजेंसी) द्वारा ली गई लिखित परीक्षा और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा बनाई गई मेरिट सूची के आधार पर पारदर्शी तरीके से हुआ हैं। सभी कंप्यूटर शिक्षक बीटेक, एमटेक, एमएससी, एमसीए की योग्यता रखते हैं। 10 वर्षों की सेवा उपरांत भी उनका भविष्य सुरक्षित नहीं हैं। शिक्षा विभाग का अधिकतर कार्य ऑनलाइन हो गया हैं, वे स्कूलों में कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा देने के साथ साथ ऑनलाइन काम भी करते हैं। वह पिछले 10 वर्षों से अधिकारियों व मंत्रियों के चक्कर काट रहे हैं। इस दौरान कंप्यूटर शिक्षक अमर राणा, विनेश करनाल, विकास जींद, योगेश रेवा ?ी, दिनेश सोनीपत ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से उम्मीद हैं कि वे कंप्यूटर शिक्षक संगठन और विभागीय अधिकारियों की संयुक्त बैठक बुलाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

फर्जी कॉल सेंटर का भंड़ाफोड़, महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। विदेश में नौकरी लगवाने के नाम पर 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में साइबर थाना सेंट्रल ने गुरुवार को फर्जी कॉलसेंटर का भंडाफोड़ किया। इस अपराध में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 14 मोबाइल फोन व 11 सिम कार्ड बरामद तथा वारदात में प्रयोग 3 बैंक अकाउंट के डेबिट कार्ड, 1 लैपटॉप व कॉल ड्राइव तथा 15 हजार रुपए बरामद किए गए है। आरोपी साइन डॉट कॉम जॉब पोर्टल से लेते थे डाटा, लोगों को विदेश में स्थित बड़ी-बड़ी कंपनियों में नौकरी लगवाने का वायदा करते थे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में समरजीत, जय सिंह तथा हिना का नाम शामिल है। तीनों आरोपी दिल्ली के अलग-अलग एरिया के रहने वाले हैं। साइबर थाना में दिनांक 15 जून 2024 को अभियोग अंकित किया गया था जिसमें आरोपियों ने फरीदाबाद के रहने वाले एक व्यक्ति से संपर्क करके विदेश में नौकरी लगाने के नाम पर उसके साथ 50 हजार रुपए की साइबर ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। साइबर अपराधियों

द्वारा जॉब पोर्टल साइन डॉट कॉम से पीड़ित का रिज्यूम लेकर एक ईमेल भेजा जिसमें थाईलैंड में नौकरी दिलाने का वादा किया गया था। साइबर अपराधियों ने व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क करके व्यक्ति को थाईलैंड में स्थित द इंपीरियल होटल एंड रिजॉर्ट नामक कंपनी में सिलेक्शन होने की बात कही और इंटरव्यूज, रजिस्ट्रेशन चार्जेस, वीजा व अन्य फीस के नाम पर पीड़ित के साथ धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित को जब उसके साथ कोई धोखाधड़ी का पता चला तो उसने थाने में शिकायत थी जिसके आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश की गई जिसमें डीसीपी व एसीपी साइबर के मार्गदर्शन में साइबर पुलिस ने उक्त तीनों आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिल्ली में पंजाबी बाग में अपना एक फर्जी कॉल सेंटर चलाते थे। आरोपियों के कब्जे से 1 लैपटॉप, 1 कॉल ड्राइव, 14 मोबाइल फोन व 11 सिम कार्ड बरामद तथा वारदात में प्रयोग 3 बैंक अकाउंट के डेबिट कार्ड व 15 हजार रुपए बरामद किए गए। पुलिस द्वारा मामले में जांच जारी है और गहनता से जांच करके मामले में शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ की जाएगी। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेजा जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज, सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होगा राज्य स्तरीय समारोह

जयपुर (हिंस)। *स्वयं एवं समाज के लिए योग* थीम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुक्रवार, 21 जून को दसवीं बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। राजधानी समेत प्रदेश के सभी शहरों- गांवों में योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य समारोह जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होगा। राजस्थान में आयुर्वेद विभाग के तत्वावधान में सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में होने वाले योगाभ्यास के मुख्य कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को आयुर्वेद विभाग की विभिन्न टीमों द्वारा अंतिम रूप दिया गया। उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा द्वारा गुरुवार को तैयारियों का अवलोकन किया गया। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुमन पंवार, आयुर्वेद विभाग की शासन सचिव पूनम, संयुक्त शासन सचिव कैलाश चन्द यादव ने तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निदेशक डॉ. आनन्द कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल एवं विधानसभा सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, पार्षद, प्रशासनिक अधिकारियों, मीडियाकर्मियों, विभिन्न स्वयंसेवी योग संस्थानों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

शिरोमणि अकाली दल ने किया उम्मीदवार का एलान

जालंधर : शिरोमणि अकाली दल ने जालंधर वेस्ट विधानसभा उप चुनाव को लेकर अपने उम्मीदवार का एलान कर दिया है। बताया जा रहा है कि अकाली दल ने वेस्ट विधानसभा क्षेत्र से 2 बार पार्षद रहीं बीबी सुरजीत कौर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर, जिला ग्रामीण अध्यक्ष जत्थेदार गुरप्रताप सिंह वडाला, पूर्व सांसद महिंदर सिंह केपी और बंगा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक डॉ. सुखविंदर सिंह सुखी शामिल थे। उन्होंने बताया कि टकसाली अकाली नेता व पूर्व कौंसलर जत्थेदार प्रीतम सिंह की धर्मपत्नी बीबी सुरजीत कौर को जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

भगवान जगन्नाथ का जल यात्रा महोत्सव कल से

जोधपुर (हिंस)। ओडिशा के जगन्नाथ पुरी धाम से करीब 350 वर्ष पहले भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की मूर्तिया लाकर जोधपुर में स्थापित की गई थी। भीतरी शहर में सुनारों की घाटी स्थित करीब 350 साल से भी पुराने जगदीश मंदिर में ज्येष्ठ पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ का जल यात्रा महोत्सव मनाया जाता है। इसी परम्परा को कायम रखते हुए इस बार भी ज्येष्ठ पूर्णिमा शनिवार को भगवान जगन्नाथ की जल यात्रा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। पुजारी विरेन्द्र शर्मा और नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की मूर्तियां को निज मंदिर के गर्भ गृह से बाहर लाया जाएगा।

इस अवसर पर भक्तों को भगवान के चरण स्पर्श करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। उसके बाद भगवान जगन्नाथ का 108 कलश से शाही स्नान व श्रंगार के बाद विशेष आरती की जाएगी। दोपहर एक बजे भगवान का विशेष गणेश स्वरूप श्रंगार और विशेष आरती की जाएगी। इस अवसर पर मंदिर परिसर को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया जाएगा। सात जुलाई को विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा धूमधाम से निकाली जाएगी। रथ यात्रा का आयोजन मंदिर प्रांगण से 7 जुलाई को सुबह 8 बजे शुरू होकर मुख्य बजार होते हुए घंटाघर तक व घंटाघर से वापस मुख्य बाजार होते हुए मंदिर प्रांगण में आकर भगवान अपने सिंहासन पर विराजमान होंगे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अत्यधिक स्नान के कारण भगवान जगन्नाथ और दोनों भाई-बहन बीमार पड़ जाते हैं। इस कारण उनको एकांतवास में रखा जाता है, राजवैद्य उनका इलाज करते हैं। करीब 15 दिनों तक आराम करने के बाद भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन का अंतिम श्रंगार के रूप में नेत्रदान संपन्न होगा।

चाय उत्पादन में आ सकती है कमी, जून तक 60 मिलियन किलोग्राम की कमी आने का है अनुमान

नई दिल्ली।

एक चाय निकाय ने अनुमान जताया है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति न होने की वजह से उत्तर भारतीय चाय उद्योग को चालू फसल वर्ष के जून तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 60 मिलियन किलोग्राम उत्पादन की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

चाय इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि पहली और दूसरी फ्लश फसल खराब हो गई है। ऐसे में इस साल उच्चतम गुणवत्ता वाली चाय का उत्पादन में कमी आ सकती है। चाय के उत्पादन में कमी आने की वजह से चाय की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है।

उत्तर भारतीय चाय उद्योग में सम और पश्चिम बंगाल राज्य शामिल है। इस राज्य में बारिश नहीं हो रही है। भीषण गर्मी की वजह से चाय का प्रोडक्शन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

इस साल कम हो सकता है चाय का उत्पादन

टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संदीप सिंघानिया का अनुमान है कि पिछले साल के उत्पादन की तुलना में जून तक संयुक्त फसल नुकसान 60 मिलियन किलोग्राम होने का अनुमान है।

इसके आगे सिंघानिया ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सामान्य से 15-66 प्रतिशत अधिक बारिश हुई, जबकि असम में महीने के औसत की तुलना में 3-20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अत्यधिक बारिश के साथ-साथ दिन के दौरान व्यावहारिक रूप से कोई धूप नहीं होने के कारण दोनों राज्यों में फसल उत्पादन में बाधा आई है।

भारतीय चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में अप्रैल 2024 तक असम में उत्पादन में लगभग 8 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य वस्तुओं पर घरेलू खर्च घटा, प्रसंस्कृत भोजन की खपत बढ़ी; एनएसएसओ के सर्वे में चौकाने वाले दावे

नई दिल्ली । राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) ने घरेलू उपभोग व्यय पर सर्वेक्षण किया है। इसके अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा खर्च करने के पैटर्न में एक महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खाने-पीने पर खर्च में काफी गिरावट आई है। सर्वेक्षण की खास बातें 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग खर्च (एमपीसीई) में खाद्य पदार्थों का योगदान ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के दौरान यह 53 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में एमपीसीई में खाद्य पदार्थों का योगदान घटकर 39 प्रतिशत हो गया है। 2011-12 के यह 43 प्रतिशत था। इसी तरह, 2022-23 में एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़कर 54 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 47 प्रतिशत था। उधर शहरी क्षेत्रों में भी एमपीसीई में गैर-खाद्य वस्तुओं की खपत बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है। 2011-12 के दौरान यह 57 प्रतिशत थी। अंडे, मछली और प्रसंस्कृत भोजन की खपत बढ़ी 2011-12 से 2022-23 तक ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दूध, दूध उत्पाद, फल, अंडे, मछली और मांस, पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत भोजन , परिवहन और टिकाऊ वस्तुओं की खपत में वृद्धि हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक उपभोग खर्च 164 फीसदी बढ़ा एनएसएसओ के सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 2022-23 में एमपीसीई 3773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6459 रुपये हो गया है।

जगुआर लैंड रोवर 1.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स की लक्जरी वाहन कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वित्त वर्ष 2028 तक करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये लगाने की योजना बनाई है। इसका बड़ा हिस्सा नए उत्पाद बनाने में खर्च होगा। ब्रिटेन की यह कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक 10 फीसदी एबिटा प्राप्त करना चाहती है। अप्रैल 2023 में जेएलआर ने वित्त वर्ष 2028 तक के पांच साल में 15 अरब पाउंड निवेश की योजना बनाई थी। कंपनी ने 2030 तक खुद को इलेक्ट्रिक फर्स्ट लक्जरी कंपनी को प्राथमिकता देने वाली कंपनी बनाने की घोषणा भी की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 अरब पाउंड निवेश किया और वित्त वर्ष 2025 के लिए 3.5 अरब पाउंड के निवेश का लक्ष्य रखा था। कंपनी द्वारा साझा की गई इन्वेस्टर डे 2024 की प्रस्तुति में कहा गया कि जेएलआर की नजर वित्त वर्ष 2025 में 8.5 फीसदी से अधिक एबिटा मार्जिन हासिल करने पर है। कंपनी वित्त वर्ष 2026 तक उसे बढ़ाकर 10 फीसदी करना चाहती है। जेएलआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पिछले साल कहा था कि कंपनी अपनी रीइमेजिन रणनीति के तहत 2030 तक इलेक्ट्रिक-फर्स्ट आधुनिक लक्जरी कार विनिर्माता के रूप में पहचान बनाएगी।

धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 117 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5 से 12.7 फीसदी तक बढ़ा दिया है। धान का एमएसपी 5.4 फीसदी बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। धान के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी सरकार के पास अधिशेष चावल भंडार होने के बावजूद हुई है। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली जैसे राज्यों में चुनावों से पहले यह महत्त्वपूर्ण पहल है। एमएसपी वृद्धि की घोषणा करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल ने कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों के आधार पर 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को मंजूरी दी है।

भीषण गर्मी से तीन माह में ही एसी उद्योग में 50 प्रतिशत वृद्धि; हवाई मार्ग से मंगाने पड़ रहे पुर्जे

नई दिल्ली ।

देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। मांग में आई तेजी को पूरा करने के लिए एसी निर्माता कंपनियों को कम्प्रेसर, क्रॉस फ्लो पंखे/मोटर और पीसीबी सर्किट जैसे कलपुर्जे विदेश से हवाई मार्ग से मंगाने पड़ रहे हैं।

डाइकिन एयरकंडिशनिंग इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कंवलजीत जावा ने कहा, भीषण गर्मी के कारण पिछले तीन महीनों में घरेलू एसी उद्योग में करीब 50 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। यह उम्मीद से कहीं अधिक है। यह उद्योग के लिए निश्चित रूप से बहुत ही उत्साहपूर्ण स्थिति है। हालांकि, एसी की बढ़ी मांग की तुलना में कंपनियों को कलपुर्जों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। जावा ने कहा, इस कमी को पूरा करने के साथ अपनी उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को बरकरार रखने के लिए एसी निर्माता कंपनियों को चीन, ताइवान, थाईलैंड, जापान और मलयेशिया जैसे देशों के वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से कलपुर्जों को आपातकालीन स्थिति में हवाई मार्ग से मंगाना पड़ रहा है।पारंपरिक समुद्री मार्ग से माल ढुलाई में आमतौर पर अधिक समय लगता है। कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं एप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीईएएमए) का अनुमान है कि भीषण गर्मी के कारण इस साल एसी की बिक्री 1.4 करोड़ इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। संगठन के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने अब शहरी क्षेत्रों में

घरेलू एसी को अनिवार्य जरूरत बना दिया है। भारतीय रिहायशी एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़कर करीब एक से 1.11 करोड़ इकाई तक पहुंचने की उम्मीद है।

पांच फीसदी तक बढ़े दाम

मजबूत मांग के बीच तांबे व एल्युमीनियम जैसी धातुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कुछ कंपनियों ने एसी के दाम चार-पांच फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। गोदरेज अप्लायंसेस बिजनेस के प्रमुख एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा, तांबे और एल्युमीनियम की कीमतों में 20 फीसदी की तेजी आई है।

सिर्फ तीन महीने में ही बिक गएएक साल जितने एसी

ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कहा, उद्योग 25-30 फीसदी तक की वृद्धि के लिए तैयार है। किसी ने भी मांग में 70-80 फीसदी वृद्धि की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा, जितना एसी एक साल में बिकता है, इस सीजन में उतनी बिक्री तीन महीने में ही हो गई। एसी की बिक्री में मार्च में 40 फीसदी, अप्रैल में 80 फीसदी और मई में 70 फीसदी की वृद्धि रही। जून में इसमें और 70 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। इस वृद्धि को देखते हुए कंपनियां अधिक-से-अधिक उत्पादन की कोशिश कर रही हैं और कलपुर्जों का हवाई मार्ग से आयात कर रही हैं।

इंस्टॉलेशन में अधिक समय

एसी कंपनियों ने कहा, उद्योग के पास ऐसे कलपुर्जों का पर्याप्त भंडार नहीं है क्योंकि भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एक पारिस्थितिकी तंत्र अब भी बनने की प्रक्रिया में है। इसका असर एसी उत्पादन पर पड़ रहा है। मांग के अनुरूप स्टॉक नहीं होने के कारण कई स्थानों पर एसी इंस्टॉलेशन में एक सप्ताह या उससे अधिक समय लग रहा है।

सोना 80 रुपये मजबूत हुआ चांदी 100 रुपये मजबूत हुई

नई दिल्ली । एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के रुख के बीच स्थानीय बाजार में सोने की कीमत 80 रुपये की तेजी के साथ 72,430 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। सोना 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 100 रुपए चढ़कर 91,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 80 रुपये की तेजी के साथ 72,430 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है। विदेशी बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव आठ डॉलर की तेजी के साथ 2,327 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। गांधी ने कहा कि अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहने के बाद सोने में थोड़ा सकारात्मक कारोबार हुआ, जिससे बुलियन की कीमतें बढ़ीं। इसके अलावा वैश्विक बाजार में चांदी तेजी के साथ 29.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। पिछले सत्र में यह 29.35 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ बंद हुई थी। एलकेपी सिक्योरिटीज में कमोडिटी एंड करेंसी के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतीन त्रिवेदी ने कहा, ... दरों में कटौती पर यूएस फेड का रुख आक्रामक बना हुआ है, अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और खुदरा बिक्री के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि ब्याज दरों में कटौती में देरी हो सकती है, विशेष रूप से 2024 की दूसरी छमाही में होने वाले अमेरिकी चुनावों को देखते हुए भी ऐसा ही लगता है।

अदाणी समूह के चार बंदरगाह विश्व बैंक के वैश्विक कंटेनर पोर्ट प्रदर्शन सूचकांक में शामिल

अहमदाबाद।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एपीएसईज़ेड) ने कहा कि उसके चार बंदरगाहों को विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के प्रतिष्ठित कंटेनर पोर्ट प्रदर्शन (सीपीपी) सूचकांक 2023 में शामिल किया गया है।शीर्ष 100 बंदरगाहों में मुंद्रा बंदरगाह को 27वां, कट्टुपल्ली को 57वां, हजीरा को 68वां और कृष्णपट्टनम को 71वां स्थान मिला है। एपीएसईजेड के सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक अश्विनी गुप्ता ने कहा, यह वैश्विक कंटेनर बंदरगाह उद्योग में एक प्रमुख कंपनी के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि करता है। यह उपलब्धि हमारी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ ग्राहकों को असाधारण सेवा देने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वैश्विक सूचकांक की काफी मान्यता है, जो उत्पादकता, दक्षता और विश्वसनीयता जैसे मापदंडों पर बंदरगाहों के प्रदर्शन का आकलन करता है। यह व्यापार, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला सेवाओं के राष्ट्रीय सरकारों, बंदरगाह प्राधिकरणों, विकास एजेंसियों, सुपर-राष्ट्रीय संगठनों और निजी ऑपरेटरों सहित प्रमुख हितधारकों के लिए एक संदर्भ बिंदु के रूप में कार्य करता है। भारत के नौ बंदरगाहों ने शीर्ष 100 की सूची में जगह बनाई है। इनमें अदाणी समूह के चार बंदरगाह शामिल हैं। यह परिचालन दक्षता और विश्व स्तरीय सेवा मानकों के लिए एपीएसईजेड की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। पिछले हफ्ते, अदाणी पोर्ट्स को सीडीपी (पूर्व में कार्बन डिस्क्लोजर प्रोजेक्ट) द्वारा जलवायु परिवर्तन से निपटने और एक मजबूत जुड़ाव कार्यक्रम के माध्यम से अपनी आपूर्ति श्रृंखला में सर्वोत्तम पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) प्रथाओं को लागू करने के अपने असाधारण प्रयासों के लिए मान्यता दी गई थी।

10 लाख नौकरी मिलने की उम्मीद, उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति में 55-60 फीसदी का अंतर

नई दिल्ली ।

हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में कुछ वर्षों में लगभग 10 लाख नौकरियां बढ़ने की उम्मीद है। कोरोना के बाद उबरे इस क्षेत्र को प्रतिभाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। रैंडस्टैड इंडिया के निदेशक संजय शेट्टी ने कहा, उद्योग में प्रतिभा की मांग और आपूर्ति का अंतर 55-60 फीसदी है।

शेट्टी ने कहा, महामारी के बाद नौकरियों में उछाल के कारण प्रतिभा की मांग में कमी देखने को मिली है। यह रफ्तार अगले कुछ वर्षों तक जारी रह सकती है। इस वजह से कम से कम 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, कुछ कंपनियां मौजूदा प्रतिभा को निखार रही हैं। मांग को पूरा करने के लिए अन्य उद्योगों से भर्ती भी कर रही हैं। इस वजह से अन्य क्षेत्रों ने प्रतिस्पर्धी वेतन, लाभ और करियर विकास की पेशकश कर प्रतिभाओं को आकर्षित करने के प्रयास तेज किए हैं। 2023 में 1.11 करोड़ लोगों को मिला रोजगार टीमलीज डिग्री अप्रेंटिसशिप के उपाध्यक्ष धृति प्रसन्ना महंत ने

कहा, अनुमान है कि 2023 के दौरान पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग ने लगभग 1.11 करोड़ लोगों को रोजगार दिया है। उद्योग में 2024 तक 1.18 करोड़ लोगों की जरूरत हो सकती है। यह मांग 2028 तक 16.5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि के साथ बढ़कर 1.48 करोड़ पहुंच सकती है।

सीजीसीए ने उडान स्कीम के तहत सीप्लेन परिचालन के नियमों को किया आसान, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

नई दिल्ली।

विमानन नियामक सीजीसीए ने कहा कि उसने सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उडान के तहत सीप्लेन संचालन से संबंधित मानदंडों को आसान बनाया है। नागरिक विमानन महानिदेशालय ने एक बयान में कहा कि अपडेटेड नॉर्म्स बुनियादी ढांचे की प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण आवश्यकताओं और विनियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करेंगे। इससे दूरदराज के क्षेत्रों तक सीप्लेन सेवाओं के पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होगा। नए नियमों में क्या बदला संशोधित नियमों में सीप्लेन संचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताओं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाओं को शामिल किया जाएगा।

कहा गया है कि डीजीसीए कार्य समूह द्वारा उक्त विनियामक ढांचे के युक्तिकरण और संशोधन की सिफारिश के अनुसार संशोधित नियम लागू किए गए हैं। अपडेटेडेट नॉर्म्स के तहत, कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब वैश्विक स्तर पर किसी भी

आईसीएओ-मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेन-रेटेड पायलट के रूप में क्वालिफिकेशन प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार की बढ़ेगी संभावना इसके अतिरिक्त, सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में सीप्लेन हब में रोजगार की संभावना बढ़ेगी। नियामक ने कहा कि 2008 में शुरू में स्थापित, सीप्लेन संचालन के लिए विनियामक ढांचे की समीक्षा लंबे समय से लंबित थी, सभी हितधारकों के साथ सहयोगात्मक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि नए नियम उनकी प्रमुख चिंताओं को संबोधित करते हैं।

पीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट के बड़े फैसले; वैष्णव ने बताया- 14 खरीफ फसलों की एमएसपी को मंजूरी

नई दिल्ली।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने खरीफ फसल सीजन 2024-25 के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 117 रुपये बढ़ाकर 2,300 रुपये प्रति क्विंटल करने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने तीसरे कार्यकाल की दूसरी कैबिनेट मीटिंग बुलाई।

मीटिंग में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। कैबिनेट के फैसलों के बारे में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास समेत खरीफ की 14 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कैबिनेट में किसान कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। खरीफ फसल के लिए 14 फसलों पर कैबिनेट ने एमएसपी को मंजूरी दी है। धान का नया एमएसपी 2,300 रुपये किया गया है, जो पिछले एमएसपी से 117 रुपए अधिक है।

खरीफ की फसलों के नए एमएसपी पर अश्विनी वैष्णव ने बताया फैसले से किसानों को एमएसपी के तौर पर करीब दो लाख करोड़ रुपये मिलेंगे। यह पिछले सीजन से 35000 करोड़ रुपये अधिक है।

केंद्रीय कैबिनेट के अहम फैसले ये रहे

कपास का एमएसपी 501 रुपये बढ़ा कैबिनेट ने 2024-25 खरीफ फसल सीजन के लिए धान के एमएसपी में 117 रुपये से 2,300 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि को मंजूरी दी।

हमारी वित्तीय प्रणाली कोविड संकट से पहले की तुलना में मजबूत स्थिति में, बोले शक्तिकांत दास

नई दिल्ली । मजबूत पूंजी पर्याप्तता, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों का निम्न स्तर और स्वस्थ लाभप्रदता देश के बैंकिंग और गैर-बैंकिंग उधारदाताओं की पहचान बन चुकी है। ये बातें केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कही है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की घरेलू वित्तीय प्रणाली अब कोविड संकट पहले की तुलना में बहुत मजबूत स्थिति में है। आरबीआई गवर्नर दास ने मुंबई में वित्तीय प्रणाली को लचीला, भविष्य के लिए तैयार और संकट से निपटने में सक्षम बनाए रखने से जुड़े एक सत्र के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। दास ने कहा, मैं बैंकों और अन्य वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं को 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। आत्मसंतोष के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है क्योंकि दुनिया बदल रही है, चुनौतियां आ रही हैं, जटिलताएं बढ़ रही हैं, और समस्याएं देश के भीतर वित्तीय प्रणाली के किसी भी कोने से उत्पन्न हो सकती हैं, या दुनिया कुछ ऐसी चीज के कारण जो आपके और मेरे लिए पूरी तरह से अनजान हो सकती है। लेकिन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

जल्द आ रहा है द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन

-आमिर खान, रणबीर कपूर जैसे सेलिब्रिटी हुए शो में शामिल

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स जल्द लेकर आ रहा है। शो का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स की ब्लॉकबस्टर पारिवारिक मनोरंजन, अनूठी और गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदान करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो अपने सदस्यों के साथ मेल खाती है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मौजूदा सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, अभिनेता रणबीर कपूर और उनका परिवार, क्रिकेट हीरो रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर सहित कई तरह के मेहमान शामिल हुए थे। सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा और राजीव ठाकुर सप्ताह दर सप्ताह शानदार प्रदर्शन देंगे, कपिल शर्मा एक के बाद एक पंच मार रहे हैं, और अर्चना पूरन सिंह अपनी प्रिय कुर्सी (कुर्सी) का निर्देशन कर रही हैं, इस सीरीज ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। एक असाधारण हिट. नेटफ्लिक्स सर्वोत्तम और सबसे विविध कॉमेडी शैली की सामग्री लाने के लिए प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। तान्या बामी, सीरीज हेड, नेटफ्लिक्स इंडिया, कहती हैं, अभूतपूर्व पहले सीजन के बाद, हम सीजन 2 के लिए कपिल और गैंग का नेटफ्लिक्स में वापस स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। अपने सप्ताहांत मनोरंजन के लिए नेटफ्लिक्स को चुनने वाले परिवारों की प्रवृत्ति, और द ग्रेट इंडियन कपिल शो कई लोगों के लिए एक आनंददायक परंपरा बन गई है। अपने हास्य के माध्यम से दर्शकों से जुड़ने की कपिल की क्षमता उल्लेखनीय है, जो उन्हें भारतीय मनोरंजन में एक प्रतिष्ठित हास्य अभिनेता बनाती है। अभी पिछले सीजन की तरह, हम दुनिया भर के दर्शकों को पहले जैसी हंसी का अनुभव कराकर खुश हैं। खुशी से लबरेज कपिल शर्मा ने कहा, द ग्रेट इंडियन कपिल शो का यह पहला सीजन शानदार रहा है। कई चीजें पहली बार हुई हैं और हम उन्हें संजोकर रखेंगे। हम दुनिया भर से मिल रहे प्यार के लिए आभारी हैं। ग्रेट इंडियन कपिल शो के लिए नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग करना एक संतुष्टिदायक अनुभव रहा है और इस नोट पर, हम वादा करते हैं कि हम अपने दर्शकों को अगले सीजन के लिए बहुत लंबे समय तक इंतजार नहीं कराएंगे।

दूसरे वीकेंड में भी मुंज्या ने की जबरदस्त कमाई

-मुंज्या ने कमाए 50 करोड़ के पार

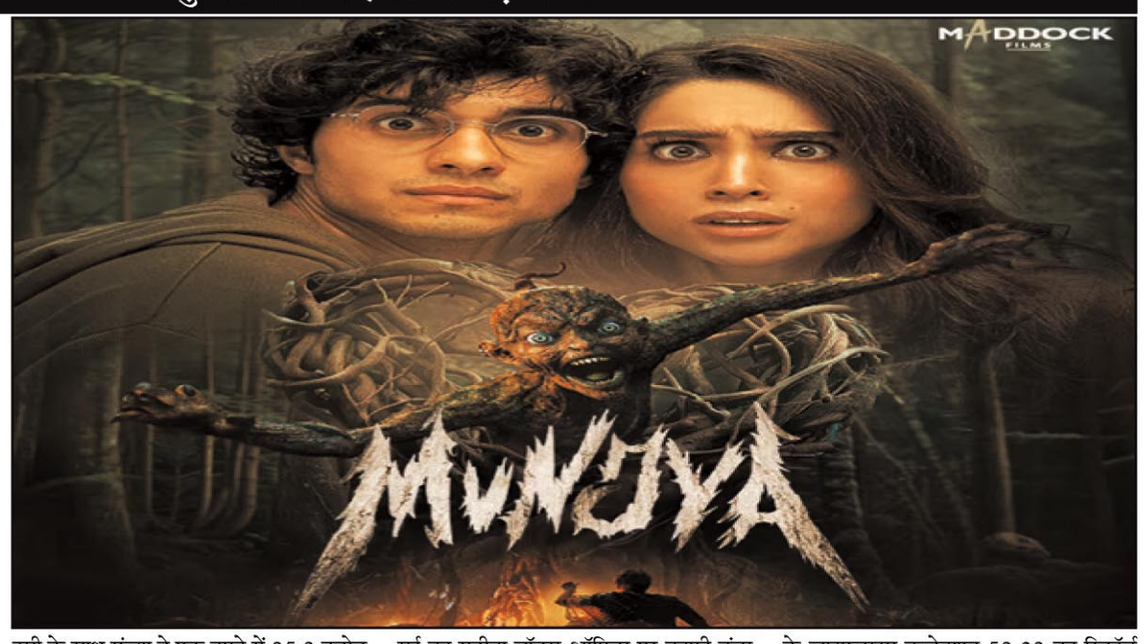

मुंबई (ईएमएस)। पहले हफ्ते में गर्दा उड़ान के बाद मुंज्या ने दूसरे वीकेंड पर भी जबरदस्त कमाई कर ली है। मुंज्या अपने टीजर से लेकर ट्रेलर और वीएफएक्स तक हर चीज के लिए सुर्खियां बटोर रही है। ये फिल्म रिलीज के पहले दिन से छाई हुई है और दमदार कमाई कर रही है। शरवरी वाघ की लेटेस्ट रिलीज मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है। इस हॉरर कॉमेडी का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है और इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में ऑडियंस खींची चली आ रही है। दिलचस्प बात ये है कि कार्तिक आर्यन की लेटेस्ट रिलीज चंदू चैंपियन के आगे भी मुंज्या शानदार कलेक्शन कर रही है। बिना बड़े बजट और बड़ी स्टार पावर वाली इस फिल्म ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि कंटेंट अच्छा हो तो छोटे बजट वाली फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर सकती हैं। फिल्म के वीएफएक्स की हर जगह चर्चा हो रही है। फिल्म का वीएफएक्स प्राइम फोकस ग्रुप ने दिया है। मुंज्या फिलहाल रिलीज के दूसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है और इस फिल्म को देखने के लिए अब भी सिनेमाघरों में ऑडियंस की खूब भीड़ उमड रही है। फिल्म की कमाई की बात करें तो मुंज्या ने रिलीज के पहले दिन 4 करोड़, दूसरे दिन 7.25 करोड़, तीसरे दिन 8 करोड़, चौथे दिन 4 करोड़, पांचवें दिन 4.15 करोड़, छठे दिन 4 करोड़, और सातवें दिन 3.9 करोड़ का कलेक्शन किया। इसी के साथ मुंज्या ने एक हफ्ते में 35.3 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं रिलीज के दूसरे शुक्रवार फिल्म ने 3.5 करोड़ और दूसरे शनिवार 6.5 करोड़ की कमाई की। मुंज्या ने रिलीज के दूसरे रविवार यानी 10वें दिन 8.50 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ मुंज्या का 10 दिनों का कुल कलेक्शन अब 53.80 करोड़ रुपये हो गया है। अप्रैल और मई का महीना बॉक्स ऑफिस पर काफी ठंडा रहा था। इस दौरान तमाम बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थीं। वहीं जून के महीने में मुंज्या की रिलीज के साथ बॉक्स ऑफिस एक बार फिर गुलजार हो चुका है। इस फिल्म ने 10 दिनों में ही 53.80 करोड़ का कलेक्शन कर हैरान कर दिया है। इसी के साथ इस फिल्म ने अजय देवगन स्टारर मैदान के लाइफटाइम कलेक्शन 53.03 का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है। फिलहाल मुंज्या जिस रफ्तार से बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म कर रही है उसे देखतेहुए लग रहा है कि ये 100 करोड़ के कल्ब में शामिल होने वाली है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित मुंज्या में शरवरी वाघ ने बेला की भूमिका निभाई है, और अभय वर्मा ने बिट्टू की भूमिका निभाई है।

निखिल ने दलजीत के साथ किया है कुछ गलत : करिश्मा तन्ना

-दोस्त के सपोर्ट में उतरी करिश्मा

मुंबई (ईएमएस)। अपने पति निखिल पटेल के साथ चल रहे विवाद में टीवी एक्ट्रेस दलजीत की दोस्त करिश्मा तन्ना उनके सपोर्ट में उत्तरी हैं। करिश्मा ने निखिल पटेल पर काफी गुस्सा जाहिर किया है। जानकारी के अनुसार करिश्मा तन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर दलजीत कौर द्वारा लगाए गए धोखाधड़ी के आरोप को दोबारा पोस्ट किया और लिखा, जो कुछ भी हुआ वह नहीं होना चाहिए था!!!! मेरा पूरा सपोर्ट मेरी सबसे प्यारी दोस्त दलजीत कौर के साथ है। इस आदमी ने उसके साथ गलत किया है और मैं आखिर तक उसके साथ खड़ी रहूंगी। मजबूत महिलाएं बदला नहीं लेतीं, वे आगे बढ़ती हैं और कर्म को काम करने देती हैं। बता दें कि दलजीत कौर ने निखिल पटेल के साथ दूसरी बार शादी की थी। अगर बात उनकी शादी की करें तो बता दें कि निखिल ने अपनी शादी को लेकर ये तक कह दिया था कि उनकी शादी हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी और लीगली रजिस्टर्ड नहीं है। निखिल पटेल ने कुछ समय पहले दलजीत कौर को नोटिस भेजते हुए अपना सारा सामान केन्या से लेकर जाने के लिए भी कहा था। उन्होंने कहा था कि दलजीत अपना सारा सामान ले जाएं वरना वो दान कर देंगे। निखिल ने कहा कि, दुनिया के एक सामान्य नागरिक के रूप में, मुझे ये बात परेशान कर रही है कि भारत और विश्व स्तर पर ऑनलाइन सुरक्षा कानूनों में इतनी सारी कमियां हैं। अक्सर लोग इसी बात का फायदा उठाते हैं और फेम हासिल करने के लिए कुछ भी पोस्ट करते रहते हैं। लोगों की सहमति के बिना उनकी तस्वीरें और वीडियो फुटेज शेयर करना, खासकर बच्चों के, जो समाज में हमेशा एक कमजोर पक्ष होते हैं और जिन्हें हमेशा कानून की सुरक्षा की जरूरत होती है, लापरवाही का मामला है। बता दें कि दलजीत कौर ने पति निखिल पटेल पर उन्हें धोखा देने और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया है। वहीं निखिल पटेल ने इन तमाम आरोपों को गलत बताया है। निखिल ने ये तक कह दिया है कि उनकी और दलजीत की शादी हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी और लीगली रजिस्टर्ड नहीं है। इसके अलावा उन्होंने अपने और दलजीत के सेपरेशन की वजह कल्चर क्लैश को बताया था। बता दें कि दलजीत इन दिनों अपनी दूसरी शादी को लेकर काफी चर्चे में हैं। आपको जानकारी के लिए बता दें कि एक्ट्रेस ने अपनी पति पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर जैसे आरोप भी लगाएं हैं।

इंडियाज बेस्ट डांसर में जज के रुप में नजर आ सकती हैं करिश्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर इंडियाज बेस्ट डांसर-4 की जज के तौर पर शो में नजर आएंगी। बॉलीवुड में चर्चा है कि करिश्मा इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन-4 को जज की भूमिका निभाएंगी। इससे पहले इस शो में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे जज कर आई थी। वहीं शो के पहले और दूसरे सीजन में मलाइका अरोड़ा जज बनी थी। शो के मेकर्स करिश्मा कपूर से बातचीत कर रहे हैं जल्द ही करिश्मा को इस शो इसके लिए फाइनल कर लिया जाएगा। यदि सबकुछ सही रहा तो करिश्मा कपूर को दो अन्य जज गीता कपूर और टेरेंस लुईस के साथ इंडियाज बेस्ट डांसर-4 को जज करते देखा जाएगा।

ससुर, सास और ननद के साथ घुलती-मिलती दिखीं सोनाक्षी

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी 23 जून को होगी और और इसमें कुछ खास और करीबी लोग ही शामिल होंगे। शादी को लेकर काफी उत्साहित सोनाक्षी ने हाल ही अपने ससुरालवालों से मुलाकात की, जिसकी मस्ती भरी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसमें सोनाक्षी अपने होने वाले ससुर, सास और ननद के साथ घुलती-मिलती दिखीं। जहीर की बहन सनम रतनसी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मुलाकात की ये तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें सोनाक्षी ने अपने ससुर इकबाल रतनसी को गले लगाया हुआ है और उनके चेहरे पर बड़ी मुस्कान है। जहीर मां और बहन के बीच खड़े नजर आ रहे हैं। परिवार के सभी सदस्य कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सनम ने हार्ट इमोजी बनाई है। इस तस्वीर को जहीर ने भी री-पोस्ट किया। । बता दें कि एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही विवाह बंधन में बंधने वाली हैं। उनकी शादी नोटबुक फेम एक्टर जहीर इकबाल के साथ हो रही है। सोनाक्षी और जहीर ने डबल एक्सएल फिल्म में स्क्रीन शेयर की थी।

ताकत व विनम्रता पिता से मिली: रूपाली गांगुली

एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने कहा कि उनके अंदर जो ताकत और विनम्रता है वह उन्हें उनके पिता से मिला है। रूपाली ने फादर्स डे पर अपने दिवंगत पिता और निर्देशक अनिल गांगुली को याद किया। रूपाली ने इंस्टाग्राम पर अपने पापा के साथ बचपन की कुछ अनदेखी और पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा कि मेरे पास तस्वीरें खत्म हो रही हैं पापा...काश हमारे पास कुछ और होतीं...काश आप अभी भी हमारे बीच होते...लेकिन यादें आखिरी सांस तक मेरे साथ रहेंगी...एक भी दिन ऐसा नहीं बीता, जब मैंने आपको मिस न किया हो...और आपने मुझे यह संकेत न दिया हो कि आप अभी भी मुझ पर नजर रख रहे हो। उन्होंने आगे लिखा, मेरे अंदर की ताकत और विनम्रता आपने मुझे दिया है...मेरा हुनर, मेरी प्रतिभा, मेरी परफॉरमेंस सब कुछ आपका है पापा...मैं जो कुछ भी हूं आपकी वजह से हूं, सबसे अच्छे पिता को हैप्पी फादर्स डे।

आयशा ने यूजर के गंदे मैसेज के स्क्रीनशॉट किए शेयर

-यूजर का फोटो भी शेयर कर निकाला गुस्सा

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया पर बिग बॉस 17 फेम आयशा खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सख्स की फोटो शेयर कर उनकी जमकर खिंचाई कीं। इसके साथ ही ऐसे को लोग को दुनिया का सबसे बेहुदा इंसान कहा है। उन्होंने ये भी कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ बोले बिना समाज बदलाव और प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकेगा। आयशा खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक यूजर से मिले टेक्स्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। यूजर के मैसेज में बिग बॉस 17 फेम से जुड़ी कुछ गंदे और बेहद अश्लील स्थिति का जिक्र किया था। उसके मैसेज को पढ़ कर मानों आयशा के परों तले जमीन ही खिसक गई हो। उन्होंने उस यूजर को सोशल मीडिया पर लताड़ लगाना शुरू कर दिया। आयशा खान स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, अब समय आ गया है कि हम इन लोगों के नाम को शर्मसार होने से बचाएं!! वे हमारे आस-पास ही हैं, बस हमें नहीं पता कि जब कोई उन्हें नहीं देख रहा होता है, तो वे महिलाओं के बारे में क्या सोचते हैं। आश्चर्य है कि उनके परिवार की महिलाएं उनके आस-पास कैसे सुरक्षित हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने आगे कहा, ऐसे कैसे चलेगा। आप जो मन में आएगा कह देंगे, सिर्फ इसलिए कि आप जानते हैं, कोई इस ओर इशारा नहीं करने वाला है, कोई नहीं जानने वाला है कि आपने किसे क्या मैसेज किया? मुझे पता है कि कब मेरे चाहने वाले मुझसे कहेंगे कि इन जैसे खौफनाक लोगों पर ध्यान न दें? लेकिन हम बोलेंगे नहीं तो बदलाव कैसे आएगा? इसके अलावा, आयशा खान ने नेटिजन से अपने विचारों से बेहतर सपने देखने के लिए कहा और कहा कि यह बहाना न बनाएं कि अकाउंट हैक हो गया था। काम की बात करें तो आयशा ने टीवी शो कसौटी जिंदगी की में जूनियर कलाकार के रूप में काम किया, जिसमें पार्थ समथान और एरिका फर्नांडिस मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने अपने टीवी करियर की शुरूआत बालवीर रिटर्न्स शो से की, जिसमें उन्होंने बिरबा की भूमिका निभाई थी। बाद में आयशा ने बिग बॉस 17 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की। बता दें कि आयशा खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस का मनोरंजन करती रहती हैं।

रणबीर संग एनिमल में मेरी अच्छी केमिस्ट्री : बॉबी देओल

बालीवुड एक्टर बॉबी देओल ने कहा कि फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर और मेरी केमिस्ट्री काफी अच्छी रही। इस फिल्म में बॉबी के अलावा रणबीर कूपर, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी। एक्टर बॉबी देओल ने गुप्त, बरसात, बिच्छु और सोल्जर जैसी कई फिल्में कीं, जिन्होंने लोगों के दिलों पर एक खास छाप छोड़ी।

बॉबी ने अपने करियर में प्रीति जिंटा, रानी मुखर्जी, काजोल और मनीषा कोइराला जैसी कई एक्ट्रेसेस के साथ काम किया। इनके साथ एक्टर की केमिस्ट्री को काफी पसंद भी किया गया लेकिन हाल ही में बॉबी ने रणबीर कपूर संग अपनी केमिस्ट्री को सबसे बेस्ट बताया है। बॉबी ने कहा- मुझे लगता है रणबीर कपूर संग मेरी केमिस्ट्री फिल्म में काफी अच्छी दिखी है। हम दोनों का फिल्म में फाइट सीक्वेंस था, लेकिन फिर भी हमारे बीच केमिस्ट्री थी। बता दें फिल्म एनिमल हिट रही। इसमें बॉबी ने अबरार का किरदार अदा किया था, जो बोल नहीं सकते, लेकिन उन्होंने अपने एक्सप्रेशन से सबका दिल जीत लिया था।

एटली के साथ भौंकल मचाने आ रहे सलमान

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान की पिछली फिल्में उनके रुतबे के मताबिक परफॉर्म नहीं कर सकी। हालांकि टाइगर 3 से अच्छी कमाई की थी। अब भाईजान सहित उनके फैंस को अगली फिल्म सिकंदर से काफी उम्मीदें हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि एटली कुमार के साथ अल्लू अर्जुन एक बड़ी फिल्म कर रहे हैं, अब चचाएं हैं कि सलमान के साथ एटली कुमार अपने अगले प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं।

एटली और सलमान के बीच प्रोजेक्ट को लेकर बात हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, कभी भी प्रोजेक्ट की आधिकारिक अनाउंसमेंट हो सकती है। सलमान तैयार हैं, जबकि एटली स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। भाईजान ने प्रोजेक्ट के लिए मोटी फीस चार्ज की है। बताया जा रहा है कि फिल्म का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले होगा। रिपोर्ट्स की मानें, तब फिल्म मेकर्स से अल्लू अर्जुन की बात लगभग पक्की हो गई थी, लेकिन पे चैक मिलने से पहले चीजें बदलीं और उनके हाथ से शानदार प्रोजेक्ट खिसक गया। सुपरस्टार की अगली बड़ी फिल्म सिकंदर है, जिसमें वे अपने चिरपरिचित अंदाज में एक्शन करते नजर आएंगे। मेकर्स उन्हें शाहरुख खान के साथ स्क्रीन पर लाने को बेताब हैं। दर्शक आगे भी टाइगर यूनिवर्स और पठान यूनिवर्स के साथ मिलन को देखने को तैयार है। उम्मीद है कि मेकर्स ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2 के बाद टाइगर वर्सेज पठान का ऐलान होगा।

सूडोकु नवताल- 6829

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6828 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्दजाल - 7576

ग	क	ल	ड	व	ल	र्प	धी	ऊं	ल	ज	
र	धा	ल	भैं	स	ति	ड्र	इं	ट	ट	वा	
त	स	या	ल	बि	ल्ली	रा	रा	आ	ख	गा	
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	ए	ली	य	
म	क	दो	ग	ल्ता	लं	स	तू	उ	झ	म	
स	क	री	प	ख	न	पू	ना	फ	घ	त	
त्ते	अ	स	त	र	प	न	श	ज	ला	ट	
पे	ता	दा	ई	गो	ब	कु	फ	रा	श	न	
बं	बा	चे	न	श	जी	ई	त्ता	ल	प	रु	
द	पा	ला	ल	न	क	दु	र	शा	स्त्री	ता	
र	रा	जी	घो	ड़ा	धी	रा	इ	फ	ई	त	

शब्दजाल में दस पालतू जानवरों के नाम ढूंढिए. दिए गए दस नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

खरगोश,बिल्ली,कुत्ता,गाय,भैंस,ऊंट,गधा, बकरी,बंदर,घोड़ा

शब्दजाल - 7575 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6529

6	3		4	5		1
	27	7	32		34	
4	2	1		3		7
	33		32		31	
7	5		6	1	2	4
	33	5	31		34	
	5		3		7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6528 का हल

7	2	1	6	3	5	4
2	25	7	32	4	36	2
1	3	2	4	5	7	6
3	27	6	33	6	39	5
4	5	3	6	1	2	7
5	37	5	31	7	30	3
6	5	4	3	2	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सॉल्ट और बेयरस्टो की तूफानी पारी, इंग्लैंड ने सुपर-8 में वेस्टइंडीज को हराया

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इंग्लिश टीम की इस जीत में फिल सॉल्ट और जॉनी बेयरस्टो ने अहम भूमिका निभाई।

सेंट लूसिया के डैरेन सैमी स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। टूर्नामेंट की सह-मेजबान वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए।

जवाब में इंगलैंड ने वेस्टइंडीज को 15 गेंद शेष रहते 8 विकेट से हरा दिया। जोस बटलर (25 रन) ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। इसके बाद मोईन अली 13 रन बनाकर जल्द पवेलियन लौट गए। लेकिन फिल सॉल्ट ने टीम की पारी संभालते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 47 गेंद पर 5 छक्के और 7 चौके जड़ते हुए नाबाद 87 रन की तूफानी पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस दौरान उनका पूरा साथ जॉनी बेयरस्टो ने दिया। बेयरस्टो (नाबाद 48 रन) अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए लेकिन उनकी तेज पारी ने वेस्टइंडीज को मैच में बैकफुट पर धकेल दिया। फिल सॉल्ट और बेयरस्टो के बीच नाबाद 97 रनों की साझेदारी इस मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और मार्क वुड की टीम में वापसी हुई थी। ब्रैंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने वेस्टइंडीज को एक ठोस शुरुआत दिलाई थी।

किंग को बीच में ही मांसपेशियों में खिंचाव आया और उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा लेकिन निकोलस पूरन ने चार्ल्स के साथ मिलकर पहले अर्धशतकीय साझेदारी की और फिर रोवमन पॉवेल के साथ भी पूरन की साझेदारी पनपी। इन छोटी-छोटी साझेदारी के दम पर वेस्टइंडीज ने एक अच्छा टोटल सेट किया।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 181 रन का टारगेट दिया। वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स 38, रोवमेन पॉवेल 36, निकोलस पूरन 36 और शेरफेन रदरफोर्ड नाबाद 28 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रैंडन किंग 23 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर, आदिल रशिद, मोइन अली और लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 विकेट मिला।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण विजेता एथलीटों पर बरसेगा धन

पेरिस । पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों को इसबार काफी लाभ होगा। इसका कारण है कि विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने ट्रैक एवं फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर करीब 41.60 लाख रुपये की पुरस्कार राशि देने की बात कही है। इस प्रकार डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ भी बन जाएगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत एथलेटिक्स के महत्व को देखते हुए की गयी है। साथ ही कहा कि हमने उन एथलीट की सहायता का फैसला किया है जो अपने प्रदर्शन से खेलों को वैश्विक स्तर पर सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर लगभग 18.63 अरब रुपये पुरस्कार के लिए रखे गये है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है। इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि देकर किया जाएगा। इसके अलावा रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी। इस पुरस्कार राशि का भुगतान हालांकि विश्व एथलेटिक्स की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा, जिसमें सामान्य डोपिंग रोधी प्रक्रियाओं से गुजरने और अन्य जरूरी प्रक्रिया का पालन करने वाले एथलीटों को ही शामिल किया जाएगा।

टी20 क्रिकेट के लायक नहीं बाबर : सहवाग

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम टी20 क्रिकेट के लायक नहीं हैं। उनके पास वह तेजी नहीं है जो इसके लिए जरुरी है। टी20 विश्वकप में पाक टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही आजम आलोचना का शिकार हुए हैं। पाक टीम टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अमेरिका से भी हार झेलनी पड़ी है। इस टूर्नामेंट के दौरान बाबर अपने कम स्ट्राइक रेट को लेकर भी निशाने पर रहे हैं। इसी को लेकर सहवाग ने कहा कि बाबर टी20 टीम के योग्य नहीं हैं। बाबर ने चैंपियंस 2017 ट्रॉफी 2017 और टी20 विश्व कप में 2022 में अच्छा खेल दिखाया पर अब उनका फार्म चला गया है। सहवाग ने एक शो के दौरान कहा कि बाबर उस तरह के बल्लेबाज नहीं हैं जो छक्के मार सकें। वह ऐसा तभी करते हैं जब वह सेट होते हैं और स्पिन गेंदबाजी का सामना करते हैं। मैंने उन्हें कभी भी पिच पर आगे बढ़ते या तेज गेंद मारते नहीं देखा। यह उसका खेल नहीं है। वह सुरक्षित क्रिकेट खेलता है, इसलिए वह लगातार रन बनाता है पर उसका स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं है।

अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज से वापसी कर सकते हैं श्रेयस

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी करीब है। अगर गौतम गंभीर मुख्य कोच बनते हैं तो उन्हें टीम में जगह मिलना तय है। ऐसे में श्रेयस जुलाई अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। श्रेयस को 5 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली 5 मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भी चुना जा सकता है पर श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए उन्हें जगह मिलने की ज्यादा उम्मीदें हैं। गंभीर आईपीएल में केकेआर के मेंटोर थे जबकि श्रेयस कप्तान। ऐसे में दोनों में अच्छा तालमेल है। श्रेयस को रणजी ट्रॉफी खेलने से आनाकानी करने के कारण बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया गया था पर अब वह भी उन्हें दिया जा सकता है। जिम्बाब्वे के खिलाफ 5 टी20 मैचों की श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा अगले सप्ताह होगी। ऐसी संभावना है कि श्रेयस को श्रीलंका में 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी शामिल किया जा सकता है। उसने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाए थे और उसका औसत 50 के करीब है। वहीं माना जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी अब एकदिवसीय और टेस्ट पर ही ध्यान देंगे।

पहली बार विमेंस वनडे में लगे 4 शतक

मंधाना, हरमनप्रीत, वूलवार्ट और कैप ने बनाई सेंचुरी, भारत ने अफ्रीका को 4 रन से हराया

बेंगलुरु । भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही 3 मैच की सीरीज के दूसरे वनडे मैच को 4 रन से जीत लिया है। बेंगलुरू में खेले गए इस मैच में रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी देखने को मिली। पहली बार महिलाओं के वनडे मैच में 4 संचुरी लगी।

भारत की स्मृति मंधाना ने 132 और हरमनप्रीत कौर ने कप्तान हरमनप्रीत ने नाबाद 104 रन बनाए। वहीं, साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वूलवार्ट ने 135 और ऑल-राउंडर मरीजेन कैप ने 114 रन की पारी खेली। इसी के साथ मंधाना ने भारत की ओर से सबसे ज्यादा 7 शतक लगाने में मिताली राज की बराबरी की।

पूजा वस्त्राकर ने आखिरी ओवर में डिफेंड किए 11 रन

साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 3 विकेट पर 325 रन बनाए। ऐसा पहली बार था की भारत ने घरेलू मैदान पर 300 का आंकड़ा पार किया। पहले 16 ओवर में टीम का स्कोर 48/1 था। टीम ने आखिरी 10 ओवर में 118 रन बनाए। इसमें 5 छक्के और 14 चौंके शामिल थे।

बड़ा टारगेट चेज करने उतरी साउथ अफ्रीका की ओर से शुरुआत कुछ खास नहीं रही। टीम ने पहले 16 ओवर में तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान लौरा वूलवार्ट और ऑलराउंडर मरीजेन कैप के बीच 184 की साझेदारी हुई। दोनों खिलाड़ियों ने शतकीय पारी खेली। आखिरी ओवर में महज 11 रन की जरूरत थी। लेकिन पूजा वस्त्राकर ने ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर दो विकेट चटकाए और भारत ने मैच 4 रन से जीत लिया।

महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन...

विमेंस वनडे का दूसरा सबसे बड़ा टोटल – भारत और साउथ अफ्रीका के मुकाबले में कुल 646 रन बने। यह किसी भी विमेंस वनडे का दूसरा सबसे बड़ा टोटल स्कोर है। इस लिस्ट में 2017 में हुए इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका का मैच टॉप पर है। उस मैच में कुल 678 रन बनाए गए थे।

स्मृति मंधाना का दोहरा प्रदर्शन, मिताली की बराबरी – मंधाना ने 120 गेंदों पर 136 रन की पारी खेली। इसके साथ ही उन्होंने अपने करियर की 87 पारियों में 7 शतक पूरे किए और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाली मिली राज की बराबरी की। इसके बाद साउथ अफ्रीका जब बैटिंग करने उतरी, तब मंधाना ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया। मंधाना ने साउथ अफ्रीका की टॉप ऑर्डर बैटर सून लुस का विकेट लिया। मंधाना की गेंदपर विकेटकीपर ऋचा घोष ने उनका कैच पकड़ा। लुस सिर्फ 12 रन बना सकीं। पहले वनडे में भी मंधाना ने 117 रन बनाए थे।

हरमनप्रीत कौर ने जमाया भारत के लिए सबसे तेज शतक – मुकाबले में 23 ओवर के बाद भारत का स्कोर 100/2 था और तब हरमनप्रीत कौर ने मंधाना के साथ मिलकर साउथ अफ्रीका पर फिर अटैक किया। साउथ अफ्रीका ने फील्डिंग में भी लापरवाही बरती जबकि कई बार उनकी गेंदबाजी भी खराब रही। इसका फायदा उठाते हुए हरमनप्रीत कौर ने 87 गेंदों में अपना छठा शतक भी पूरा किया। यह किसी भारतीय की ओर से सबसे तेज शतकीय पारी थी।

भारत ने एक इनिंग में लगाए सबसे ज्यादा छक्के – भारत ने अफ्रीका के खिलाफ 325 का स्कोर बनाया। इस दौरान टीम ने कुल 8 छक्के लगाए। 5 छक्के आखिरी 10 ओवर में आए। यह किसी भी वनडे में भारत की ओर से सबसे ज्यादा सिक्स थे।

साउथ अफ्रीका वनडे के बाद टेस्ट खेलेगा – साउथ अफ्रीका विमेंस टीम भारत के दौरे पर है। अभी दोनों टीमों के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज जारी है। दोनों टीमें अभी 3 टी-20 और एक टेस्ट मैच भी खेलेंगी। अगल वनडे मैच 23 जून बेंगलुरु में ही खेला जाएगा।

पेरिस ओलंपिक के बाद डॉक्टरों की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा, इस गंभीर तकलीफ से जूझ रहे हैं स्टार जेवलिन थ्रोअर

तुर्कु (फिनलैंड)। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद एडक्टर (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिए डॉक्टरों से सलाह लेंगे। एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85.97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापिस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे।

उन्होंने जीत के बाद कहा, मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका। हर वर्ष मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है। ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो वर्ष पहले इस टूर्नामेंट में 89.30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने सत्र की शुरुआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की। उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लेकर 82.27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

अब वह सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे। पंचकूला में 27 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स में वह नहीं खेलेंगे। वह यूरोप में कोच क्लाउस बर्तोनीज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर अभ्यास करेंगे। उन्होंने फिनलैंड के कुओर्तने में तैयारियों का आगाज किया और अब जर्मनी के सारब्रकेन जाएंगे। इसके बाद वह तुर्किये में अभ्यास करेंगे और 28 जुलाई तक वहीं रहेंगे।

विदेशी लीग क्रिकेट खेलने विलियम्सन नहीं कर रहे केन्द्रीय अनुबंध

ऑकलैंड ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियम्सन ने केन्द्रीय अनुबंध करने से इंकार कर दिया है। इससे पहले तेज गेंदबाज टेंट बोल्ट ने भी लीग क्रिकेट खेलने के लिए अनुबंध ठुकरा दिया था। विलियम्सन ने कहा है कि वह 2024-25 सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वह विदेशी लीग क्रिकेट खेलना चाहते हैं। विलियम्सन विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं उनका इस प्रकार अनुबंध न करना कीवी क्रिकेट के लिए बड़ा झटका है।

क्रिकेट बोर्ड ने भी विलियम्सन के अनुबंध नहीं करने की बात मानी है। बोर्ड ने कहा है कि विलियम्सन अगले सत्र के लिए सेंट्रल अनुबंध नहीं करना चाहते पर वह तीनों फॉर्मेट के लिए उपलब्ध रहेंगे। विलियम्सन पिछले एक दशक से न्यूजीलैंड क्रिकेट की बल्लेबाजी संभालते रहे हैं। वे न्यूजीलैंड के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। विलियम्सन ने 100 टेस्ट मैच में 32 शतकों की मदद से 8743 रन बनाए हैं। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उनके नाम 165 मैच में 6810 रन दर्ज हैं। उन्होंने 93 टी20 इंटरनेशनल मैच में 2575 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को हर प्रारुप में आगे ले जाना चाहता हूं और इसके लिए हर मदद करूंगा पर मैं गर्मियों के दौरान मैं विदेशी लीग में खेलने के मौके तलाशना चाहता हूं। इसलिए अनुबंध नहीं कर रहा हूं। वहीं इससे पहले बोल्ट ने करार छोड़कर अलग-अलग देशों की टी20 और टी10 लीग क्रिकेट खेलना शुरु कर दिया था पर वह किसी बड़ी सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए उपलब्ध रहे हैं।

स्टोपेज टाइम में सब्स्टीट्युट खिलाड़ी ने गोल दागा पुर्तगाल ने रोमांचक मैच चेक गणराज्य को धोया

लिपजिग । स्टोपेजटाइम में मैदान पर स्थानांपन्न खिलाड़ी फ्रांसिस्को कोंसिकाओ के गोल के दम पर पुर्तगाल ने यूरो कप मुकाबले में चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत से अपने अभियान की शुरुआत की।

चेक गणराज्य ने खचाखच भरे लिपजिग स्टेडियम में मौजूद हजारों पुर्तगाली प्रशंसकों को 62वें मिनट में शांत कर दिया, जब लुकास प्रोवोड ने शानदार गोल दागा। चेक टीम बड़े उलटफेर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन आठ मिनट बाद ही रानाक के आत्मघाती गोल से पुर्तगाल ने 1-1 से बराबरी कर ली थी।

90वें मिनट में रोबर्टो मार्टिनेज ने बदलाव करते हुए कोंसिकाओ को मैदान पर उतारा। मार्टिनेज का यह दांव सफल रहा और दो मिनट बाद ही कोंसिकाओ ने अपनी टीम के लिए विजयी गोल दाग दिया। करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैंपियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था। छह यूरो चैंपियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। वह पुर्तगाल के लिए टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं, लेकिन चेक रक्षापंक्ति ने इस स्टार फुटबालर को शांत रखा।

पुर्तगाल ने 70 प्रतिशत गेंद अपने पास रखी, लेकिन चेक गणराज्य ने उसे गोल नहीं करने दिया। पुर्तगाल की टीम में टूर्नामेंट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 41 वर्षीय पेपे और 39 वर्षीय रोनाल्डो जैसे दिग्गजों के सामने टूर्नामेंट की सबसे युवा टीम चेक गणराज्य ने कमाल का खेल दिखाया।

हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए किया भारतीय टीम का किया एलान, स्ट्राइकर दिलप्रीत का कटा पत्ता

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने प्री-ओलंपिक शिविर के लिए 27 संभावित खिलाड़ियों का एलान कर दिया। यह शिविर 21 जून से 8 जुलाई तक यहां एसएआई केंद्र में आयोजित किया जाएगा। ओलंपिक में भारत को बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। टोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेंगे।

भारतीय टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सफल प्रदर्शन के बाद लौट रही है। फिलहाल टीम 16 मैचों में 24 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। कोर ग्रुप में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय और आमिर अली शामिल हैं। मिडफील्डर्स के तौर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुमित, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह, आकाशदीप सिंह और मोहम्मद राहील मौसीन को शामिल किया गया है। वहीं, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी और अरिजीत सिंह हुंडल फॉरवर्ड हैं जिन्हें शामिल किया गया है। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह को टीम में जगह नहीं मिली है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन का मानना है कि दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रो लीग मैच उनके लिए एक शानदार अनुभव था। उन्होंने कहा, हम इस शिविर में प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण खंड शुरू करना चाहते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हों।

खिलाड़ियों ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 में अपने मैचों से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने आगे कहा, इससे हमें यह समझने में मदद मिली है कि हमें कहाँ सुधार करने की आवश्यकता है। हमारे पास उन क्षेत्रों पर काम करने के लिए बहुत समय है। हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का एक मजबूत मिश्रण है जो कुछ भी जीतने में सक्षम हैं।

प्रशंसक मुझे मैच बदलने वाले खिलाड़ी के तौर पर याद करेंगे: वार्नर

नॉर्थ साउंड । इस विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कहने जा रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह अपने करियर में हमेशा ही आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। वार्नर के अनुसार को वाकई क्रिकेट को पसंद करते हैं वे उन्हें एक ऐसे आक्रामक बल्लेबाजी के तौर पर याद रखेंगे जो अपनी बल्लेबाजी से खेल को बदलने का प्रयास करता रहा है जिसमें वह कभी सफल तो कभी असफल हुआ है। वार्नर को साल 2018 के दक्षिण अफ्रीकी दौरे में गेंद से छेड़छाड़ मामले में भी फंसने के बाद एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया किया था हालांकि इसके बाद टीम में वापसी के करते हुए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था। वार्नर ने कहा, 'वापसी करते हुए साल 2018 से मैं शायद अकेला ऐसा खिलाड़ी रहा हूं जिसने बहुत आलोचना झेली है। उन्होंने कहा, 'जब मैं वापस आया तो मेरे लिए चीजें आसान नहीं थी और मुझे यह पता था। वार्नर ने सभी प्रारूपों में 49 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 19000 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से ही ऐसा व्यक्ति रहा हूं जिसने दबाव का सामना किया है। मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मैंने बहुत से लोगों से बहुत दबाव कम किया है और मुझे लगता है कि मैं इसे झेलने में सक्षम रहा हूं। साथ ही कहा कि अब संन्यास के कारण मैं इस प्रकार के दबाव से बच जाउंगा।

ऐसे करें स्मोकी आई मेकअप...

स्मोकी मेकअप आजकल चलन में हैं। खासतौर पर रात के फंक्शन या डीजे पार्टीज में स्मोकी आई बहुत ही ट्रैंडी और सुंदर लुक देती है। स्मोकी आई मेकअप ज्यादातर ब्लैक और ग्रे टोन में ही किया जाता है लेकिन फिर भी अगर आप किसी और कलर्स से अपनी आंखों को स्मोकी लुक देना चाहती हैं तो कर सकती है। ब्लैक के साथ आप अन्य डार्क क्लर्स का इस्तेमाल करके स्मोकी आई मेकअप कर सकती है, जिससे आंखें दूर से ही हाइलाइट हो जाती है लेकिन इन्हें स्टेप-वाइज-स्टेप ही किया जाना चाहिए नहीं तो यह स्मोकी लुक नहीं देगा। सबसे पहले एक बूंद प्राइमर लें और उसे आईलिड पर लगाएं। इसे लगाना बहुत ही जरूरी है क्योंकि गर्मी और ऑयलिंग फेस की वजह से आईशेडो क्रीज लाइन से फैल जाता है लेकिन अगर आप प्राइमर यूज करेंगी तो मेकअप फैलेगा नहीं। उसके बाद आप लैशलाइन पर आईलाइनर लगाएं। आईलाइनर जैल या स्कैच हो तो बढ़िया है। अब स्मजर ब्रश या आई बड की मदद से आईलाइनर को अच्छी तरह से स्मज कर लें। अब बारी आईशैडो लगाने की हैं। कलर्स का चुनाव अपनी मर्जी से करें। आंखों पर अपनी पसंद का आईशैडो लगाएं। ब्रश की मदद से क्रीज लाइन के नीचे आईशैडो को अच्छी तरह से स्मज करें। आप आईशैडो इस्तेमाल कर सकते हैं। राउंड ब्लैडिंग ब्रश की मदद से आईशैडो के ऊपर नए रंग का आईशैडो लगाएं। आप ग्रे ब्लैक, मैहरून, पर्पल या ब्राउन किसी भी कलर्स का इस्तेमाल कर सकती है लेकिन ध्यान रहे कि इस वाले आईशैडो को क्रीज लाइन के नीचे लगे आईशैडो के ऊपर गोलाई में स्मज करना है ताकि आंखें पूरी तरह से स्मोकी लुक दें। इस तरह आपकी आंखें देगी परफैक्ट स्मोकी लुक। अगर आप स्मोकी प्लस गिलटरी लुक चाहती हैं तो स्मोकी मेकअप के बाद ग्लिटर का इस्तेमाल करें।

नया बैटरी सेवर फीचर...

कई महीनों की बीटा टेस्टिंग के बाद ओपेरा ने अपने डेस्कटॉप और लैपटाप यूजर्स के लिए ओपेरा ब्राउजर का बैटरी सेवर फीचर वाला नया वर्जन रिलीज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि ब्राउजर में बैटरी सेवर फीचर एक्टिव रखने से बैटरी लाइफ में 50 प्रतिशत तक का इजाफा होगा। आपको बता दें कि ओपेरा का यह नया बैटरी सेवर फीचर तभी काम करेगा जब लैपटॉप में पावर केबल नहीं लगी होगी। इसमें एक बैटरी आइकन सर्च और एड्रेस फील्ड के बगल में नजर आएगा और एक पॉप अप डायलॉग बॉक्स में मौजूद होगा, जिसे क्लिक कर आप पावर सेवर मोड को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसमें यूजर बैटरी सेविंग फीचर को अपनी मर्जी के मुताबिक स्विच ऑन/ ऑफ कर सकते हैं। यह ब्राउजर लैपटॉप की बैटरी कम होने पर पावर सेवर मोड को एक्टिव करने का सुझाव भी देगा। यह नया फीचर बैकग्राउंड टैब में एक्टिविटी को कम कर देगा और इस्तेमाल होने वाले प्लग-इन को पॉज कर देगा, साथ ही यह फ्रेम रेट को भी 30 फ्रेम प्रति-सेकेंड के हिसाब से कम कर देगा। ओपेरा ने यह भी दावा किया है कि जब बैटरी सेवर फीचर को एक्टिव किया जाएगा तो यह लैपटॉप-पीसी को 3 डिग्री ठंडा भी रखेगा।

घर में कैद 50 फीसदी महिलाएं...

देश में साक्षरता के स्तर में निरंतर सुधार और महिलाओं का पढ़ने-लिखने के प्रति रुझान बढ़ने के बाद भी महिलाओं का घर की चार दीवारी तक ही सीमित रहना बेहद चिंतनीय है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में पढ़ी-लिखी महिलाओं में से चार दीवारी से बाहर निकल कर रोजगार से जुड़ने वाली महिलाओं का आंकड़ा 27 फीसदी ही है। यह भी आश्चर्यजनक सत्य सामने आया है कि शहरी महिलाओं की तुलना में ग्रामीण महिलाओं का रोजगार के प्रति अधिक रुझान है। रोजगार से नहीं जुड़ने के कारण महिलाओं का जीडीपी में योगदान कम है। पुरुषों के बराबर नौकरीपेशा महिलाएं हो जाएं तो जीडीपी में सीधे सीधे 27 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाए। अन्य एशियाई देशों की तुलना में हमारे देश में कामकाजी महिलाएं कम हैं। पिछले वर्षों में समग्र प्रयासों से महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी है। महिलाओं ने रोजगार के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों में भी प्रवेश किया है। आज जोखिम वाले काम भी महिलाएं बड़ी सहजता और सफलता से करने लगी हैं। एक समय था जब नौकरीपेशा महिला का मतलब अध्यापिका या नर्स की नौकरी से लगाया जाता था। आज स्थिति में तेजी से बदलाव आया है और अब तो सेना के विमान उड़ाने तक की महिलाओं का अनुमति दी जा रही है। सेना के तीनों अंगों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी तय की जा रही है। बैंकिंग क्षेत्र में तो आज महिलाओं का दबदबा है ही कारोबारी क्षेत्र में भी महिला उद्यमियों ने अपनी पहचान बनाई है। ऐसे में अन्य देशों की तुलना में देश में कामकाजी महिलाओं के कम होने का सीधा- सीधा अर्थ महिला शक्ति का आर्थिक विकास में भागीदारी प्रभावित होना है।

पानी में हल्दी मिलाकर पीने के हैं ये फायदे

ज्यादातर लोग स्वस्थ और फिट रहने के लिए सुबह उठते ही गर्म पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीते है। इसे लेने से वजन कम होता है और इसके नियमित सेवन से सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से हमेशा के लिए निजात मिल सकती है, जैसे शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते है, पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और त्वचा में चमक आती है।

इसके अलावा किसी प्रकार की भी कमजोरी आने पर लोग हल्दी वाला दूध पीते हैं। लगभग हम सभी लोग गर्म पानी में नींबू मिलाकर और हल्दी वाले दूध पीने के फायदों के बारे में जानते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इस मिश्रण में थोड़ी सी हल्दी भी मिला दी जाए तो इसके गुण और भी बढ़ जाते हैं। यकीन नहीं हो रहा न, लेकिन हल्दी वाला पानी स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर होता है।

पाचन दुरुस्त रखें

कई शोधों से यह बात साबित हुई है कि नियमित रूप से हल्दी का सेवन करने से पित्त ज्यादा बनता है, जिससे आपका आहार आसानी से हजम हो जाता है और आहार के अच्छे से हजम होने से आप पेट संबंधी बीमारियों से बचे रहते हैं। इसलिए अगर आप अपने पाचन को दुरुस्त रखना चाहते हैं तो आज से ही अपनी दिनचर्या में हल्दी वाले पानी को शामिल करें।

शरीर की सूजन कम करें

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी के कारण यह दवा के रूप में काम करता है और यह शरीर की सूजन कम करने में सहायक होता है।

शरीर में चाहे कितनी भी सूजन क्यूं न हो, हल्दी वाला पानी पीने से कम हो जाती है। इसके अलावा करक्यूमिन के कारण यह जोड़ों के दर्द और सूजन को दूर करने में दवाइयों से भी ज्यादा अच्छी तरह से काम करता है।

दिमाग तेज करें

हल्दी दिमाग के लिए बहुत अच्छी होती है, अगर आप सुबह के समय गर्म पानी में हल्दी मिलाकर पीते हैं यह आपके दिमाग के लिए बहुत अच्छा रहता है। भूलने की बीमारी जैसे डिमेंशिया और अल्जाइमर को भी इसके नियमित सेवन से कम किया जा सकता है।

हल्दी वाला पानी बनाने का तरीका

सामग्री

1/2 - नींबू
1/4 - टी स्पून हल्दी
1 गिलास - गर्म पानी
थोड़ी सी शहद

हल्दी वाला पानी बनाने की विधि

एक गिलास में आधा नींबू निचोड़ कर उसमें हल्दी और गर्म पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर उसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। हल्दी कुछ समय बाद नीचे बैठ जाती है, इसलिए पीने से पहले इसे अच्छे से हिलाकर पीएं।

दिल को दुरुस्त रखें

हल्दी वाला दूध दिल की सेहत के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसे पीने से खून जमता नहीं है और साथ ही यह खून साफ करने में भी मददगार होता है। इसके अलावा इससे खून की धमनियों में जमाव भी हट जाता है। हल्दी वाला पानी भी दिल को दुरुस्त रखने के लिए ऐसे ही काम करता है।

लीवर की रक्षा करें

हल्दी का पानी टॉक्सिक चीजों से आपके लीवर की रक्षा करता है और खराब लीवर सेल्स को दोबारा ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा यह पित्ताशय के काम को ठीक करने में मदद करता है, जिससे आपके लीवर की रक्षा होती है।

एंटी-कैंसर गुणों से भरपूर

हल्दी में करक्यूमिन नामक केमिकल की मौजूदगी इसे एक ताकतवर एंटीऑक्सीडेंट बनाता है। जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं से लड़ती है।

उम्र के असर को करें बेअसर

गर्म पानी में नींबू, हल्दी पाउडर और शहद मिलाकर पीने से यह शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकालने में बहुत मददगार होता है। इसके अलावा इसे नियमित रूप से पीने से फ्री रैडिकल्स से लड़ने में मदद मिलती है जिससे शरीर पर उम्र का असर कम और धीरे-धीरे पड़ता है।

स्वस्थ रहने के लिए कीजिए खूब सारी बातें

क्या आप यह सुनन-सुनत थक गए ह ाक ज्यादा बातें करना अच्छी बात नहीं? ...तो यह भी सुन लीजिए कि वैज्ञानिकों ने यह पाया है कि बातें करने से आपका दिमाग तेज होता है और मानसिक स्वास्थ्य बढ़िया रहता है। माना जाता है, बातें बनाना बुरी बात है। लोग अक्सर कहते भी हैं, इस तरह बातें बनाने से बात नहीं बनेगी। लोग बातूना लागा का अक्सर व्यग्य स इस तरह वाक्यपटु कहते हैं मानो उन्हें चिड़ा रहे हों। लेकिन बातें बनाना या ज्यादातर लोगों से संवाद स्थापित कर लेना न तो किसी बेवकूफी की निशानी है और न ही इससे कोई नुकसान है। भले ही लोग कहते हों कि बातें बनाने से कुछ नहीं होगा, मगर वैज्ञानिकों ने एक विस्तृत शोध के जरिए साबित किया है कि बातें बनाना न सिर्फ बुद्धिमान बनने का जरिया है, बल्कि निरंतर और हर तरह के लोगों से संवाद कला में माहिर होने वाले लोग जीनियस भी साबित होते हैं। एक शोध में पाया है कि जब आप रोजाना 10 मिनट किसी के साथ किसी भी विषय पर बातचीत करते हैं तो इससे न केवल आप धीरे-धीरे संवाद कला में माहिर होते जाते हैं, बल्कि इससे याददाश्त भी तेज होने लगती है और बुद्धिमत्ता भी बढ़ने लगती है। कुछ भी करने से पहले डॉ. से जरूर सलाह लें।

स्टाइलिश एक्सेसरीज...

गर्मी हो या सर्दी महिलाओं का फैशन आए दिन बदलता रहता है। गर्मियों में तो ईयररिंग्स से लेकर फुटवियर तक सब कुछ ही फैशन पर ही बेस्ड होता है। इन गर्मियों में आप शैंडलियर ईयररिंग्स से लेकर कॉकटेल रिंग्स और हूप्स जैसी एक्ससेरीज का इस्तेमाल कर सकती हैं।

सोलिटेयर स्टड्स

इस तरह के एयररिंगस सिंपल होने के साथ-साथ फैंशनऐबल भी होते हैं। पहनने में लाइट वेट ये हर परिधान के साथ सूट करते हैं और आपके आकर्षण में चार चांद लगा सकते हैं।

शैंडलियर ईयररिंग्स

महिलाओं को आजकल हूप्स और शैंडलियर ईयररिंग्स बहुत पसंद आ रहे हैं। ये आपकी पर्सनैलिटी को चार चांद लगा देते हैं। बाजार में इसकी बेशुमार वैरायटी उपलब्ध है।

कॉकटेल रिंग

यह आपके परिधान को भी खास बना देती है और आपको बेहद ग्लैमरस और खास दिखने में मदद करती है।

हीरों का नेकलेस

पार्टी हो या फिर गैट टूगैदर हीरों का नेकलेस बहुत खास एक्सेसरी है। ये चौड़ी और बोट शेप नेकलाइन्स पर बेहद शानदार लगते हैं। बाजार में तरह-तरह के पत्थरों से बने ब्रेसलेट भी बेहद शानदार और खास लुक देते हैं।

कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज

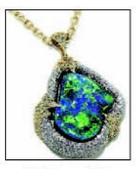

ज्वैलरी नए डिजाइन में हो और पहनने में भी कंफ्टेबल हो तो बात ही अलग है। अगर आप नए तरह के कलरफुल ईयरिंग्स, पेंडेंट्स और डिजाइनर रिंग्स वियर करने का शौंक रखती हैं तो मार्केट में ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देती कलरफुल डॉर्क ज्वैलरीज को जरूर ट्राई कीजिए। ये ज्वैलरी कई सारे डिजाइंस के साथ ही कई सारे कलर्स में भी अवेलेबल हैं। जिसे कॉलेज गर्ल से लेकर ऑफिस वूमन्स तक कैरी कर सकती हैं। इसकी खास बात है कि ये अंधेरे में शाइन करती हैं।

झूमर का ट्रैंड

समय के साथ-साथ गहने कैरी करने का अंदाज भी बदलता रहता हैं। जैसे पहले महिलाएं गहनों में नथ, मांग-पट्टी, कंगन और नेकलेस पहनती थी। वहीं मांग पट्टी की जगह अब झूमर ज्वैलरी ने ले ली हैं। इसे पासा भी कहते हैं। अब यह कॉमन ट्रैंड में चल रहा है।

कुंदन और पोल्की ज्वैलरी

बहुत सारे लोग कुंदन और पोल्की ज्वैलरी को एक जैसे ही मानते हैं। वैसे कुंदन और पोल्की दोनों ही स्टोन होते हैं लेकिन पोल्की ज्वैलरी में अनफिनिशिड नैचुरल डायमंड्स का इस्तेमाल किया जाता है। अपनी नैचुरल लुक की वजह से पोल्की ज्वैलरी हमेशा से ही डिमांड में रही है और अपनी डायमंड शाइनी लुक की वजह से यह कुंदन ज्वैलरी से ज्यादा कीमती होती है। इन्हें जमीन से ही खुदाई करके निकाला जाता है और इन्हें पॉलिशिंग की जरूरत नहीं होती। वहीं कुंदन ज्वैलरी ग्लास स्टोन की बनी होती हैं। कुंदन ज्वैलरी को पॉलिश कर इसकी लुक हो बारीक बनाया जाता है। इनके डिजाइन से लेकर इन्हें तैयार करने की पूरी प्रकिया को सावधानीपूर्वक किया जाता है क्योंकि इन्हें काफी बारीकी से तैयार किया जाता है। पोल्की को मुगलों द्वारा भारत में पेश किया गया था जबकि कुंदन राजस्थानी ट्रैडीशनल ज्वैलरी है। जयपुर और हैदराबाद कुंदन और जड़ाऊ गहनों के लिए प्रसिद्ध हैं। बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों ने भी अपने वैडिंग पर कुंदन और पोल्का की खास ज्वैलरी पहनीं। एक्ट्रैस ऐश्वर्या राय बच्चन ने गोल्ड कुंदन ज्वैलरी पहनीं, जिसमें वह किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रही थी। वहीं एक्ट्रैस शिल्पा शैट्टी, विद्या बालन दिया मिर्जा और ऐशा देओल भी अपनी पोल्का और कुंदन ज्वैलरी में प्रफैक्ट लुक दे रही थीं।

कैलेंडर को झुठला दें...

हर महिला को चालीस के बाद अपनी त्वचा व बालों पर ध्यान देना अत्यंत जरूरी हो जाता है, वरना त्वचा पर उम्र का असर दिखने लगता है। उम्र से होने वाले परिवर्तन को हम रोक तो नहीं सकते हैं पर किसी हद तक इस प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। अपनी जीवन शैली में नियमितता बनाए रखें। समय पर भोजन, थोड़ा व्यायाम व अच्छी नींद त्वचा व बालों के लिए बहुत जरूरी है। तनाव को कम करने की कोशिश कीजिए। हमारे जीवन में होने वाले तनावों से हम भाग तो नहीं सकते हैं, लेकिन अपने शरीर पर होने वाले उन दुष्प्रभावों को हम रोक सकते हैं, जो तनाव के कारण होते हैं। नियमित व्यायाम कीजिए व तनाव को दूर करने के लिए रोज कम से कम पंद्रह बीस मिनट तक यौगिक क्रियाएं कीजिए। योग करने से पहले किसी योग प्रशिक्षक के प्रशिक्षण अवश्य ले लें। ऐसा कर आप कैलेंडर को झुठला सकती हैं

आधा लीटर दूध लें

कम से कम एक नींबू व आधा लीटर मलाई निकला दूध अपने भोजन में अवश्य शामिल करें। नींबू से आपको विटामिन-सी मिलेगा व दूध से कैल्शियम आदि जरूरी तत्व मिलेंगे। यह उम्र रजोनिवृत्ति की होती है अतः इस उम्र में अक्सर महिलाओं को घुटने में दर्द, पैरों में दर्द व हॉट फ्लैश आदि समस्याएं होती हैं। अतः अपने खानपान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। डॉक्टर की सलाह लेकर आप रोज अतिरिक्त विटामिन सी व कैल्शियम की गोलियां भी खा सकती हैं।

नहाने से पहले

इस उम्र में हमारी त्वचा में डीहाइड्रेशन भी अधिक होता है व त्वचा अपनी नमी खो देती है। अतः आप जब भी नहाए तो एक-डेढ़ घंटे पहले बादाम या जैतून का तेल शरीर पर हल्की-सी मालिश करते हुए लगाएं। नहाते समय साबुन या बाथ जैल जो भी आप उपयोग करती हैं, उसे सीधे अपनी त्वचा पर न लगाते हुए एक छोटी टर्किश टॉवेल को गीला करके उसमें साबुन या बाथ जैल लगाएं व उसे अच्छी तरह से रगड़ते हुए त्वचा पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा अच्छी तरह से साफ होगी, डैड सेल्स निकल जाएंगे व घर्षण से रक्त का बहाव भी अच्छा होगा। चेहरे व शरीर की त्वचा तरोताजा होगी।

शॉवर या बाथ टब

यदि नहाते समय शॉवर या बाथ टब का उपयोग करती हैं तो बहुत अच्छा है। टब या शॉवर में कम से कम दस मिनट तक रहिए ताकि आपकी त्वचा पानी को एब्जॉर्ब कर सके व रीहाइड्रेट हो जाए। नहाकर निकलने के बाद हार्ड टॉवेल से अपना शरीर न पोंछें। हमेशा कॉटन की टर्किश टॉवेल का ही उपयोग करें। पानी को रगड़कर न पोंछें। एकदम हल्के हाथों से त्वचा को थपकाएं ताकि पूरा पानी न सूखे। फिर नम, हल्की गीली त्वचा पर ही कोई अच्छा-सा बॉडी लोशन लगा लें, ताकि आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहे। सप्ताह में दो बार दो चम्मच शहद, पंद्रह से बीस बूंद नींबू का रस, आधा चम्मच मलाई या घी व एक चम्मच ओट मील डालकर पेस्ट की तरह चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ करके अच्छी विटामिन क्रीम लगाएं। यदि आपकी ऑइली स्किन है तो मलाई का प्रयोग न करें व क्रीम के बदले मॉइश्चराइजर का प्रयोग करें।

हाथ व गर्दन की देखभाल

याद रखिए किसी भी महिला की उम्र का अंदाजा उसके हाथ व उसकी गर्दन से लगाया जा सकता है। अतः इनकी अच्छी तरह से देखभाल करें। चेहरे पर कुछ लोशन या क्रीम लगाती हैं तो उसे अपनी गर्दन व हाथों पर लगाना न भूलें। सप्ताह में एक बार आप मिल्क बाथ भी ले सकती हैं। एक बीस लीटर की बाल्टी में एक कप दूध या एक टेबल स्पून मिल्क पाउडर डालें। उसमें कुछ बूंदें चंदन के तेल की व कुछ बूंदें अपनी पसंद के परफ्यूम की डाल दें। इस पानी को धीरे-धीरे अपनी त्वचा पर डालते हुए नहाएं।

सिंथेटिक कपड़े कम पहनें

सिंथेटिक वस्त्रों का प्रयोग कम से कम करें। ये भी हमारी त्वचा की नमी सोखते हैं। वूलन कपड़े भी सीधे अपनी त्वचा पर न हों, इस बात का ध्यान रखें। सप्ताह में एक बार पेडीक्योर व मेनीक्योर अवश्य करें। इससे हाथ व पैरों की अच्छी सफाई होकर मसाज होगी तो आपके हाथ-पैरों पर उम्र का असर कम दिखेगा। ताजे व रसीले फलों का नियमित सेवन करें। फलों का रस पीने के बदले पूरे फल खाएं। जैसे संतरा, मौसंबी, पाइनेपल, सेव, अंगूर आदि का रस पीने के बजाए फल खाएं। इससे आपको रफेज भी मिलेगा और पाचन तंत्र अच्छा रहेगा।

प्राइवेट ब्राउजिंग का बड़ा फायदा...

बिना अपने कम्प्यूटर पर कूकीज डाउनलोड किए या फिर अपने बारे में किसी भी वेबसाइट को कम जानकारी देकर भी आप ब्राउजिंग कर सकते हैं। उसके लिए आपको प्राइवेट ब्राउजिंग या इनकौगनीटो मोड में करना होगा और उसको करना बहुत आसान है। अगर आप किसी भी प्रोडक्ट या सर्विस के लिए वेब सर्च कर रहे हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग से सर्च सेव नहीं होता है। कोई भी जब आपका कंप्यूटर इस्तेमाल करेगा तो उसे पता नहीं चलेगा कि आपने क्या सर्च किया है। वर्ना सभी सर्च जो आपके गूगल अकाउंट से किया जाता है उसका गूगल के पास रिकॉर्ड होता है।

क्या और कैसे करें?

गूगल क्रोम पर प्राइवेट ब्राउजिंग करने के लिए ब्राउजर लांच करने के बाद दाहिनी तरफ ऊपर में ये तीन लाइन दिखाई देती हैं उनपर क्लिक कीजिये। वहां पर न्यू इनकौगनीटो विंडो लिखा दिखाई देगा जिसपर आपको क्लिक करना होगा। उसके बाद जो ब्राउजर खुलेगा उस पर आप प्राइवेट ब्राउजिंग कर सकते हैं। यह प्राइवेट ब्राउजिंग तब तक चलेगा जब तक आप उसी विंडो पर किसी भी वेबसाइट पर जाएंगे।

ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री

अगर आप क्रोम ब्राउजर इस्तेमाल करते हैं तो प्राइवेट ब्राउजिंग के समय भी अपने ब्राउजिंग की हिस्ट्री को सुरक्षित रखने के लिए एक एक्सटेंशन डाउनलोड कर सकते हैं।ऑफ द रिकॉर्ड हिस्ट्री नाम के इस एक्सटेंशन को इस्तेमाल करके आप जितनी देर प्राइवेट ब्राउजिंग करेंगे, आपकी हिस्ट्री बरकरार रहेगी। एक बार आप ब्राउजर को बंद कर देंगे तो ये हिस्ट्री मिट जाएगी।

बच नहीं सकते

वैसे अपने रोजाना के ब्राउजिंग के बारे में जानने के लिए ब्राउजर की सेटिंग में जाकर बीते दिनों आप जिस भी वेबसाइट पर थे उनके बारे में जानकारी मिल जाएगी। यह हिस्ट्री आप अपने कंप्यूटर से मिटा तो सकते हैं लेकिन आपके ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइडर के पास ये जानकारी हमेशा रहती है। प्राइवेट ब्राउजिंग करके आप कानूनी एजेंसियों से भी बच नहीं सकते हैं। लेकिन इ कॉमर्स या फेसबुक, ट्विटर जैसे कंपनियों की कूकीज से बचने का ये बहुत बढ़िया तरीका है। प्राइवेट ब्राउजिंग करने पर ऐसे वेबसाइट को आपके बारे में सीमित जानकारी मिल पाती है और वो आपको सिर्फ आपके पसंद के विज्ञापन नहीं दिखा पाएंगे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)